शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 07 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-125

सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक किया जजों का सम्पत्ति का ब्यौरा

साख पर संकट से उबरने का प्रहसन

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज के यहां नोटों के जखीरे की बरामदगी की सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई लीपापोती से घबरा कर सुप्रीम कोर्ट ने अपने जजों की सम्पत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करने का प्रहसन खेलना शुरू किया है। ताकि असली मुद्दे से लोगों का ध्यान हटाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट के जजों की सम्पत्ति का ब्यौरा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने का प्रचार किया जा रहा है, लेकिन विडंबना यह है कि 33 जजों में से केवल 21 जजों की सम्पत्ति का ब्यौरा ही लोग देख पा रहे हैं। बाकी जजों ने अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा सुप्रीम कोर्ट को सौंपा है, लेकिन उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस पर सवाल उठ रहे हैं। वेबसाइट पर सुप्रीम कोर्ट के जजों की सम्पत्ति सार्वजनिक किए जाने से दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से मिले अकूत धन पर एफआईआर दर्ज नहीं करने और मामले को रफा दफा करने की हरकतों पर देश में चल रही चर्चा में कोई कमी नहीं आई है।

वेबसाइट में सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्त होने वाले जजों के नाम, अनुभव, उनकी नियुक्ति की समेत उनका किसी पहले से सेवा दे रहे जज के साथ रिश्ते आदि की जानकारी भी सार्वजनिक की है। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उसने न्यायाधीशों की सम्पत्ति का विवरण अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। यह जानकारी न्यायालय के उस फैसले को देखते हुए लिया गया है जिसमें सम्पत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक डोमेन में लाने की बात कही गई है, हालांकि वेबसाइट पर 33 में से केवल 21 जजों की जानकारी ही देखी

33 जजों में से केवल 21 जजों का ब्यौरा सार्वजनिक क्यों?

जज वर्मा के घर से मिले नोटों की लीपापोती पर चुप्पी क्यों?

जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की पूर्ण अदालत ने 1 अप्रैल 2025 को निर्णय लिया था कि न्यायाधीशों की सम्पत्ति का विवरण इस न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड करके सार्वजनिक डोमेन में रखा जाएगा। न्यायाधीशों की सम्पत्ति का विवरण जो पहले से उपलब्ध है, उसे अपलोड किया जा रहा है। बाकी जजों की जानकारी मिलने पर अपलोड की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी वेबसाइट पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में नियुक्तियों की पूरी प्रक्रिया की भी जानकारी दी है जिसमें राज्य सरकारों और केंद्र सरकार से मिलने वाला इनपुट और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के रोल के बारे में बताया गया है। इसका मकसद पारदर्शिता लाना और जनता को जागरूक बनाना है। इसमें 9 नवंबर 2022 से अब तक हाईकोर्ट के जजों की नियुक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जो प्रस्ताव रखा था उसे अपलोड किया गया है। कॉलेजियम ने 221 नामों की सिफारिश पिछले ढाई साल में की थी। इनमें से 29 उम्मीदवारों के नामों को सरकार ने मंजूरी दी।

इसमें ओबीसी 21, अत्यंत पिछड़ा वर्ग 7, एससी 7 और एसटी 5 शामिल हैं। इसमें जानकारी दी गई है कि कोई भी उम्मीदवार किसी रिटायर्ड या मौजूदा सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के जज का रिश्तेदार या परिवार तो नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जिन नामों की सिफारिश की थी उनमें से 11 जजों में 6 के पिता, 3 के रिश्तेदार और 1-1 के भाई या ससुर पूर्व में या वर्तमान में जज हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों की सम्पत्ति के सार्वजनिक ब्यौरे में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की सम्पत्ति की जानकारी भी शामिल है। खन्ना की सम्पत्ति में 55 लाख रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट और 1 करोड़ रुपए का पब्लिक प्रोविडेंट फंड शामिल है। 14 मई को मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभालने जा रहे जस्टिस बीआर गवई के बैंक अकाउंट में 19.63 लाख रुपए और पीपीएफ खाते में 6.59 लाख रुपए हैं। साथ ही उनकी सम्पत्ति में साउथ दिल्ली में दो बेडरूम का डीडीए फ्लैट और कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में चार बेडरूम का फ्लैट शामिल है। गुरुग्राम में चार बेडरूम के फ्लैट में भी उनकी 56 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं उनकी बेटी के पास बाकी 44 फीसदी हिस्सा है। ▶10पर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई पाकिस्तान की फजीहत

पहलगाम हमले पर जवाबदेही तय करे पाकिस्तान

न्यूयॉर्क, 06 मई (एजेंसियां)।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान का हर पैंतरा उल्टा उसी पर भारी पड़ रहा है। ताजा मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का है, जहां पाकिस्तान मदद मांगने गया था, लेकिन सुरक्षा परिषद ने उल्टे पाकिस्तान को ही लताड़ दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने पाकिस्तान से ही मुश्किल सवाल पूछे और पहलगाम आतंकी हमले पर जवाबदेही तय करने को कहा। इस तरह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी।

सोमवार को बंद दरवाजे के पीछे हुई यूएनएससी की बैठक में पाकिस्तान ने सोचा था कि वह अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाकर भारत पर दबाव बना लेगा, लेकिन यूएनएससी में पाकिस्तान उल्टा फंस गया और सदस्यों ने उसे जमकर खरी खोटी सुनाई। यूएनएससी की बैठक में सदस्यों ने पाकिस्तान से पूछा कि क्या पहलगाम आतंकी हमले में लश्कर ए तैयबा का हाथ है या नहीं? पाकिस्तान यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि भारत पहलगाम आतंकी हमले की आड़ में उस पर हमला करना चाहता है। सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान के इस बनावटी तर्क को खारिज कर दिया और उल्टे पहलगाम हमले में लश्कर ए तैयबा की भूमिका पर ताबड़तोड़ कई सवाल पूछ लिए। संयुक्त राष्ट्र परिषद की बैठक में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई और इसकी जवाबदेही तय करने की भी मांग की गई। कुछ सदस्यों ने खासकर इस बात पर सवाल उठाए कि पहलगाम में पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर निशाना बनाया गया। इसकी भी सदस्यों ने कड़ी निंदा की।

पाकिस्तान द्वारा हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया गया है। सुरक्षा परिषद के कई सदस्यों ने इस पर भी गहरी नाराजगी जताई और

सदस्यों के सवालों का कोई जवाब नहीं दे सका पाकिस्तान

इसे पाकिस्तान की उकसावे वाली कार्रवाई बताया। पाकिस्तान की कोशिश थी कि मामले को सुरक्षा परिषद में उठाकर इसका अंतरराष्ट्रीयकरण किया जाए और भारत पर दबाव बनाया जाए कि वह सैन्य कार्रवाई न करे, लेकिन उसकी यह कोशिश धरी की धरी रह गई और सुरक्षा परिषद ने ही पाकिस्तान को सलाह दी कि वे भारत के साथ मिलकर द्विपक्षीय तरीके से मुद्दे को सुलझाए।

गौरतलब है कि पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गैर स्थायी सदस्य है। भारत फिलहाल सुरक्षा परिषद का हिस्सा नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान ने सोचा था कि वह भारत की गैरमौजूदगी में सुरक्षा परिषद में अपना एजेंडा चलाने में वह सफल रहेगा क्योंकि उसके आरोपों पर जवाब देने के लिए भारत यूएनएससी का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह भारत की बढ़ती कूटनीतिक अहमियत का उदाहरण है कि भारत की गैरमौजूदगी में भी पाकिस्तान का एजेंडा नहीं चला और बाकी सदस्य देशों ने पाकिस्तान को ही घेर लिया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान की कोशिश पूरी तरह नाकाम रही, क्योंकि उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर कोई समर्थन नहीं मिला। ▶10पर

केंद्रीय गृह सचिव ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से बात की

युद्ध से बचाव के लिए देशभर में मॉक ड्रिल की तैयारी

आपात स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा का अभ्यास आज

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के लिए देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 7 मई को मॉक ड्रिल कराने को कहा है, ताकि किसी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले के सायरन, आम जनता को सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) से जुड़ी ट्रेनिंग देना, ब्लैकआउट उपाय, जरूरी ठिकानों की कैमोफ्लाज (छिपाने की व्यवस्था) और इवैक्यूएशन (निकासी) प्लान का अभ्यास किया जाएगा। 7 मई को देशभर में होने वाली सुरक्षा मॉक ड्रिल को लेकर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने अहम बैठक की।

बैठक में डीजी, सिविल डिफेंस और डीजी, एनडीआरएफ समेत कई उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हुए। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच हुई इस बैठक में गृह मंत्रालय के सबसे वरिष्ठ अधिकारी से सिविल डिफेंस तंत्र को मजबूत करने की तैयारियों की समीक्षा की गई। देशभर के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस के प्रमुख वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए। ▶10पर

तस्लीमा नसरीन का बेबाक बयान

जब तक इस्लाम है दुनिया में आतंकवाद रहेगा

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

बांग्ला लेखिका तस्लीमा नसरीन ने इस्लामिक कट्टरवाद पर करारा प्रहार करते हुए कहा है कि जब तक दुनिया में इस्लाम रहेगा, आतंकवाद खत्म नहीं होगा। महिलाएं असुरक्षित रहेंगी और गैर इस्लामिक लोगों के साथ भेदभाव होता रहेगा

महिलाएं खतरे में रहेंगी, बच्चे मरते रहेंगे

बांग्लादेश से निर्वासित और भारत में शरण लेने वाली लेखिका तस्लीमा नसरीन ने इस्लाम और आतंकवाद का कनेक्शन जोड़ा है। उनका कहना है कि जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद भी जिंदा रहेगा। गैर-मुसलमानों को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी, स्वतंत्र विचारकों और तर्कवादियों को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी, महिलाओं को कोई सुरक्षा ▶10पर

पाकिस्तान की आर्थिक रीढ़ तोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

इटली और एशियन डेवलपमेंट बैंक से हुई वित्त मंत्री की वार्ता

एफएटीएफ की ग्रे-लिस्ट में पाक को शुमार रखने की भी पहल

पहलगाम में आतंकी हमले का कुचक्र रच कर पाकिस्तान बुरी तरह फंस गया है। भारत के एक के बाद एक सख्त कदमों ने उसकी मुश्कें कसनी शुरू कर दी हैं। सिंधु का पानी रोकने के बाद उसके यहां हाहाकार मचने लगा है, आपस में लोग सिर फोड़ रहे हैं। कूटनीतिक स्तर पर दुनिया के 80 फीसदी से ज्यादा देश पाकिस्तान को दुत्कारते हुए भारत के पाले में आ खड़े हुए हैं। भारत अब पाकिस्तान की एक और लगाम कसने जा रहा है। पाकिस्तान इससे घबराया हुआ है। सिंधु जल संधि निरस्त करने के बाद अब भारत ने पाकिस्तान को मिलने वाले कर्जे का स्रोत बंद करना शुरू किया है। भारत सरकार की इस बारे में इटली और एशियन डेवलपमेंट बैंक से बात भी हो चुकी है।

पाकिस्तान बचने के लिए रणनीतियां तो बना रहा है लेकिन उसके यहां अराजकता का माहौल है, विश्वसनीयता की कमी है और देश के लिए कुछ करने की भावना किसी नेता में नहीं है, वे भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं। भारत के सख्त कदमों का उसके पास कोई तोड़ नहीं है। भारत ने उसकी आर्थिक नाकेबंदी के लिए इटली और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से पाकिस्तान को दिए जाने वाले अनुदान को रोक देने की बात की है। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इटली के मिलान में चल रही एडीबी की 58वीं सालाना बैठक के दौरान इटली के वित्त मंत्री जियान कार्लो जियोर्जेटी से इस विषय पर बात की। बैठक में सीतारमण ने कहा कि इटली पाकिस्तान में अपने वित्तीय सहयोग और परियोजनाओं पर रोक लगा दे तो बेहतर होगा। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी और इटली का विकास कोऑपरेशन पाकिस्तान में कई जगह काम कर रहे हैं और उस देश में अनेक परियोजनाओं में पैसा लगा रहा है। ▶10पर

दिल्ली सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को नहीं मिलेगा मुफ्त राशन

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस फैसले के तहत रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को मुफ्त राशन की सरकारी योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। घुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी होने तक उन्हें फ्री-बिजली भी नहीं मिलेगी। दिल्ली सरकार ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। दिल्ली सरकार ने सरकारी योजनाओं में हो रही धांधली से बचने के लिए यूनिफाइड डेटा हब बनाने जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों का एक रिकॉर्ड बनाना है। ▶10पर

बाहर निकाले जाने तक फ्री बिजली भी नहीं मिलेगी

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 25°

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर जताई नाराजगी

राहुल गांधी कहां के नागरिक? 10 दिन में बताए मोदी सरकार

प्रयागराज, 06 मई (एजेंसियां)।

राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर पूछे जा रहे सवालों पर सधी केंद्र सरकार की चुप्पी पर हाईकोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि इसकी पूरी जिम्मेदारी भारत सरकार पर है। भारत सरकार अगर इस बारे में शीघ्र जवाब नहीं देती है तो इसे कोर्ट की अवमानना मानी जाएगी।

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस मामले में जल्द से जल्द अंतिम निर्णय ले और याचिकाकर्ता को राहुल गांधी की नागरिकता के बारे में सूचित करे। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है कि यह दो सरकारों के बीच जुड़ा विषय है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर केंद्र सरकार की तरफ से कोई अंतिम निर्णय लिया जाता है तो याचिकाकर्ता फिर से हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि अब पूरी जिम्मेदारी भारत सरकार पर है। भारत सरकार अगर इसमें फैसला नहीं लेती है तो इसे कोर्ट की अवमानना का मामला माना जाएगा। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर दाखिल याचिका फिलहाल निस्तारित कर दी है, लेकिन याचिकाकर्ता के लिए दोबारा हाईकोर्ट आने का रास्ता साफ रखा है।

याचिकाकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी की नागरिकता पर सवाल उठाए थे और इस मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की

राहुल गांधी की नागरिकता पर पर्दा डाल रही है मोदी सरकार

मांग की थी। याचिका में दावा किया गया था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पास यूनाइटेड किंगडम (यूके) की नागरिकता है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि ऐसे साक्ष्य मौजूद हैं, जो दर्शाते हैं कि गांधी ब्रिटिश नागरिकता रखते हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया था कि गांधी की दोहरी नागरिकता के बारे में उन्होंने दो बार सक्षम प्राधिकारी को शिकायत भेजी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर यह मौजूदा याचिका दाखिल की गई है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 के अनुसार, कोई भी व्यक्ति एक साथ भारतीय और किसी अन्य देश की नागरिकता नहीं रख सकता। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर ऐसी ही याचिका दाखिल की थी। हालांकि, न्यायालय ने कहा था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की पीठ के समक्ष दायर याचिकाओं पर स्पष्टता मिलने के बाद वह मामले की सुनवाई करेगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश एआर मसूदी और राजीव सिंह की खंडपीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह जल्द से जल्द इस मामले में अंतिम फैसला ले और याचिकाकर्ता को सूचित करे। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर केंद्र सरकार फैसला नहीं लेती, तो इसे कोर्ट की अवमानना माना जाएगा। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द की जाए और सीबीआई इसकी जांच करे। उन्होंने कहा कि दोहरी नागरिकता भारतीय संविधान, भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट एक्ट का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने दो बार गृह मंत्रालय को शिकायत भेजी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उल्लेखनीय है कि भारत का संविधान किसी व्यक्ति को एक ही समय में भारतीय नागरिकता और विदेशी नागरिकता दोनों रखने से रोकता है। ▶10पर

वेटिकन में हलचल तेज, नए पोप के चयन की प्रक्रिया आज से शुरू

वेटिकन सिटी,06 मई (एजेंसियां) ।

पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के चयन के लिए यहां हलचल बढ़ गई है। नए पोप के चयन की प्रक्रिया आज शुरू होगी। इस कान्क्लेव में हिस्सा लेने के लिए 132 कार्डिनल इलेक्टर्स सहित 170 कार्डिनल्स पहुंच चुके हैं। दुनियाभर के 140 करोड़ कैथोलिक के नए पोप का चुनाव भौगोलिक विविधता के लिहाज से इस बार ऐतिहासिक होगा।

नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से कान्क्लेव शुरू होगी। हालांकि ऐसा कोई बाध्यता नहीं है कि कार्डिनल राष्ट्रीयता अथवा क्षेत्र के लिहाज से मतदान करें, लेकिन भौगोलिक लिहाज से उनके दृष्टिकोण को समझने से उनकी प्राथमिकताएं पता चलती हैं। फिलहाल 71 देशों में 80 वर्ष से कम उम्र के 135 कार्डिनल हैं। इनमें से दो ने स्वास्थ्य कारणों के से मतदान में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है। बहुमत के लिए दो-तिहाई यानी 89 मत की जरूरत होगी। इटली में सर्वाधिक 17 कार्डिनल हैं। इसके बाद अमेरिका (10), ब्राजील (7), फ्रांस और स्पेन (5), अर्जेंटीना, कनाडा, भारत, पोलैंड और पुर्तगाल में चार-चार कार्डिनल हैं। वेटिकन के आंकड़ों के अनुसार, यूरोप के 53 कार्डिनल हैं और एक के बीमार होने से मतदान में 52 हिस्सा लेंगे। इसके बाद एशिया से 23, अफ्रीका के 18 में एक की खराब तबीयत के बाद 17, दक्षिण अमेरिका के 17, उत्तरी अमेरिका के 16, मध्य अमेरिका के चार और ओसियनिया के चार कार्डिनल हैं। इस चुनाव की खासियत यह है कि वह गुप्त होगा। कान्क्लेव से पूर्व सोमवार को कार्डिनल के सहायक कर्मचारियों ने पौलीन चैपल में गोपनीयता की शपथ ली है। इनमें चिकित्सक, नर्स, खानसामा, चालक, लिफ्ट चालक, सफाई समेत कई जरूरी कामों से जुड़े कर्मचारी शामिल हैं। यह सभी कर्मचारी कान्क्लेव के दौरान बाहर नहीं जा सकेंगे। इस शपथ के टूटने का मतलब सीधे चर्च से उस व्यक्ति का निष्कासन होगा। नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से सिस्टीन चैपल में कार्डिनल शपथ लेकर कान्क्लेव की शुरुआत करेंगे।

वेटिकन सिटी में सोमवार को कार्डिनल्स की 11वीं आम सभा की शुरुआत प्रार्थना से हुई। होली सी प्रेस ऑफिस के निदेशक माटेओ ब्रूनी के अनुसार, इस दौरान लगभग 20 हस्तक्षेप प्रस्तुत किए गए। इस दौरान कई प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल की वायुसेना का यमन एवं लेबनान में हमला, हूती और हिजबुल्लाह की तोड़ी कमर

साना (यमन)/बेरूत (लेबनान)। इजराइल ने अपने हवाई अड्डे पर हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले का तगड़ा जवाब दिया है। इजराइल की वायुसेना ने सोमवार को यमन के होदेदा शहर पर हवाई हमले किए। इसके अलावा लेबनान के बेका क्षेत्र में हिजबुल्लाह के सैन्य हथियार उत्पादन और भंडारण सुविधा केंद्र पर हमला किया। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर यह जानकारी दी। आईडीएफ के अनुसार, इजराइल की वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने यमन के तट पर हूती आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यह हमला हूती के हमलों के जवाब में किया गया। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने हुदैदाह बंदरगाह को निशाना बनाया। हूती इसका इस्तेमाल सैन्य रणनीति के रूप में काम करता है। यहां से ईरानी हथियार प्राप्त होते हैं। आईडीएफ के अनुसार, इसके अलावा अल-हुदैदाह शहर के पूर्व में स्थित बाजिल कंक्रीट प्लांट पर भी हमला किया गया। यहां से हूती को भूमिगत सुरंगों का जाल बिछाने में मदद मिलती है। आईडीएफ के अनुसार, इससे पहले लेबनान के बेका क्षेत्र में हिजबुल्लाह के हथियार उत्पादन और भंडारण सुविधा के भीतर सटीक हमला किया गया इसके अतिरिक्त श्रीफा के क्षेत्र में उसके बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया गया।

खालिदा जिया लौट रही हैं स्वदेश, ढाका में स्वागत के लिए सैलाब

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वागत के लिए सुबह राजधानी ढाका में जनसैलाब उमड़ पड़ा है। लिवर सिरोसिस, दिल की बीमारी और किडनी की समस्या से ग्रसित खालिदा जिया लंदन से इलाज करवा कर विशेष एयर एंबुलेंस से स्वदेश लौट रही हैं। इसने कल रात हीथ्रो हवाई अड्डे से उड़ान भरी। दोहा में रुकने के बाद इसके दोपहर से पहले हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की उम्मीद है। खालिदा जिया को यह विशेष एयर एंबुलेंस कतर के शाही खानदान ने उपलब्ध कराई है। 79 वर्षीय खालिदा जिया के साथ उनकी बहुएं जुबैदा रहमान और सईदा शमिला रहमान भी हैं। हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से खालिदा जिया के गुलशन स्थित आवास फिरोजा तक के मार्ग पर दोनों तरफ कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में खड़े हैं।

सैन डिएगो के तट पर नाव पलटने से तीन लोगों की मौत, नौ लापता

सैन डिएगो। अमेरिका के सैन डिएगो तट के पास सोमवार को एक छोटी नाव के पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए और नौ अन्य अब भी लापता हैं। घटना की पुष्टि स्थानीय शेरिफ विभाग और अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने की है। शेरिफ विभाग के अनुसार, यह हादसा सोमवार सुबह करीब 6:30 (स्थानीय समयानुसार) बजे टॉरी पाइंस स्टेट बीच के पास हुआ। गश्ती दल को एक पंगा-शैली की नाव के पलटने की सूचना मिली, जिसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया। कोस्ट गार्ड ने बताया कि हादसे के समय नाव पर सवार लोगों की तलाश के लिए व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है। खोज क्षेत्र सान डिएगो शहर से लगभग 24 किलोमीटर उत्तर में है। हेलीकॉप्टर, गश्ती नौकाएं और अन्य बचाव एजेंसियां सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई हैं। घायलों को तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। शेरिफ विभाग और कोस्ट गार्ड ने अभी तक पीड़ितों की राष्ट्रीयता या पहचान उजागर नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि लापता लोगों की तलाश जारी है और दुर्घटना की जांच भी शुरू कर दी गई है। तटीय सुरक्षा एजेंसियों ने स्थानीय नागरिकों से समुद्र किनारे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत देने की अपील की है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के डग मिल्स की फोटो को पुलित्जर पुरस्कार

न्यूयॉर्क,06 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय ने पुलित्जर पुरस्कार विजेताओं की घोषणा कर दी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की झोली में सोमवार को चार पुरस्कार आए । इनमें डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास की तस्वीरें भी शामिल हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूडान के गृहयुद्ध, अफगानिस्तान में अमेरिकी विफलताओं और शहर के घातक ओपियोइड संकट की बाल्टीमोर बैनर के साथ जांच पर रिपोर्टिंग के लिए भी पुरस्कार जीता। प्रोपब्लिका को सार्वजनिक सेवा पुरस्कार दिया गया। पुलित्जर पुरस्कार पत्रकारिता के लिए 15 और कला क्षेत्र में आठ श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। पुरस्कार विजेता को प्रमाण पत्र और 15,000 डॉलर की राशि प्रदान की जाती है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने घातक ओपियोइड संकट की जांच के लिए गैर-लाभकारी समाचार आउटलेट द बाल्टीमोर बैनर के साथ मिलकर भी पुरस्कार जीता। द न्यू यॉर्कर ने कमेंट्री और फीचर फोटोग्राफी के साथ-साथ अपने खोजी पॉडकास्ट इन द डार्क के लिए तीन पुरस्कार जीते। प्रोपब्लिका ने देश भर में राज्य गर्भपात प्रतिबंधों के प्रभाव की कवरेज के लिए सार्वजनिक सेवा के लिए पुरस्कार जीता। इसे पुलित्जर में सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है। रिपोर्टर कविता सुराना, लिजी प्रेसर, कैसंड्रा जारामिलो और फोटोग्राफर स्टेसी क्रैनिट्ज ने मृत्यु प्रमाणपत्रों और अस्पताल के रिकॉर्ड का उपयोग करके यह पता लगाया कि कैसे प्रतिबंधों ने माताओं की रोकी जा सकने वाली मौतों को सीधे तौर पर जन्म दिया।

कर्मचारियों ने जुलाई में बटलर, पेनसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली में उनकी हत्या के प्रयास की कवरेज के लिए ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग का पुरस्कार जीता। वाशिंगटन पोस्ट की एन टेलनेस को सचित्र रिपोर्टिंग और टिप्पणी के लिए पुरस्कार दिया गया। कार्टूनिस्ट टेलनेस ने जनवरी में इस्तीफा दे दिया था। रॉयटर्स को फेंटेनल एक्सप्रेस के लिए खोजी रिपोर्टिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह एक श्रृंखला अमेरिका के ओपियोइड संकट के पीछे नशीली दवाओं के व्यापार की जांच करती है। दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क की कवरेज के लिए द वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकारों को राष्ट्रीय रिपोर्टिंग पुरस्कार मिला। कवरेज ने रूढ़िवादी राजनीति में मस्क के प्रभाव, अवैध दवाओं के उपयोग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के बारे में विवरण प्रकट किया। क्रिस्टीना गोल्डबाम और मैथ्यू ऐकिंस ने अफगानिस्तान में युद्ध के परिणामों की जांच के लिए रिपोर्टिंग पुरस्कार जीता। डेक्लेन वाल्श और द न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकारों ने सूडान में चल रहे गृहयुद्ध की कवरेज के लिए अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग का पुरस्कार जीता। न्यूयॉर्क टाइम्स के डग मिल्स ने पिछले वर्ष राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या के प्रयास की तस्वीरें लेने के लिए ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफी पुरस्कार जीता, जिसमें एक तस्वीर में गोली भी दिखाई दे रही थी। द बाल्टीमोर बैनर और द न्यूयॉर्क टाइम्स की एलिसा झू, निक थिएम और जेसिका गैलाघर को खोजी रिपोर्टिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फीचर लेखन का पुरस्कार एस्क्वायर पत्रिका के योगदानकर्ता मार्क वारेन को मिला। द न्यू यॉर्कर के मोसाब अबू तोहा को गाजा पट्टी में अनुभव आधारित निबंधों के लिए सम्मानित किया गया। आलोचना के लिए ब्लूमबर्ग सिटीलैब की लेखिका एलेक्जेंड्रा लैंग को पुरस्कृत किया गया। ह्यूस्टन क्रॉनिकल के राज मनकाड, शेरोन स्टीनमैन, लिसा फाल्केनबर्ग और लीह बिंकोविट्ज को खतरनाक रेल क्रॉसिंग और अवरुद्ध चौराहों के बारे में एक श्रृंखला के लिए संपादकीय लेखन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कला और साहित्य के लिए पुरस्कारों में पर्सीवल एवरेट के उपन्यास जेम्स को फिक्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ब्रैंडन जैकब्स-जेनकिंस के पर्पस ने ड्रामा पुरस्कार जीता। यह नाटक नागरिक अधिकार आंदोलन से जुड़े एक प्रमुख अश्वेत परिवार के भीतर के एक समझौते पर आधारित है।

इतिहास पुरस्कार कैथलीन डुवैल की किताब नेटिव नेशंस: ए मिलेनियम इन नॉर्थ अमेरिका और एडा एल. फील्ड्स-ब्लैक की कॉम्बी: हैरियट टबमैन, द कॉम्बाही रिवर रेड, एंड ब्लैक फ्रीडम ड्यूरिंग द सिविल वॉर को दिया गया। जीवनी पुरस्कार लेखक जेसन रॉबर्ट्स को एवरी लिविंग थिंग: द ग्रेट एंड डेडली रेस टू नो ऑल लाइफ के लिए दिया गया। टेसा हल्स को आत्मकथा पुरस्कार दिया गया। बेंजामिन नाथन्स की पुस्तक टू द सक्सेस ऑफ आवर होपलेस कॉज: द मेनी लाइव्स ऑफ द सोवियत डिसिडेंट मूवमेंट को सामान्य नॉनफिक्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कविता पुरस्कार मैरी होवे की को मिला।

विक्ट्री डे से पहले यूक्रेन ने मॉस्को पर ताबड़तोड़ किए हमले, 19 ड्रोन से की बमबारी

मॉस्को,06 मई (एजेंसियां) ।

मॉस्को में होने जा रहे विक्ट्री डे से कुछ ही दिन पहले यूक्रेन ने बमबारी कर दी। 5-6 मई की रात रूस की राजधानी मॉस्को पर 19 ड्रोन हमलों की कोशिश की गई लेकिन इसे रूस रोकने में कामयाब रहा। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने इससे जुड़ा दावा किया। ये दूसरी रात थी जब मॉस्को को निशाना बनाया गया। रूस का कहना है कि उनके हवाई रक्षा बलों के सामने ये ड्रोन किसी काम के नहीं। एक ड्रोन का मलबा मॉस्को की महत्वपूर्ण सड़क काशिरस्कोये हाईवे पर गिरा, जहां आपातकालीन टीमें काम कर रही हैं। कोई हताहत नहीं हुआ। हमलों की वजह से मॉस्को के चार बड़े हवाई अड्डे वनुकोवो, डोमोडेडोवो, झुकोव्स्की और शेरेमेत्येवो कुछ देर के लिए बंद करने पड़े। साथ ही, रूस के कलुगा ओब्लास्त में ग्राब्त्सेवो हवाई अड्डे पर भी पाबंदियां लगाई गईं। यूक्रेन ने इन हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ये हमले रूस के 9 मई को होने वाले विक्ट्री डे समारोह से ठीक पहले हुए, जो द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की याद में मनाया जाता है। क्रेमलिन ने इस बार विदेशी मेहमानों को न्योता भेजा। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि वह इसमें शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 8 मई की मध्यरात्रि से 11 मई की मध्यरात्रि तक 'मानवीय युद्धविराम' का ऐलान किया है। लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे 'नाटक' करार देते हुए खारिज कर दिया। जेलेंस्की का कहना है कि रूस इस तरह की छोटी-मोटी घोषणाओं से दुनिया को बेवकूफ बनाता है और इसका कोई इरादा नहीं रखता। यूक्रेन के सैन्य कमांडर जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की ने कहा कि कुर्स्क में उनकी सेना ने ज्यादातर लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। ये हमले यूक्रेन की सैन्य ताकत दिखाने और रूस को अन्य मोर्चों पर हमला करने से रोकने के लिए किए गए। दूसरी तरफ, रूस का दावा है कि उसने कुर्स्क में यूक्रेन की घुसपैठ को नाकाम कर दिया, लेकिन जेलेंस्की कहते हैं कि उनकी सेना कुर्स्क और बेलगोरोद में अब भी सक्रिय है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 4 मई को कहा कि यूरोपीय संघ के नेता उनसे बार-बार पुतिन से बात करने की गुजारिश कर रहे हैं, ।

बगदाद में आये रेत के तूफान

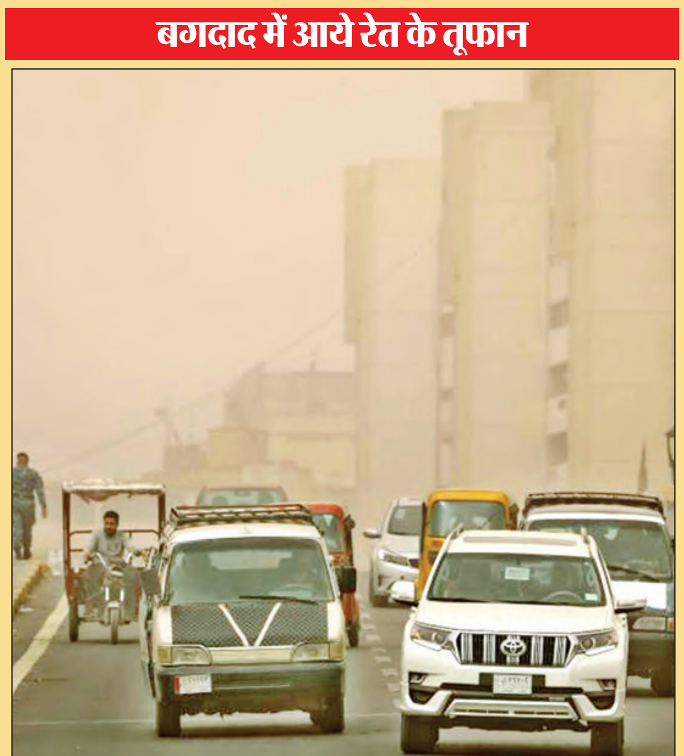

बगदाद में आये रेत के तूफान के बीच ही सड़कों पर चलती हुई कारें।

तुर्की के बम, मिसाइल से लैस जहाज को पाक बता रहा सद्भावना यात्रा

कराची,06 मई (एजेंसियां) ।

तुर्की का युद्धपोत टीसीजी बुयुकाडा (एफ-512) रविवार को पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर पहुंचा, जिसे पाकिस्तानी नौसेना ने 'सद्भावना यात्रा' बताया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम हिंदू नरसंहार के बाद तनाव चरम पर है। तुर्की के इस कदम ने क्षेत्रीय समीकरणों पर सवाल खड़े किए हैं, लेकिन सैन्य ताकत की बात करें तो भारत की नौसेना का जवाब नहीं। आइए, पहले तुर्की के इस जहाज की ताकत को समझें और फिर देखें कि भारत का दमखम कैसे इसे पीछे छोड़ता है। इस जहाज की अधिकतम स्पीड 29 नॉट (54 किमी/घंटा) है। इसकी रेंज 15 नॉट पर 3,500 नॉटिकल मील (6,500 किमी) की दूरी तक जा सकता है। इसमें क्रू की संख्या 93 और अधिकतम 106 तक हो सकती है। तुर्की का दावा है कि यह जहाज स्टील्थ तकनीक से लैस है, जिससे रडार पर पकड़ में आना मुश्किल होता है। यह क्षेत्रीय मिशनों के लिए ठीक है, लेकिन भारत की नौसेना की ताकत के सामने यह इतना खास नहीं है। आईएनएस कुठार और आईएनएस खंजर जैसे कामोर्ता-क्लास कोरवेट्स टीसीजी बुयुकाडा से कहीं ज्यादा ताकतवर हैं। इनकी रेंज और हथियारों की मारक क्षमता तुर्की के जहाज को पीछे छोड़ती है। भारत के जहाजों पर ब्रह्मोस मिसाइल लगी हैं जो 400 किमी तक निशाना साध सकती है। ये हार्पून मिसाइल से कहीं आगे है। इसकी स्पीड और सटीकता दुश्मन जहाजों के लिए घातक है। इसके अलावा भारत के पास विक्रांत जैसे स्वदेशी विमानवाहक पोत, विशाखापट्टनम-क्लास डिस्ट्रॉयर, और शिवालिक-क्लास फ्रिगेट्स हैं, जो लंबी दूरी के युद्ध और क्षेत्रीय प्रभुत्व में तुर्की-पाक गठजोड़ से कहीं आगे हैं। बुयुकाडा तुर्की की एडीए-क्लास कोरवेट का हिस्सा है, जिसे मिल्गेम प्रोजेक्ट के तहत 2013 में नौसेना में शामिल किया गया था। यह जहाज खास तौर पर पनडुब्बी-रोधी युद्ध, सतह पर हमला और गश्ती मिशनों के लिए बनाया गया है।

हवाई यातायात नियंत्रकों के छुट्टी पर जाने से नेवार्क एयरपोर्ट पर उड़ानों पर संकट

न्यूयॉर्क,06 मई (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क महानगर के तीन प्रमुख हवाई अड्डों में शुमार नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अभूतपूर्व संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवाई यातायात नियंत्रकों के आकस्मिक छुट्टी पर चले जाने से उड़ानों पर संकट मंडराने लगा है। नेवार्क एयरपोर्ट की अव्यवस्था को हवाई यातायात नियंत्रकों ने और बदतर बना दिया।

वह अपनी विफलता को स्वीकार करने के बजाय आपातकालीन छुट्टी पर चले गए हैं। संघीय उड्डयन प्रशासन ने माना है कि नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट की अव्यवस्था इस वजह से और चौपट हो गई है। सीएनएन के अनुसार, कम से कम पांच हवाई यातायात नियंत्रकों ने संघीय कर्मचारी मुआवजा अधिनियम के तहत अवकाश लिया है। यह कानून संघीय कर्मचारियों को कामकाज के दौरान मानसिक अवसाद होने पर अवकाश लेने के लिए बनाया गया था। इस नियम के तहत छुट्टी लेने पर वेतन कटौती भी नहीं होती। संघीय उड्डयन प्रशासन ने सोमवार को कहा, उपकरण और दूरसंचार में बार-बार व्यवधान नियंत्रकों के लिए तनावपूर्ण हो सकता है। फिलाडेल्फिया ट्राकॉन नेटवर्क के कुछ नियंत्रक नेवार्क में आगमन और प्रस्थान पर काम करते हैं। यह हाल ही में हुई रुकावटों के तनाव से उबरने के लिए अवकाश पर गए हैं। नेवार्क एयरपोर्ट में कर्मचारियों की कमी के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाल के दिनों में न्यू जर्सी ट्रांजिट हब पर विमानों के देरी और उड़ानों को रद्द करने की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यूनाइटेड एयरलाइंस के सीईओ पहले ही एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को आउटेज के बाद नौकरी छोड़ने के लिए फटकार लगा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नेवार्क में उड़ानों की देखरेख करने वाले 20 प्रतिशत कर्मचारियों ने उपकरणों की विफलता के कारण छुट्टी ले ली थी। पिछले सप्ताह रडार और संचार में 90 सेकंड की रुकावट के लिए जले हुए तांबे के तार को जिम्मेदार ठहराया गया है। उल्लेखनीय है कि नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट हर दिन 24 घंटे खुला रहता है। यह एयरपोर्ट मैनहट्टन में टाइम्स स्क्वायर से लगभग 15 मील (24 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में थ्री ब्रूस्टर रोड, नेवार्क, न्यू जर्सी 07114 पर स्थित है। यह अमेरिका का सबसे पुराना एयरपोर्ट है। यह देश के पहले वाणिज्यिक एयरलाइन टर्मिनल का केंद्र है। 2022 में इस एयरपोर्ट से 43.4 मिलियन यात्री जुड़े। इस वजह से यह देश का 13वां सबसे व्यस्त और दुनिया का 23वां सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बना।

अमरनाथ यात्रा पर अनिश्चितता के बादल, पर तैयारियां जारी

जम्मू, 06 मई (ब्यूरो)। पहलगाम नरसंहार के बाद पाकिस्तान पर हमला कर उसे नेस्तनाबूद कर देने का जो स्वर पूरे देश में सुनाई दे रहा है उसने युद्ध से पहले वाक युद्ध का माहौल बना गया है। युद्ध की तैयारियां भी आरंभ होने लगी हैं और इस अनिश्चितता के बीच अमरनाथ यात्रा की तैयारियां भी जारी हैं।

3 जुलाई से आरंभ हो रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए श्राइन बोर्ड ने पहले ही कई प्रबंध किए हैं। श्राइन बोर्ड के प्रवक्ता के बकौल, हिमलिंग के संरक्षण के लिए गुफा के द्वार पर लोहे की ग्रिल 89 साल पहले ही लगाई जा चुकी है। अब श्राइन बोर्ड ने अपनी एक टीम को गुफा के लिए रवाना करने वाला है। इस टीम के जिम्मे हिमलिंग का संरक्षण करना और इसको सुनिश्चित करना है कि गुफा के भीतर जाकर कोई हिमलिंग से छेड़छाड़ न करे। नतीजतन श्राइन बोर्ड के कर्मियों को गुफा के बाहर उन भक्तों से तकरीबन दो माह तक जूझना होगा जो समय से पहले हिमलिंग के दर्शन इसलिए कर लेना चाहते हैं क्योंकि पिछले कई सालों से यह देखने को मिल रहा है कि यात्रा शुरू होने से पहले ही हिमलिंग पिघल जाता रहा है।

यही नहीं पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में तनाव के बीच जम्मू कश्मीर में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में हर साल प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग की पहली गैर सरकारी तस्वीर भी सामने आई है।

इस बार शिवलिंग ने चौड़ाई का आकार लिया हुआ है। शिवलिंग की इस बार ऊंचाई करीब 8 से 10 फीट है। साल भर लाखों की तादाद में श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में बनने वाली इस हिम शिवलिंग की पहली तस्वीर का इंतजार करते हैं। आगामी 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। यह यात्रा करीब 38 दिनों तक चलकर 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।

जम्मू कश्मीर के राज्यपाल और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने इस साल की अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा भी लिया है। अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की उम्र 13 से 70 साल के बीच होनी चाहिए। इसके लिए मेडिकल सर्टिफिकेट भी जरूरी है। 15 अप्रैल से अभी तक आफलाइन और आनलाइन माध्यम से करीब 3 लाख 60 हजार श्रद्धालुओं ने अमरनाथ की यात्रा के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन करवाया है। इस बार बोर्ड ने ई-केवाईसी, आरएफआईडी कार्ड, आन स्पाट रजिस्ट्रेशन और दूसरी व्यवस्थाओं को भी अच्छा करने का निर्णय लिया है जिससे अमरनाथ की पवित्र यात्रा अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित रहे। सूत्रों की मानें तो पहलगाम हमले का कोई असर अभी तक रजिस्ट्रेशन पर देखने को नहीं मिला है। इस बार पिछली बार से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है पर अब इसके संपन्न होने पर अनिश्चितता के बादल युद्ध के बादलों के कारण मंडराने लगे हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए रास्ता तैयार करने में सीमा सड़क संगठन भी जुटा हुआ है। बालटाल में बर्फ हटाने का काम जारी है। अमरनाथ यात्रा इस बार 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। इसे देखते हुए सीमा सड़क संगठन ने तैयारी तेज कर दी है। बीआरओ यात्रा के लिए बालटाल रूट तैयार करने में जुटा है। ये पवित्र गुफा तक पहुंचने के प्रमुख रास्तों में से एक है। सीमा सड़क संगठन के कर्मचारी बर्फ हटाने में कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि इस रास्ते से पवित्र गुफा के दर्शन के लिए जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं का सफर सुरक्षित और आरामदायक हो।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का सचिव पद महिला सदस्यों के लिए आरक्षित, 20 मई को चुनाव

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने सचिव का पद महिला सदस्यों के लिए आरक्षित करने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का चुनाव 20 मई को कराने का मंगलवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि चुनाव वर्ष 2024 के चुनावों में अंतिम रूप दी गई मतदाता सूची के आधार पर कराए जाने चाहिए।

पीठ ने यह भी कहा कि 28 फरवरी, 2025 तक पात्रता प्राप्त करने वाले सभी सदस्य चुनाव में मतदान करने के हकदार होंगे।

शीर्ष अदालत ने सचिव का पद विशेष रूप से महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित करते हुए कहा कि कार्यकारी समिति में एक तिहाई सीटें, यानी नौ में से तीन, उनके (महिला) लिए होंगी।

पीठ ने निर्देश दिया कि उपनियमों में सुधार का सुझाव देने के लिए शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त पूर्व शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एल नागेश्वर राव की रिपोर्ट एससीबीए की वेबसाइट पर अपलोड की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, रिपोर्ट को चुनौती देने पर विचार नहीं किया जाएगा। हालांकि, सदस्यों के सुझावों का स्वागत किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू करना संभव नहीं हो सकता है, क्योंकि मौजूदा एससीबीए कार्यकारी समिति का कार्यकाल 19 मई को समाप्त हो रहा है।

पीठ ने एसोसिएशन के सदस्यों को स्पष्ट कर दिया कि वह एससीबीए के विचार सुने बिना रिपोर्ट के कार्यान्वयन का निर्देश नहीं देगी।

शीर्ष न्यायालय ने कहा, इस चुनाव में हम पिछली परंपरा के अनुसार जारी रख सकते हैं, लेकिन भविष्य के चुनावों के लिए हमें इस बारे में सहायता की आवश्यकता है कि एससीबीए के चुनाव उसी दिन क्यों नहीं हो सकते, जिस दिन उच्च न्यायालय, जिला न्यायालयों के चुनाव होते हैं।शीर्ष अदालत ने दो मई, 2024 को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में एक तिहाई पद महिला सदस्यों के लिए आरक्षित करने का निर्देश देते हुए कहा था कि एक प्रमुख संस्था होने के नाते यह दशकों तक स्थिर नहीं रह सकती और चुनौतियों का सामना करने के लिए समय पर सुधार किए जाने चाहिए।पीठ ने तब कहा था, हमारा मानना है कि एससीबीए एक प्रमुख संस्था है और देश के सर्वोच्च न्यायिक मंच का एक अभिन्न अंग है। मानदंड, पात्रता शर्तें, सदस्यता, सदस्यता शुल्क संरचना आदि दशकों तक स्थिर नहीं रह सकते और समय-समय पर संस्था के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समय पर सुधार किए जाने की आवश्यकता है।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों के चुनाव के लिए मतदान 20 मई को समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू की जाएगी और 21 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

एलओसी पर रहने वालों की देशभक्ति ठाठे मार रही

महिलाएं भी कुल्हाड़ी लेकर दुश्मन से भिड़ने को तैयार

जम्मू, 06 मई (ब्यूरो)। पहलगाम नरसंहार के बाद दोनों मुल्कों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते जैसे-जैसे युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं, एलओसी से सटे गांवों में रहने वाले लोग देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो रहे हैं। यहां तक कि गांवों की महिलाएं भी कुल्हाड़ी लेकर दुश्मन से भिड़ने को तैयार हैं।

एलओसी के पास गुरेज की तुलैल घाटी के गांव में लोग युद्ध की तैयारियों में लगे हैं। यहां की महिलाएं भी कुल्हाड़ी लेकर दुश्मनों से लड़ने के लिए तैयार हैं। जीरो लाइन बॉर्डर गांव किलशे सबसे ज्यादा सुर्खियों में है। नजीर अहमद बताते हैं कि उनका गांव महज पाकिस्तान से 35 मिनट की पैदल दूरी पर है। हमारे गांव का दूसरा हिस्सा यहीं है। और यह सबसे असुरक्षित गांवों में से एक है।

चाहे गोली हो या बम, वह सीधे यहां आकर गिरता है। वे कहते हैं कि मैं नौ गांवों का नेतृत्व करता हूं और डरे हुए लोगों को प्रेरित करने की कोशिश करता रहता हूं।

किलशे गांव में 400 से ज्यादा घर हैं। गांवों के इस समूह में किलशे वन, किलशे टू, बोआशके और राफुकी वन और टू शामिल थे। ये सभी गांव एलओसी के पास स्थित हैं। यहां केवल सीमित नेटवर्क तक ही पहुंच है। यहां कोई स्कूल नहीं है, कोई स्वास्थ्य सेवा नहीं है, कुछ भी नहीं है। यहां के लोग ठीक उसी तरह से जमीन की सेवा कर रहे हैं जैसे सेना देश की सेवा करती है। नजीर अहमद कहते हैं, हमारे पास स्टाक में कुछ भी नहीं है। जलवायु परिस्थितियां अनुकूल नहीं हैं। बुनियादी ढांचा कमजोर है और दुर्भाग्य से हमारे पास सुरक्षा उपायों की भी कमी है। हमें किसी भी सुविधा तक पहुंचने के लिए आठ किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलना पड़ता है। पर बावजूद इसके गांववासियों में देशभक्ति का जज्बा है जो उन्हें एकजुट रखे हुए है और वे जंग की हालत में भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

बिहार के मिथिलेश की पुस्तक 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' को मिली वैश्विक पहचान

पटना, 06 मई (एजेंसियां)। बिहार के प्रबुद्ध लेखक और चिंतक मिथिलेश कुमार सिंह लिखित पुस्तक 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' ने भारत ही नहीं, वैश्विक बौद्धिक जगत में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

यह पुस्तक डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस्लाम और वामपंथी सोच के साथ संवादात्मक ढंग से प्रस्तुत करती है और इन तीनों विषयों के अंतर्संबंधों पर गहन विश्लेषण करती है। ऐतिहासिक संदर्भों, सामाजिक न्याय के विमर्श और समकालीन राजनीति को जोड़ते हुए, लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि अंबेडकर का दृष्टिकोण इस्लाम और वामपंथ दोनों के प्रति आलोचनात्मक था।

इस पुस्तक को देश के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण संस्थान लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी के पुस्तकालय में शामिल किया गया है। इसके अलावा आईसीएचआर, एआईसीटीई और गोवा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने भी इसे अपने संग्रह में स्थान दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस पुस्तक की सराहना हो रही है।

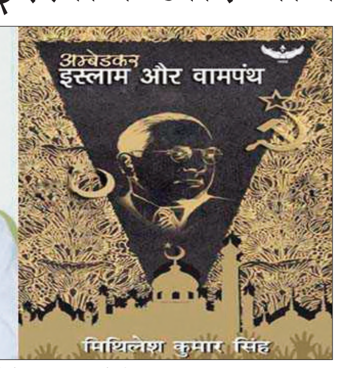

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल जैसे विश्वप्रसिद्ध शिक्षण संस्थानों की लाइब्रेरीज में यह पुस्तक शामिल की गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कृति न केवल भारतीय समाज के जटिल मुद्दों पर केंद्रित है बल्कि वैश्विक स्तर पर भी शोध और विमर्श के लिए प्रासंगिक है।

लेखक मिथिलेश कुमार सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कहा, यह सम्मान न केवल उनका व्यक्तिगत गौरव है बल्कि भारत की सामाजिक चेतना और वैचारिक समृद्धि की भी स्वीकृति है।

वर्तमान में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के पद पर कार्यरत श्री सिंह का मानना है कि जाति, धर्म और वर्ग आधारित संरचनाओं को समझने और उनके बीच संवाद की संभावनाओं को तलाशना आज के समय की आवश्यकता है और यही उनकी पुस्तक का उद्देश्य भी है। इस पुस्तक की वैश्विक स्वीकृति इस बात का संकेत है कि भारत के सामाजिक प्रश्न अब केवल स्थानीय स्तर पर सीमित नहीं हैं बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक विमर्श का भी हिस्सा बन चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि बिहार और पूरे हिंदी भाषी क्षेत्र के लिए गर्व की बात है क्योंकि यह दिखाता है कि इस क्षेत्र की लेखनी भी वैश्विक मंच पर न केवल सराही जा सकती है बल्कि गंभीर विमर्श का हिस्सा भी बन सकती है। अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ अब एक ऐसा बौद्धिक दस्तावेज बन चुकी है, जो आने वाले समय में शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और नीति निर्माताओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी।

भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' अंतिम चरण में: जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' कार्यक्रम अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर चुका है। देश का पहला मानव अंतरिक्ष यान 2027 की पहली तिमाही मे अभियान पर रवाना होगा।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को यहां मीडिया से बातचीत करते हुए इस मिशन की वर्तमान स्थिति, तकनीकी प्रगति तथा भारत के लागत प्रभावी अंतरिक्ष कार्यक्रम से होने वाले व्यापक आर्थिक लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इसरो तथा अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन भी उनके साथ थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि टीवी-डी1 मिशन तथा इस वर्ष की शुरुआत में पहले मानवरहित परीक्षण यान मिशन के सफल समापन ने आगामी परीक्षण कार्यक्रम के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। दूसरा टेस्ट व्हीकल मिशन 2025 के अंत में निर्धारित किया गया है, उसके बाद गगनयान की बिना चालक वाली कक्षीय उड़ानें होंगी। ये मील के पत्थर 2027 में भारत की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के साथ समाप्त होंगे, जिसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को भारतीय धरती से भारतीय रॉकेट पर सवार होकर कक्षा में भेजा जाएगा।

इसे 'ऐतिहासिक मिशन' कहते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने रेखांकित किया कि गगनयान कार्यक्रम वैज्ञानिक उपलब्धियों से कहीं आगे है। उन्होंने कहा,यह स्वदेशी तकनीक, राजकोषीय विवेक और दूरदर्शी राजनीतिक नेतृत्व पर आधारित वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में भारत के उदय का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष में भारत की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है, जिसमें 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना और 2040 तक चंद्रमा पर पहला भारतीय भेजना शामिल है। मानव-रेटेड वाहन, क्रू एस्केप सिस्टम और क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल सभी परीक्षण और एकीकरण के अंतिम चरण से गुजर रहे हैं। उन्होंने पुष्टि की कि इस वर्ष के अंत में मानव रहित कक्षीय गगनयान मिशन लॉन्च के लिए तैयार है, भारतीय नौसेना के साथ रिकवरी ट्रायल पहले ही किए जा चुके हैं और अधिक समुद्री रिकवरी सिमुलेशन की योजना बनाई गई है। अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण भी लगातार आगे बढ़ रहा है।

मीडिया को यह भी बताया गया कि अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुने गए चार भारतीय वायु सेना के पायलटों ने रूस में प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और भारत में मिशन-विशिष्ट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। भारत के अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र में उनके स्वास्थ्य, मनोवैज्ञानिक फिटनेस और सिमुलेशन-आधारित परिचालन तत्परता का लगातार मूल्यांकन किया जा रहा है।

पहलगाम नरसंहार का परिणाम : कई होटल और रिसार्ट पर लगा फॉर-सेल का पर्चा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 06 मई।

पहलगाम में हुए पर्यटकों के नरसंहार का खामियाजा कश्मीर को भुगतना पड़ रहा है। नब्बे फीसदी से अधिक टूरिस्ट बिजनेस खत्म हो जाने का परिणाम है कि कई होटल और रिसार्ट वाले अपनी प्रापर्टी बेचने को मजबूर होने लगे हैं। जम्मू कश्मीर के पर्यटन उद्योग के हितधारकों को चिंतित करने वाले एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में, पिछले सप्ताह श्रीनगर और अन्य पर्यटन केंद्रों में बड़ी संख्या में होटल और टूरिस्ट सम्पत्तियां बिक्री के लिए सूचीबद्ध की गई हैं जिससे क्षेत्र के टूरिस्ट क्षेत्र में बड़े बैंक ऋण वाले नए प्रवेशकों की आर्थिक स्थिरता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

खरीदारों की तलाश कर रहे प्रॉपर्टी डीलरों ने कुछ पत्रकारों को बताया कि पिछले सप्ताहांत में ही कम से कम सात उच्च मूल्य वाले होटल और गेस्टहाउस, जिनमें से अधिकांश बुलेवार्ड रोड, निशात, राजबाग, सोनवार, वजीर बाग और यहां तक कि सोनमर्ग जैसे प्रमुख पर्यटक क्षेत्रों में स्थित हैं, चुपचाप बाजार में डाल दिए गए हैं। इन सम्पत्तियों में स्विमिंग पूल और जिम वाले लक्जरी होटल से लेकर विशाल लान और निजी पार्किंग वाले झील के किनारे काटेज भी शामिल हैं।

बिक्री के लिए रखी गई सम्पत्तियों में डल झील के पास 6 कनाल की एक विशाल सम्पत्ति है, जिसमें 33 कमरे, पांच कॉटेज, एक स्विमिंग पूल और आगे के निर्माण के लिए जगह है, जिसकी कीमत 95 करोड़ रुपए है। इसी तरह, रेडिसन होटल के पास राजबाग में 35 कमरों और व्यापक सुविधाओं वाले एक होटल की कीमत 85 करोड़ रुपए है। निशात में 18 कमरों, स्टाफ क्वार्टर और दोहरे एक्सेस पाइंट वाली एक और प्रीमियम झील किनारे की सम्पत्ति 30 करोड़ रुपए में सूचीबद्ध है।

सोनवार में 37 कमरों, एक रेस्तरां, 40 सीटों वाला सिनेमा, जिम, बार और यहां तक कि एक वाइन शाप वाली एक अनूठी अुरिस्ट सुविधा भी 45 करोड़ रुपए में बिक्री के लिए है। छोटे लेकिन प्रमुख स्थान वाले होटल - जैसे निशात गार्डन के पास एक रेस्तरां के साथ 15 कमरों की सम्पत्ति और वजीर बाग में 45 कमरों की सुविधा - लिस्टिंग में शामिल हैं। लिस्टिंग की इस अचानक लहर को टूरिज्म सेक्टर में गहरे वित्तीय तनाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, मुख्य रूप से नए प्रवेशकों को उच्च प्रतिस्पर्धा और बैंक ऋण चुकौती कार्यक्रमों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल भर में रिकार्ड तोड़ पर्यटकों के आगमन के बावजूद, हितधारकों का सुझाव है कि उच्च परिचालन लागत, कम आफ-सीजन आक्यूपेंसी, विनियामक अनिश्चितताएं और असंगत पर्यटक प्रवाह ने इन नए और उच्च बैंक ऋण जोखिम आप्रेटरों के लिए अस्थिर स्थितियां पैदा की हैं।

पर्यटन उद्योग के एक अनुभवी का कहना था कि आतंकवाद के चरम के दौरान भी होटलों की बिक्री का यह स्तर नहीं हुआ था। यह एक मौन संकट है। हम जो देख रहे हैं वह केवल सुधार नहीं है, यह इन संकटग्रस्त प्रवेशकों के लिए एक संकट की घड़ी है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि जब तक वित्तीय राहत प्रदान करने और संकटग्रस्त और नए होटल व्यवसायियों के लिए नीतिगत ढांचे को स्थिर करने के लिए तत्काल कदम नहीं उठाए जाते, तब तक इस तरह की और लिस्टिंग हो सकती हैं, जिससे कश्मीर की टूरिज्म अर्थव्यवस्था में निवेशकों का विश्वास कम हो सकता है।

विक्रेताओं और प्रॉपर्टी डीलरों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन उच्च मूल्य वाली सम्पत्तियों को कौन खरीदेगा। जबकि जम्मू कश्मीर के भीतर उच्च निवल मूल्य वाले खरीदारों का एक निश्चित समूह हाल के दिनों में ऐसी उच्च मूल्य वाली सम्पत्तियां खरीद रहा है, आज के वित्तीय तनाव में, यहां तक कि वे खरीदार भी कश्मीर में निवेश करने में सतर्क हैं। हालांकि, अन्य लोग इसे बाजार की सामान्य घटना मानते हैं। प्रापर्टी डीलर नजीर अहमद खान कहते हैं कि इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। ये उच्च आय वाली सम्पत्तियां हैं और ये पैसे के लिए बढ़िया मूल्य और भविष्य की व्यावसायिक क्षमता प्रदान करती हैं। इन सम्पत्तियों को खरीदने के लिए जिस तरह की पूंजी की आवश्यकता है, वह किसी भी स्थिति में जीत की स्थिति में होगी।

एक अन्य होटल व्यवसायी फिरदौस अहमद मीर इस बात से सहमत हैं कि यह संभव है कि मालिकों को किसी अन्य परियोजना के लिए तत्काल पूंजी की आवश्यकता हो या उनके बैंक ऋणों को तत्काल चुकाने की आवश्यकता हो। यह सामान्य हो सकता है और इसमें कोई सवाल ही नहीं है कि आसपास खरीदार क्यों नहीं हो सकते। खरीदार तो हैं, लेकिन हो सकता है कि इसमें सामान्य से थोड़ा अधिक समय लगे।

हाउसफुल 5: लाल परी में जैकलीन का डांस देख नोरा फतेही से हो रही तुलना

हाउसफुल 5 से जैकलीन फर्नांडिस के नए डांस नंबर लाल परी को लेकर ऑनलाइन चर्चा शुरू हो गई है। जहां कई फैंस उनके डांस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं, वहीं बाकियों ने उनकी तुलना नोरा फतेही के स्टाइल से की है, जिससे अब बॉलीवुड की कोरियोग्राफी पर भी सवाल उठ रहे हैं। वायरल डांस क्लिप ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। लोग बस दोनों के बारे में ही बातें कर रहे हैं।

जहां एक यूजर ने लिखा- जैकलीन फर्नांडिस ने यहां चरम सीमा छू ली। एक ने लिखा- जैकलीन इस गाने के लिए ओजी हैं। हालांकि, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने जैकलीन और नोरा के डांस स्टाइल में समानताएं बताईं। एक यूजर ने लिखा-जैकलीन से हमेशा अच्छी थीं लेकिन नोरा से ज्यादा नहीं।

लाल परी गाने पर बवाल

लाल परी गाना 3 मई को प्रीमियर हुआ और अभी नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है। यो यो हनी सिंह और सिमर कौर के गाए गए इस गाने के बोल हनी सिंह और अल्फाज ने लिखे हैं। इस गाने में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज, सौंदर्या शर्मा, नरगिस फाखरी और सोनम बाजवा ने भी परफॉर्म किया है, जिसकी कोरियोग्राफी रेमो डिसूजा ने की है। इसे यूट्यूब पर केवल एक दिन में 26,837,849 व्यूज मिल चुके हैं।

हाउसफुल 5 रिलीज डेट

तरुण मनसुखानी के डायरेक्शन में बनी और साजिद नाडियाडवाला की बनाई हाउसफुल 5 फेमस हाउसफुल फ्रैंचाइज़ का पांचवां पार्ट है। इस कॉमेडी-ड्रामा में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फ़र्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फ़ाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ़, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फ़रदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कई कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

शहजाद बोले- दरियादिली के कारण डूब रहा सलमान खान का करियर ग्राफ!

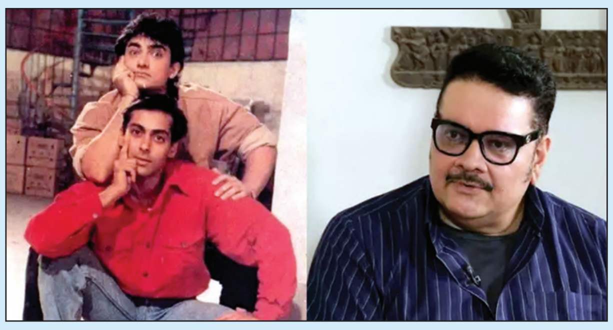

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान बॉक्स ऑफिस के सुल्तान हैं। एक ओर जहां 2010 के बाद से अब तक उनकी लगातार 18 फिल्में 100 करोड़, 200 करोड़ और 300 करोड़ क्लब का हिस्सा हैं, वहीं एक बड़ा सच यह भी है कि 100 करोड़ से अधिक का कारोबार करने के बावजूद उनकी हालिया रिलीज सिकंदर, या उससे पहले टाइगर 3, किसी का भाई किसी की जान और यहां तक कि 2019 में आई दबंग 3 भी वह कारनामा नहीं दिखा पाई, जिसकी उनसे उम्मीद रहती है। पर ऐसा हो क्यों रहा है? सलमान के साथ अंदाज अपना अपना और भारत जैसी फिल्मों में काम कर चुके शहजाद खान इसका दोष सलमान की अच्छाई और दरियादिली पर मढ़ते हैं। उनका कहना है कि सलमान खान की फिल्में उनकी दोस्ती के चक्कर में पिट रही हैं!

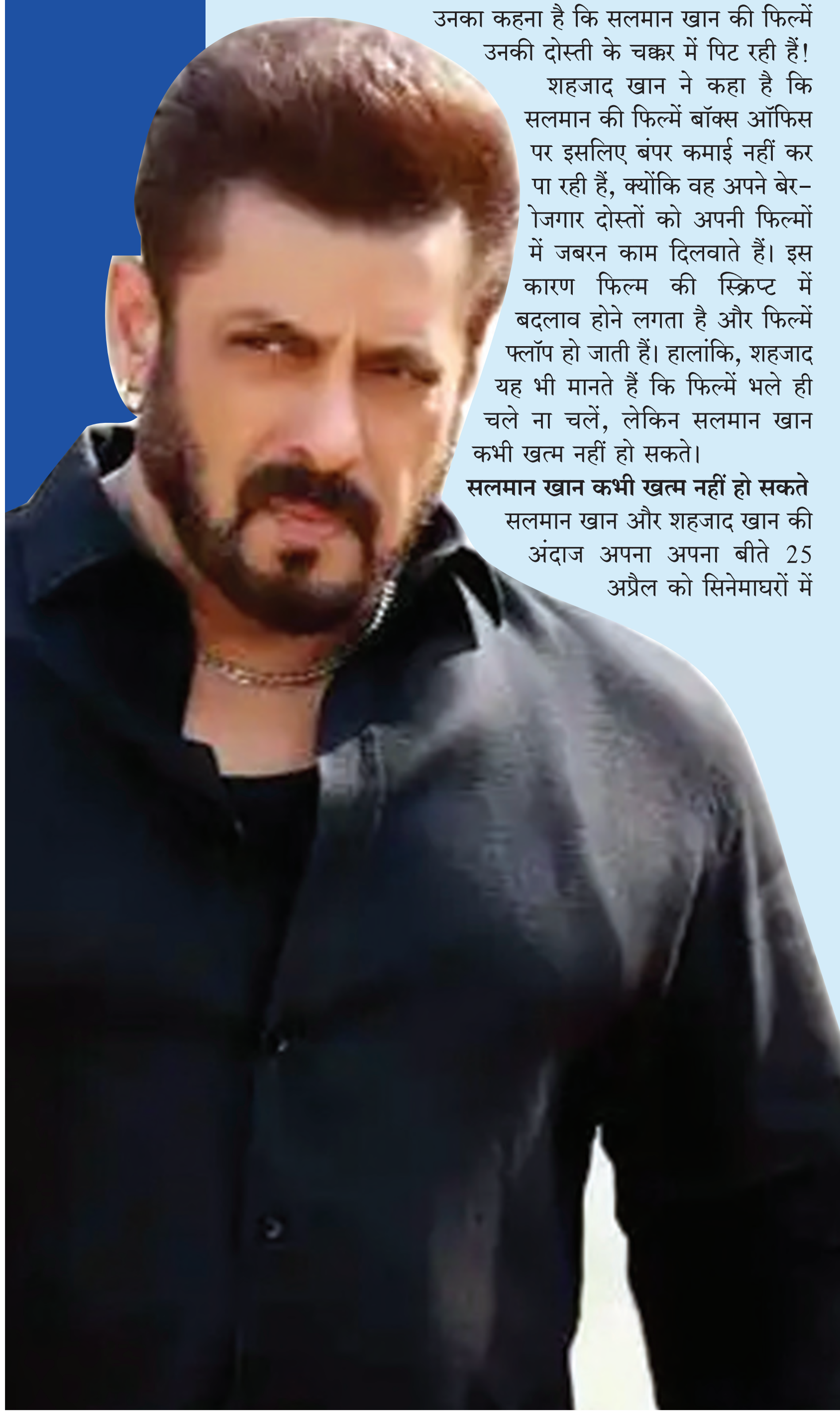

शहजाद खान ने कहा है कि सलमान की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इसलिए बंपर कमाई नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि वह अपने बेर-ोजगार दोस्तों को अपनी फिल्मों में जबरन काम दिलवाते हैं। इस कारण फिल्म की स्क्रिप्ट में बदलाव होने लगता है और फिल्में फ्लॉप हो जाती हैं। हालांकि, शहजाद यह भी मानते हैं कि फिल्में भले ही चले ना चलें, लेकिन सलमान खान कभी खत्म नहीं हो सकते।

सलमान खान कभी खत्म नहीं हो सकते

सलमान खान और शहजाद खान की अंदाज अपना अपना बीते 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिर से री-रिलीज हुई है। इंटरव्यू में शहजाद से जब पूछा गया कि क्या सलमान खान का जलवा अब खत्म हो चला है? तो इस पर एक्टर ने कहा, ये सब बकवास बातें हैं। ये अलग बात है कि उनकी फिल्में नहीं चल रही हैं, लेकिन सलमान खान कभी खत्म नहीं हो सकते।

एक्टर ने कहा- बॉलीवुड का टाइगर जिंदा है और हमेशा रहेगा

शहजाद खान ने आगे कहा, जब तक ऊपरवाला सलमान को अपने पास बुला ना ले, वो चलते रहेंगे। उनका कोई रिप्लेसमेंट नहीं है। बॉलीवुड का टाइगर जिंदा है, और हमेशा रहेगा। उनकी फिल्में आएंगी और हमेशा सुपर-डुपर हिट रहेंगी। लोग उनके खिलाफ बोलकर यू-ट्यूब पर अपनी दुकान चला रहे हैं। हमें इन बातों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

शहजान बोले- वो ऐसे लोगों को साथ बिठाते हैं, जिनके पास काम नहीं

एक्टर ने सलमान की लगातार पिट रही फिल्मों का दोष उनकी दरियादिली पर मढ़ा। शहजाद ने कहा, उनकी फिल्म की जो भी स्क्रिप्ट गलत जा रही हैं, वह असल में इसलिए है कि वो ऐसे लोगों को साथ बिठाते हैं, जिनके पास कोई काम नहीं है। मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन एक एक्टर जिन्हें उन्होंने सिकंदर से ब्रेक दिया, उसने कहा था कि भाई मेरे पास काम नहीं है, और सलमान ने कहा कि ठीक है सिकंदर करो। सलमान बिना मतलब के हर किसी की मदद करते हैं, बदले में वो वफादारी भी नहीं चाहते। वो यही मानते हैं कि देने वाला सिर्फ एक है, वो है ऊपरवाला।

सलमान ने बॉबी देओल से शरमन जोशी तक को दिया मौका

शहजाद खान ने जो भी कहा है, उनकी बातों में कहीं ना कहीं एक तर्क तो जरूर है। सलमान की बीते कुछ साल की फिल्मों पर गौर करें तो उन्होंने रेस 3 में बॉबी देओल को मौका दिया। इसी तरह उन्होंने किसी का भाई किसी की जान में राघव जुयाल, जस्सी गिल, भूमिका चावला, भाग्यश्री, शहनाज गिल और पलक तिवारी को मौका दिया। हालिया ईद रिलीज सिकंदर में भी उन्होंने शरमन जोशी को मौका दिया। बहरहाल, सलमान की इस दरियादिली का नतीजा ही है कि फैंस का उनका कनेक्शन आज भी दमदार है, तभी तो लाख बुराई के बाद भी सिकंदर ने बॉक्स ऑफिस पर देश में 110.36 करोड़ का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 184.89 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है।दिलचस्प है कि बीते दिनों जब सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर धाराशाई हुई, तब भाईजान के फैंस ने भी सोशल मीडिया को कुछ इसी तरह की बात की थी। तब द पर फैंस ने सलमान से यही अपील की थी कि वह डूबते हुए सितारों को काम दिलाने की बजाय, अच्छी स्क्रिप्ट पर ध्यान दें और खुद पर फोकस करें। बताया जाता है कि बीते दिनों सलमान खान ने अपने कुछ चुनिंदा फैंस से मुलाकात भी की है और यह समझने की कोशिश की है कि आखिर कमी कहां रह जा रही है। बहरहाल, उम्मीद है कि सलमान जल्द ही अपनी नई फिल्म का ऐलान करेंगे और इस बार फैंस से मिली सीख का फायदा उठाएंगे।

बिपाशा बसु की गोवा डायरी, पति और बेटी संग की ढेर सारी मस्ती

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपने पति करण सिंह ग्रोवर और बेटी देवी के साथ गोवा में समय बिता रही हैं। शादी की सालगिरह सेलिब्रेट करने के लिए यह कपल गोवा टूर पर है। एक्ट्रेस लगातार यहां पर क्लिक की गई फोटोज को सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। बिपाशा ने एक बार फिर अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में बिपाशा अपने पति और बेटी संग मस्ती करती नजर आ रही हैं। पहली फोटो में तीनों स्विमिंग पूल में नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी फोटो को देख अंदाजा लगाया जा सकता है कि बिपाशा कैमरे के लिए पोज दे रही हैं, लेकिन इस बीच उनकी बेटी देवी आ जाती है। अन्य फोटो में गोवा की खूबसूरती और खाने की टेस्टी डिशेज को देखा जा सकता है।

पोस्ट की आखिरी फोटो में बिपाशा का बेहद सुंदर फोटो है, जिसमें वह मुस्कुराती नजर आ रही हैं। मुस्कुराहट से पड़े उनके चेहरे पर डिंपल उनकी खूबसूरती को बढ़ा रहे हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। हाल ही में बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने अपनी शादी की नौवीं सालगिरह मनाई। इस मौके पर एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर पति के साथ कुछ रोमांटिक पलों को शेयर किया था।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो की शुरुआत उनकी शादी की रस्मों से हुई, जिसमें दोनों ही दुल्हा-दुल्हन के जोड़े में नजर आए। सुर्ख लाल जोड़े में बिपाशा दुल्हन के रूप में बेहद खूबसूरत दिखीं। इसके बाद उनके रिसेप्शन की क्लिप आती है, जिसमें करण गाते दिख रहे हैं और बिपाशा झूम रही हैं। इसके बाद वीडियो में प्यार-मोहब्बत और ढेर सारे अनमोल पलों को शामिल किया गया है। वीडियो के आखिर में उनकी बेटी देवी भी नजर आ रही हैं।

घुटनों में असहनीय दर्द के बाद भी नहीं मानी हार
रितिका सिंह की ट्रांसफॉर्मेशन जर्नी देख सब हैरान!

साउथ इंडस्ट्री और हिंदी फिल्मों में अपने मजबूत किरदारों से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रितिका सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी 'फैट-टू-फिट' जर्नी दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने घुटनों की चोट के बावजूद वजन घटाया और फिर से पुरानी फिगर हासिल की।

रितिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसकी शुरुआत में उन्होंने बताया कि उनका वजन बढ़ गया था और वह 72 किलो तक पहुंच गई थीं। इसके बाद वीडियो में उन्होंने दिखाया कि कैसे उन्होंने वर्कआउट करके, मेहनत और लगन से अपना वजन घटाया और फिर से फिट शेप में वापस लौट आईं।

वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, पिछले तीन महीने मेरे लिए बेहद बदलाव भरे रहे। सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरा वजन बहुत बढ़ गया था, बल्कि इसलिए भी कि मेरे घुटनों की पुरानी चोटें और दर्द देने लगी थीं। दर्द इतना ज्यादा था कि मैं ठीक से चल भी नहीं पा रही थी, किक मारना या डांस करना भी मुश्किल हो गया था। तभी मैंने आईने में खुद को देखा और खुद से कहा कि बस बहुत हो गया, अब खुद को पूरी तरह बदलने का वक्त आ गया है।

रेड 2 की सफलता से वाणी कपूर बेहद खुश, बोलीं –
ये सब सपने के सच होने जैसा

2018 की हिट फिल्म रेड का सीक्वल रेड 2 सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। इसका जलवा बॉक्स ऑफिस पर साफ देखा जा सकता है। रविवार को फिल्म ने 70.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह 100 करोड़ क्लब की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई से स्टार कास्ट काफी खुश है। वाणी कपूर भी! जिन्होंने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया है। वाणी कपूर काफी खुश हैं कि उनकी फिल्म रेड 2 सिर्फ चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है।

अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाना खास अहसास होता है, जैसे कोई सपना सच हो रहा हो। जब आप ऐसी फिल्म का हिस्सा बनते हैं जो दर्शकों से जुड़ती है, तो यह देखकर काफी अच्छा लगता है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।

वाणी फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए चारों ओर से तारीफें बटोर रही हैं।उन्होंने कहा, इस फिल्म की कहानी बहुत दमदार है। निर्देशक राज कुमार गुप्ता के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है। इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे किरदार की सराहना के लिए आप सभी का धन्यवाद।

रेड टू की अभिनेत्री ने आगे कहा, अजय देवगन सर और राज कुमार गुप्ता सर के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा, जिससे मैं एक कलाकार के तौर पर और बेहतर बन पाई हूं। फिल्म की सफलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे मेहनत करने और लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है।

फिल्म रेड 2 में अजय देवगन और वाणी कपूर के अलावा अमित सियाल, रितेश देशमुख, यशपाल शर्मा, सौरभ शुक्ला और सुप्रिया पाठक लीड रोल में हैं।

फूलमती बनीं नीना गुप्ता

बधाई हो, पंचायत जैसे मनोरंजन से भरपूर फिल्म और वेब सीरीज में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली अभिनेत्री नीना गुप्ता सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। इसी कड़ी में नीना ने आइवरी कलर की साड़ी में लेटेस्ट तस्वीर शेयर की। खूबसूरत तस्वीर के साथ किसी चीज ने ध्यान खींचा तो वो है उनका खुद को दिया नाम! इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत तस्वीर को शेयर करते हुए नीना ने कैप्शन में लिखा, फूलमती। आइवरी कलर की साड़ी के साथ वह गोल्डन ज्वेलरी में बेहद प्यारी लगीं, जिसे देखकर उनके फॉलोअर्स तारीफ करने से खुद को रोक नहीं सके।

एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत। दूसरे ने तारीफ करते हुए लिखा, आप खूबसूरत के साथ स्टाइलिश भी हैं। तीसरे यूजर ने लिखा, आप स्टनिंग हैं। इससे पहले भी नीना अपने पति विवेक मेहता की बर्थडे पार्टी में यही साड़ी पहने दिखी थीं। काम की बात करें तो नीना गुप्ता हाल ही में फिल्म आचारी बा में नजर आईं, जिसमें उन्होंने एक उद्यमी की भूमिका निभाई है। हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नीना का किरदार एक मां और दादी का है, जो परिवार में अनदेखी का शिकार है। फिल्म की कहानी उसकी सफलता की ओर बढ़ने की यात्रा पर आधारित है, जहां वह एक सफल अचार व्यवसाय शुरू करती है। नीना के साथ इस फिल्म में कबीर बेदी, वत्सल शेठ, वंदना पाठक और मानसी राछ भी दिखाई दीं। आचारी बा 14 मार्च 2025 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी।

वहीं, लोकप्रिय वेब सीरीज 'पंचायत' का चौथा सीजन भी जल्द ही आने वाला है। प्राइम वीडियो ने कॉमेडी-ड्रामा के बहुप्रतीक्षित सीजन 4 की हाल ही में घोषणा की है। इसमें नीना गुप्ता का मंजू देवी किरदार भी लोगों को काफी पसंद आया था। उन्होंने फुलेरा की पंचायत मुखिया की भूमिका निभाई, जो भले ही पति की बात का सम्मान रखती है लेकिन अपने अधिकारों का उचित प्रयोग करना भी जानती है।

बुधवार को बुधादित्य राजयोग में बढ़ेगी इन राशियों की धन संपत्ति, कारोबार में होगा अप्रत्याशित लाभ

बुधवार 7 मई को गणेशजी के आशीर्वाद से बुधादित्य राजयोग में मिथुन और सिंह सहित अन्य राशियों की किस्मत चमकने वाली है। आपको कारोबार में अप्रत्याशित लाभ होने के साथ ही करियर में भी कोई बड़ा समाचार मिल सकता है। आप आगे बढ़कर सफलता प्राप्त करेंगे। शाम का वक्त परिवार वालों के साथ सफलता का जश्न मनाने में बीतेगा।

मेष : कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं

मेष राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं आपको लाभ देंगी। बॉस या सीनियर आपके काम से संतुष्ट रहेंगे और आपकी छवि मजबूत होगी। व्यापार में नया निवेश लाभकारी रहेगा, खासकर अगर आप बिजनस को आगे बढ़ाने के लिए कोई निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको लाभ होगा। आर्थिक दृष्टि से आय के नए स्रोत बनेंगे, विशेषकर कोई ऑनलाइन प्रॉजेक्ट या डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से जुड़ा अवसर आएगा। युवा जातकों को नौकरी के लिए अच्छे ऑफर्स मिल सकते हैं। संपत्ति संबंधित विवाद का हल आसानी से मिल जाएगा।

वृषभ : कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है

वृषभ राशि के लोगों के लिए आर्थिक दृष्टिकोण से दिन संतुलन बनाए रखने वाला है। कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। किसी वरिष्ठ से मिला सुझाव आपको वित्तीय नुक़सान से बचा सकता है।

व्यवसाय में किसी पुराने ग्राहक से फिर से संपर्क बन सकता है, जिससे अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरी में स्थानांतरण या नई ज़िम्मेदारी मिल सकती है। आज फालतू खर्च और स्वास्थ्य दोनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

मिथुन : बड़ा लाभ होने की संभावना

मिथुन राशि के लोगों को करियर के मामले में बड़ा लाभ होने की संभावना है। करियर में दीर्घकालिक सफलता से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप जिस प्रॉजेक्ट की शुरुआत कर रहे हैं, वह आपकी प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई देगा। मीडिया, लेखन, शिक्षा या कंसल्टेंसी से जुड़े लोगों को विशेष अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक रूप से कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले फाइनेंशियल प्लानर से सलाह लें।

छात्रवर्ग के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं। लॉन्ग टर्म सेविंग्स शुरू करने के लिए भी अच्छा वक्त है।

कर्क : किस्मत साथ दे रही है

कर्क राशि वालों की किस्मत साथ दे रही है। व्यापारियों के लिए भी दिन आय में वृद्धि का है और आपको पुराने क्लाइंट से बकाया पैसा मिल सकता है या नई डील फाइनल हो सकती है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, होस्पिटैलिटी और फैशन से जुड़े पेशेवरों को आर्थिक रूप से उन्नति मिल सकती है। नौकरीपेशा जातकों को बोनस या इन्सेंटिव मिलने की संभावना है। प्रॉपर्टी में निवेश करने का विचार मन में आ सकता है, परन्तु संपत्ति के दस्तावेज अच्छी तरह जांचें। शाम के बाद आर्थिक खर्चों में वृद्धि होगी।

सिंह : कुछ अप्रत्याशित लाभ की संभावना

सिंह राशि के लोगों को लाभ होगा और आपको आपको करियर में एक नई दिशा मिलने वाली है। कोई बड़ा कॉन्ट्रैक्ट साइन कर सकते हैं या किसी बड़े निवेशक से आपकी डील पक्की हो सकती है। जॉब में बदलाव का विचार लाभकारी रहेगा। कोई भी इंटरव्यू या अपॉइंटमेंट के लिए शाम शुभ है। आर्थिक रूप से कुछ अप्रत्याशित लाभ की संभावना बन रही है, खासकर पूर्व में किए गए निवेश से। दिन टीम वर्क और नेटवर्किंग के लिए अत्यंत शुभ है। तकनीकी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विशेष अवसर मिल सकते हैं।

कन्या : कार्यक्षमता बढ़ेगी

कन्या राशि के लोगों का दिन अनुकूल है और किसी लंबित सरकारी कार्य या लोन अप्रूवल की प्रक्रिया पूरी होने से राहत मिलेगी। करियर में कोई नया मार्ग खुलेगा, विशेषकर वे लोग जो बैंकिंग,

कानून या अकाउंटिंग क्षेत्र से जुड़े हैं। ऑफिस में सहयोगियों के साथ अच्छा तालमेल बनेगा, जिससे कार्यक्षमता बढ़ेगी। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले जातकों को पदोन्नति का समाचार मिल सकता है। धन की स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी और आपकी योजनाएं सफल होंगी। व्यापारियों को रिस्क लेने से पहले अनुभवी सलाह लेनी चाहिए।

तुला : आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा

तुला राशि के लोगों का दिन लाभ से भरा होगा। आप व्यापारिक और व्यावसायिक क्षेत्र में किसी विशेष रणनीति के ज़रिए लाभ कमा सकते हैं। ऐसे में कोई भी फैसला बड़े ध्यान से करें। ई-कॉमर्स, ऑनलाइन कोर्स, फ्रीलांसिंग और कंसल्टेंसी से जुड़ना फायदेमंद रहेगा। शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को सावधानी बरतनी चाहिए। नौकरी में किसी पुराने प्रॉजेक्ट की सफलता से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। साथ ही त्रिकोणीय संबंधों से कार्यक्षेत्र में भ्रम की स्थिति बन सकती है, अतः निजी जीवन और प्रफेशन को अलग रखें।

वृश्चिक : बॉस से मतभेद की स्थिति बन सकती है

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए करियर में चुनौती और अवसर साथ-साथ आएंगे। बॉस से मतभेद की स्थिति बन सकती है, लेकिन आप अपने काम की गुणवत्ता से सबका विश्वास जीत लेंगे। आर्थिक रूप से दिन मध्यम रहेगा। आपके आय व व्यय समान रह सकते हैं। जो जातक फ्रीलांस या सेल्फ-इम्प्लॉयड हैं उन्हें किसी पुराने ग्राहक से फिर से काम मिलने के योग हैं। व्यवसाय में नई रणनीति अपनाने की जरूरत है। विदेश व्यापार से जुड़ी योजना में आज ठोस प्रगति हो सकती है। आपका दिन सफलता से भरा होगा और आपको कारोबार में आपसी संबंधों का लाभ होगा।

धनु : दिन मिलाजुला रहेगा

धनु राशि के लोगों का दिन मिलाजुला रहेगा और नौकरीपेशा लोगों को नुकसान की आशंका है। आपके ऊपर वर्कलोड काफी बढ़ सकता है, लेकिन साथ ही उच्चाधिकारियों की सराहना भी मिलेगी। व्यापार में साझेदारी करने की सोच रहे हैं तो दिन आरंभिक बातचीत के लिए अनुकूल है। किसी सामाजिक या व्यावसायिक मंच से जुड़ने से भविष्य में लाभ होगा। अनावश्यक व्यय से बचना होगा और आपको खर्च करते समय बजट का ध्यान रखने की सलाह है। ट्रेवल या टूरिज़्म से जुड़े लोग आज अच्छा लाभ कमा सकते हैं। निवेश की योजनाओं को परिवार से साझा करें।

मकर : भावनाओं में बहकर निर्णय न लें

मकर राशि के लोगों के लिए दिन मिलाजुला रहेगा। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें, विशेषकर आर्थिक विषयों में। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का समय चल रहा है और आपको ऑफिस में कोई नई भूमिका या नया विभाग मिल सकता है। अपने कौशल का सही उपयोग करके आप किसी बड़ी जिम्मेदारी को संभाल सकते हैं। किसी पुराने परिचित से व्यवसायिक मदद मिल सकती है। शेयर या रियल एस्टेट से जुड़े निर्णयों में जल्दबाज़ी न करें। स्वास्थ्य पर किया गया खर्च आवश्यक होगा, अनदेखी से हानि हो सकती है। सावधानी से हर काम काम करें।

कुंभ : करियर के लिए सकारात्मक संकेत

कुंभ राशि के लोगों का दिन शुभ है और करियर के लिए सकारात्मक संकेत दे रहा है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो शिक्षा, लेखन, तकनीक या रिसर्च के क्षेत्र में हैं। अप्रत्याशित बदलावों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन वे भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। आर्थिक योजनाओं में बदलाव करें, पुराने बजट को पुनः मूल्यांकित करें। कुछ जातक अपने हुनर से अंशकालिक आमदनी शुरू कर सकते हैं। व्यापार में डिलीवरी, शिपिंग या डिजिटल पेमेंट से जुड़े मसलों को गंभीरता से लें।

मीन : दिन तरक्की से भरा होगा

मीन राशि के लोगों का दिन तरक्की से भरा होगा। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा अधिक होगी, लेकिन आप अपनी रचनात्मकता और कार्यकुशलता से सबसे अलग दिखेंगे। प्रमोशन या बोनस से जुड़ी चर्चा आगे बढ़ सकती है। आर्थिक मामलों में परिवार से सहयोग की अपेक्षा न रखें, स्वयं ही योजनाएं बनानी होंगी। व्यापार में एक नया भागीदार या निवेशक मिलने के संकेत हैं। जो लोग शिक्षा, संगीत, आजा या परामर्श सेवाओं से जुड़े हैं, उन्हें आज प्रसिद्धि और लाभ दोनों मिल सकते हैं। आपको आगे बढ़ने के अच्छे मौके मिल सकते हैं।

मेष राशि वालों को कब मिलेगा साढ़ेसाती से छुटकारा निम्न उपायों से पाएं शनिदेव की कृपा

न्याय के देवता शनिदेव ने मीन राशि में विराजमान हैं। मीन राशि में शनि के गोचर से मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का पहला चरण चल रहा है। वहीं, मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का दूसरा चरण चल रहा है। जबकि, कुंभ राशि के जातक अंतिम चरण में हैं। आसान शब्दों में कहें तो कुंभ राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण चल रहा है।

ज्योतिषियों की मानें तो शनिदेव न्याय के देवता हैं। अच्छे कर्म करने वाले को शुभ फल देते हैं। इसके लिए अच्छे कर्म करने वाले जातकों पर साढ़ेसाती के दौरान शनिदेव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से साधक की करियर और कारोबार समेत सभी क्षेत्रों में सफलता मिलती है। लेकिन क्या आपको पता है कि मेष राशि के जातकों को कब साढ़ेसाती से छुटकारा मिलेगा?

शनि गोचर 2025

वर्तमान समय में शनि देव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में शनिदेव अगले ढाई साल तक रहेंगे। इस दौरान शनिदेव नियमित अंतराल पर नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। वहीं, कई बार शनिदेव अपनी चाल भी बदलेंगे। आसान शब्दों में कहें तो मार्गी से वक्री और पुनः वक्री से मार्गी होंगे। इस प्रकार ढाई साल के बाद शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, न्याय के देवता शनिदेव 03 जून, 2027 को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने के साथ ही मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का दूसरा चरण शुरू होगा। मेष राशि में शनिदेव पुनः ढाई साल तक रहेंगे। इसके बाद 17 अप्रैल 2030 को शनिदेव वृषभ राशि में गोचर करेंगे। इस दिन से मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण शुरू होगा और 31 मई, 2032 पर मेष राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी।

शनिदेव को कैसे करें प्रसन्न?

मेष राशि के स्वामी मंगल देव हैं और आराध्य हनुमान जी हैं। हनुमान जी की पूजा करने से शनि की बाधा दूर होती है। इसके लिए मेष राशि के जातक मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा अवश्य करें। साथ ही पूजा के समय हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसके अलावा, शनिवार के दिन पूजा के बाद आर्थिक स्थिति के अनुसार दान करें। इन उपायों से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या और महादशा में क्या अंतर है जानें कौन सबसे ज्यादा कष्टकारी?

शनि महाराज कर्मों के आधार पर फल देते हैं। शनि न्याय के देवता हैं और उनकी कृपा हो तो व्यक्ति को शुभ फल और सफलता मिलती है जबकि उनकी वक्र दृष्टि पड़े तो जातकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शनि साढ़ेसाती, ढैय्या और महादशा के जरिए व्यक्ति के जीवन पर असर डालते हैं।

शनि की साढ़ेसाती क्या है

मार्च में हुए शनि गोचर के बाद तीन राशियों पर साढ़ेसाती का असर हुआ। जिस राशि में साढ़े साती शुरू होती है वह साढ़े सात साल तक चलती है और उस अवधि में शनि ग्रह का उस राशि पर प्रभाव पड़ता है। साढ़े साती के तीन चरण होते हैं, शुरुआती, बीच का और अंत का। अभी जिन तीन राशियों पर साढ़ेसाती चल रही है उनमें मेष का पहला चरण चल रहा है, मीन का मध्य चरण है और कुंभ का अंतिम चरण है। शनि की साढ़ेसाती में मध्यम चरण सबसे ज्यादा सावधानी से चलने वाला होता है, इस समय शनि जातक की परीक्षा लेते हैं। साढ़ेसाती में शनि से जुड़े उपाय करने चाहिए और मेहनत में कोई कमी नहीं रखनी चाहिए। साथ ही अपना आचरण अच्छा रखना चाहिए।

शनि की ढैय्या क्या है

शनि की ढैय्या किसी राशि में ढाई साल तक रहती है। ढैय्या दो प्रकार की होती है जिस राशि के चतुर्थ भाव में ढैय्या लगती है उसे लघु कल्याणी ढैय्या कहते हैं और अष्टम भाव में लगने वाली ढैय्या कंटक शनि कहलाती है। अभी सिंह राशि के अष्टम ढैय्या और धनु की चतुर्थ ढैय्या चल रही है। जिस राशि में शनि की ढैय्या चलती है उनके लिए समय थोड़ा कठिन होता है। अष्टम भाव में चलने वाली ढैय्या में शनि अपना अधिक प्रभाव दिखाते हैं और उनके लिए समय थोड़ा अधिक कष्टकारी माना जाता है। ऐसे में जातकों को धैर्य रखने और मेहनत करने की जरूरत होती है। साथ ही शनि देव के उपाय करने से शनि की ढैय्या में राहत मिलती है।

शनि की महादशा क्या है

शनि की महादशा सबसे लंबी चलती है। ये करीब 19 साल की होती है। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या का असर राशि पर होता है लेकिन शनि की महादशा व्यक्ति की कुंडली में बन रही स्थिति के हिसाब से लगती है। इसमें व्यक्ति की कुंडली में यह देखा जाता है कि शनि किस ग्रह के साथ हैं, लग्न या कुंडली के किस भाव में बैठे हैं, उस व्यक्ति की राशि से शनि का कैसा संबंध है और वह किस राशि में हैं, कुंडली के किन भावों पर शनि की दृष्टि पड़ रही है, इससे आधार पर तय होता है कि शनि की महादशा में व्यक्ति पर कैसा प्रभाव पड़ेगा। चूंकि महादशा काफी लंबी होती है ऐसे में समय-समय पर ग्रहों की स्थिति बदलती रहती है, ऐसे में अलग-अलग समय पर व्यक्ति के जीवन पर अलग-अलग शुभ और अशुभ प्रभाव पड़ता है। वहीं शनि की महादशा के अंदर ही कुछ महीनों से लेकर कुछ वर्षों की अन्य ग्रहों की अंतर्दशा चलती है और अंतर्दशा के अंदर कुछ हफ्तों से कुछ महीनों की प्रत्यंतर दशा चलती है। प्रत्यंतर दशा में शनि की सबसे छोटी दशा होती है, जिसमें पड़ने वाले प्रभावों से पता लगाया जा सकता है कि शनि कितने लाभकारी और कष्टकारी रहेंगे।

शनि देव के उपाय

शिवजी, हनुमान जी और शनि देव की पूजा करें। इनसे जुड़े मंत्र, स्तोत्र चालीसा आदि का पाठ करें।

शनि देव के सामने लाल बाती से सरसों के तेल का दीया जलाएं। शनि देव को काले तिल, शमी के पत्ते, काली उड़द की दाल आदि चढ़ाएं।

पीपल के पेड़ की जड़ में जल दें और सरसों के तेल का दीया जलाएं।

जरूरतमंदों को जूते, काले चने, सरसों का तेल आदि का दान करें।

रोगियों और बुजुर्गों की सेवा करें। सद्आचरण अपनाएं।

आज गजकेसरी योग से तुला सहित अन्य राशियों की बढ़ेगी कमाई, कई स्रोतों से होगा धन लाभ

आज बुधवार है और तिथि है वैशाख शुक्ल नवमी। आज का दिन बुध ग्रह के प्रभाव में रहने वाला है। और गणेश जी को समर्पित होगा। इसके साथ ही आज के दिन चंद्रमा सिंह उपरांत कन्या राशि में गोचर करेंगे। इसके साथ ही आज मेष राशि में बुध और सूर्य की युति बनने जा रही है जिससे बुधादित्य योग बनेगा। आज गुरु और चंद्रमा एक दूसरे से चतुर्थ दशम भाव में गजकेसरी योग बनाएंगे। साथ ही साथ आज शुक्र अपनी उच्च राशि में अत्यंत शुभ मालव्य राजयोग बना रहे हैं। आज के दिन पूर्वाफाल्गुनी उपरांत उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र और रवि योग का भी सुंदर संयोग बन रहा है। जिससे मेष, सिंह, तुला, वृश्चिक और मकर राशि के जातकों को भाग्य का साथ मिलेगा। इसके साथ ही इन राशियों की आय में भी इजाफा होगा।

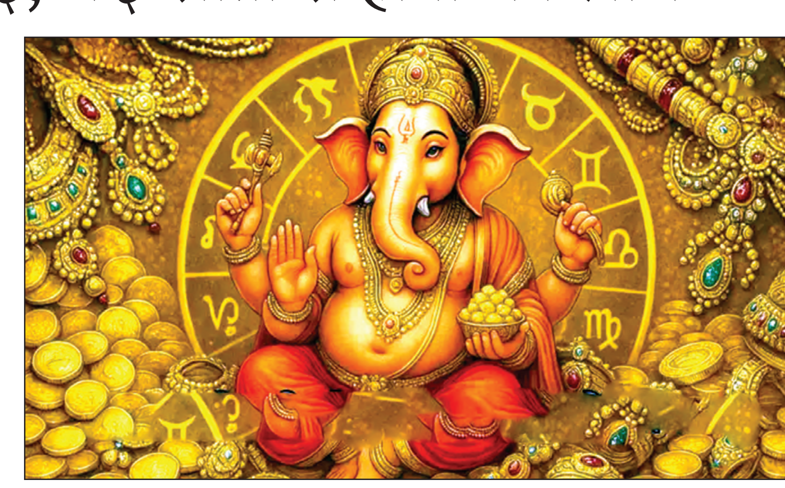

मेष राशि – मेष राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन लाभ कमाने के नए मौके लेकर आएगा। आज मेष राशि के लग्न भाव में सूर्य और बुध की युति होगी जिससे आपको सत्ता से लाभ मिलने के आसार हैं। सरकारी कार्यों से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। आपके अटके काम पूरे होंगे। आज साहसिक फैसले आपको आगे लेकर जाएंगे। साथ ही भविष्य में फायदा कमाने के अतिरिक्त अवसर भी दे सकते हैं। कारोबार के लिहाज से आज का दिन लाभदायक रहने वाला है। आपके मान सम्मान में भी इजाफा होगा। आज अकाउंटिंग, बिजनेस मैनेजमेंट आदि से जुड़े जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। साथ ही परिवार में भी आज अच्छा माहौल रहेगा। जीवनसाथी की मदद से आपकी परेशानियां दूर होंगी। मन खुश रहेगा।

उपाय : आज गणेश भगवान को दूर्वा चढ़ाएं। साथ ही श्री गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें।

सिंह राशि – सिंह राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज सिंह राशि के स्वामी सूर्य भाग्य भाव में बुध के साथ रहेंगे, जिससे आज का दिन आपको आर्ज लाभ देकर जाने वाला है। आज आपको कम मेहनत में अधिक फायदा हो सकता है। किस्मत आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेगी। फैमिली बिजनेस से जुड़े जातकों को आज अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आज सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों के मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आपका प्रभाव बढ़ेगा। परिवार में पिता का सहयोग मिलेगा। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के आसार हैं। विवाह योग्य जातकों के लिए आज शादी का रिश्ता आ सकता है। परिवार के साथ तीर्थ यात्रापर जाने का योग बन रहा है।

उपाय : आज शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के साथ-साथ मूंग की दाल चढ़ाएं। साथ ही ऋणहर्ता गणेश स्तोत्र का पाठ करें।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन धन लाभ देकर जाएगा। आज तुला राशि से चंद्रमा 11वें स्थान पर होंगे। इससे तुला राशि वालों की आय में इजाफा हो सकता है। आज आपको धन प्राप्ति के आर्ज अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही आज तुला राशि से सप्तम भाव में सूर्य और बुध की युति होगी। इससे आज आपको व्यापार में फायदा होगा। इसके साथ ही कारोबार से जुड़े पुराने विवादों का निपटारा होगा। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिल सकता है इससे आप राहत महसूस करेंगे। आज आपको नौकरी में संपर्कों का लाभ मिलेगा। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। पार्टनरशिप में काम करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। परिवार में मस्तीभरा माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। आज जीवनसाथी के साथ पार्टनरशिप में काम शुरू कर सकते हैं। शुभ परिणाम मिलने के आसार हैं।

उपाय : आज 108 बार ऊं गं गणपतये नमः मंत्र का जप करें। इसके साथ ही हरी चूड़ियों का दान करें।

वृश्चिक राशि –आज बुधवार को वृश्चिक राशि के जातकों को गुरु ग्रह से सबसे अधिक शुभ फल की प्राप्ति होगी। आज गुरु सीधी दृष्टि वृश्चिक राशि पर पड़ रही है। इससे बुद्धि और ज्ञान के क्षेत्रों से जुड़े जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। आज मैनेजमेंट, टीचिंग, शोध, लेखन आदि के कार्यों से जुड़े जातक अतिरिक्त लाभ के अवसर हासिल कर सकते हैं। कारोबार अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है। इससे आप नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। दीर्घकालिक निवेश आपके लिए लाभदायक रहेगा। सोने और संपत्ति में भी निवेश कर सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य से मनमुटाव चल रहा था तो वह खत्म हो सकता है। विवाह योग्य जातकों की रिश्ते की बात आगे बढ़ सकती है। लव लाइफ में रोमांच बना रहेगा।

उपाय : आज पर्स में कांच की गोलियां रखें। और गणेश गायत्री मंत्र 'एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात्, महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात' का अधिक से अधिक जप करें।

मकर राशि –मकर राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन अच्छा रहने वाला है। आज सूर्य और बुध मकर राशि में सुख योग बना रहे हैं। चतुर्थ भाव में अच्छा संयोग है। ऐसे में आज अगर आप किन्हीं परेशानियों से लंबे समय से जूझ रहे थे तो आपको राहत मिल सकती है। आज सुख सुविधाओं के साधनों में इजाफा होने के आसार हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स या गैजेट्स आदि खरीद सकते हैं। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स, तकनीक, गैजेट्स आदि के क्षेत्र से जुड़े जातकों को विशेष रूप से लाभ मिल सकता है। वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी और कारोबार की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। रियल एस्टेट से जुड़े काम करने वालों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप दोनों बाहर घूमने जा सकते हैं। बच्चों की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

उपाय : आज कच्चे दूध में दूर्वा मिलाकर गणेश जी का अभिषेक करें। इसके साथ ही गणपति भगवान को मोदक का भोग लगाएं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

संपादकीय

फिलहाल आर्थिक स्ट्राइक

भारत ने पाकिस्तान पर फिलहाल आर्थिक स्ट्राइक की है। हर तरह के आयात-निर्यात पर पाबंदी लगा दी गई है। किसी और देश के जरिए भी पाकिस्तान का सामान नहीं आ सकेगा। हालांकि 2024-25 में पाकिस्तान से मात्र 4 करोड़ रुपए का आयात किया गया, जबकि भारत का निर्यात 3764 करोड़ रुपए का था। कारोबार बंद करने से नुकसान भारत का ही होगा, लेकिन दुश्मन को चारों खाने चित करने की यह भी एक कारगर रणनीति है। पाकिस्तान में पंजीकृत या उसके झंडे वाले जहाज और नौकाएं भारतीय बंदरगाहों पर नहीं आ सकेंगी। उनके प्रवेश पर भी पाबंदी लगा दी गई है। सभी तरह की डाक सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। पाकिस्तान की चौतरफा घेरेबंदी की जा रही है। भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, आसियान विकास बैंक में भी शिकायत दर्ज करेगा कि पाकिस्तान को दिए जा रहे कर्जों की गहन समीक्षा की जाए, क्योंकि गुरबत और गरीबी के नाम पर जारी किए जा रहे कर्जों का पैसा आतंकवाद पर खर्च किया जा रहा है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को 7 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। जुलाई, 2024 से इस कर्ज की किस्तें शुरू हुई हैं। कुल 37 किस्तों में यह कर्ज दिया जाना है। मई, 2025 में ही आईएमएफ का बोर्ड 1.3 अरब डॉलर के कर्ज पर विमर्श करेगा। भारत इस आर्थिक स्रोत को भी खंडित कर पाकिस्तान की भुखमरी और बदहाली को इतना बढ़ा देना चाहता है कि पाकिस्तान बिलबिला उठे और आतंकियों को पालने-पोसने लायक ही न रहे। आसियान विकास बैंक ने भी पाकिस्तान को 43.4 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। अभी तक कुल 53 कर्ज और 3 अनुदान दिए जा चुके हैं। कुल राशि 9.13 अरब डॉलर की है। खैबर पख्तून की ग्रामीण सडक़ विकास परियोजना के लिए 32 करोड़ डॉलर देने की बात कही गई है। इसी तरह जनवरी, 2025 में विश्व बैंक ने पाकिस्तान को 20 अरब डॉलर का कर्ज देने की घोषणा की थी। पाकिस्तान कर्ज के पैसे पर जिंदा देश है। यदि भारत के आग्रह और साक्ष्यों के आधार पर पाकिस्तान को मिलने वाले ये कर्ज रद्द या कम अथवा स्थगित कर दिए जाते हैं, तो वहां की अवाम सडक़ों पर उतर कर मुल्क की हुकूमत के खिलाफ विद्रोह कर सकती है। पाकिस्तान की 40 फीसदी से अधिक अवाम गरीबी-रेखा के नीचे जीने को विवश है। वहां की औसत गरीबी-दर करीब 25.3 फीसदी और महंगाई दर करीब 13 फीसदी है। पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर 2 फीसदी से भी कम है। भारत की आर्थिक स्ट्राइक पाकिस्तान को और अधिक विपन्न कर सकती है। जरूरी वस्तुओं का अकाल पड़ सकता है। चीन और तुर्किये सरीखे देश पाकिस्तान की कितनी मदद कर सकते हैं? सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सरीखे इस्लामिक देशों ने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का समर्थन किया है। चीन फिलहाल खामोश है। पाकिस्तान का वजूद संकट में घिरता लग रहा है। इन कर्जों के अलावा, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (फाट्फ) का रास्ता भी भारत के लिए खुला है। पाकिस्तान 2012-15 और 2018-22 के दौरान फाट्फ की 'ग्रे लिस्ट' में रहा है। इससे विदेशी निवेश और कर्ज मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। लगभग असंभव स्थिति बन जाती है। यह संगठन आतंकवाद पर देशों की समीक्षा करता है। 'ग्रे लिस्ट' के बाद देश 'काली सूची' में आ जाएं, तो दुनिया के देश भीख भी नहीं देते। फाट्फ की बैठक 9 मई को है। उसके 40 में से 25 सदस्य भारत के समर्थन में हैं। फिर भी भारत को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकियों की फंडिंग के सबूत देने होंगे।

पाकिस्तान में पंजीकृत या उसके झंडे वाले जहाज और नौकाएं भारतीय बंदरगाहों पर नहीं आ सकेंगी। उनके प्रवेश पर भी पाबंदी लगा दी गई है। सभी तरह की डाक सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। पाकिस्तान की चौतरफा घेरेबंदी की जा रही है। भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, आसियान विकास बैंक में भी शिकायत दर्ज करेगा कि पाकिस्तान को दिए जा रहे कर्जों की गहन समीक्षा की जाए, क्योंकि गुरबत और गरीबी के नाम पर जारी किए जा रहे कर्जों का पैसा आतंकवाद पर खर्च किया जा रहा है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को 7 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। जुलाई, 2024 से इस कर्ज की किस्तें शुरू हुई हैं। कुल 37 किस्तों में यह कर्ज दिया जाना है। मई, 2025 में ही आईएमएफ का बोर्ड 1.3 अरब डॉलर के कर्ज पर विमर्श करेगा। भारत इस आर्थिक स्रोत को भी खंडित कर पाकिस्तान की भुखमरी और बदहाली को इतना बढ़ा देना चाहता है कि पाकिस्तान बिलबिला उठे और आतंकियों को पालने-पोसने लायक ही न रहे। आसियान विकास बैंक ने भी पाकिस्तान को 43.4 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। अभी तक कुल 53 कर्ज और 3 अनुदान दिए जा चुके हैं। कुल राशि 9.13 अरब डॉलर की है।

देश पाकिस्तान के साथ युद्ध सहित सभी विकल्पों से मुकाबले के लिए सरकार के साथ एकजुट खड़ा है

युद्ध में आर्थिकी भी प्रभावी हथियार

डा. जयंतीलाल भंडारी

पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जो रिपोट्र्स प्रकाशित हो रही हैं, उनमें कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से मजबूत है और पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत के पास दुनिया का कूटनीतिक समर्थन है और इन सबके साथ-साथ भारत की आर्थिकी दमदार और मजबूत है। इन आधारों पर भारत पाकिस्तान से सभी प्रकार के युद्ध में विजेता बनते हुए दिखाई दे सकेगा।

इन दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जो रिपोट्र्स प्रकाशित हो रही हैं, उनमें कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से मजबूत है और पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत के पास दुनिया का कूटनीतिक समर्थन है और इन सबके साथ-साथ भारत की आर्थिकी दमदार और मजबूत है। इन आधारों पर भारत पाकिस्तान से सभी प्रकार के युद्ध में विजेता बनते हुए दिखाई दे सकेगा। वस्तुतः इस समय जहां पूरा देश पाकिस्तान के साथ युद्ध सहित सभी विकल्पों से मुकाबले के लिए सरकार के साथ एकजुट खड़ा है, वहीं देश की मजबूत घरेलू आर्थिकी भी भारत के लिए एक प्रभावी हथियार दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के अधिकांश देशों की तुलना में भारत का शेयर बाजार तेजी से बढऩे की प्रवृत्ति दिखा रहा है। 30 अप्रैल को भारत का सेंसेक्स 80242 अंकों की ऊंचाई पर दिखाई दिया है। साथ ही डॉलर की तुलना में रुपया मजबूत हुआ है। माह अप्रैल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 2.09 लाख करोड रुपए स्तर पर पहुंच गया, जो किसी महीने अभी तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड राजस्व है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनाई जा रही है और सरकारी ऋ़ण के बेहतर प्रबंधन से भारत का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक का मानना है कि भारत चुनौतियों के बीच नई संभावनाओं वाला देश है और भारत वैश्विक व्यापार को बढ़ाने वाला इंजन बन सकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ट्रंप टैरिफ और वैश्विक व्यापार युद्ध के दौर में नीतिगत चुस्ती और दीर्घकालिन नजरिए से वैश्विक व्यापार चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत है। निवेशकों का विश्वास बना हुआ है। अर्थव्यवस्था व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित की जा रही है। उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, प्रशासन, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराई जा रही है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास संगठन (अंकटाड) के द्वारा जारी ट्रेड एंड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2025 में कहा गया है कि वैश्विक मंदी की आशंका और बढ़ते व्यापार तनावों के बीच भी घटती ब्याज दर,

घटती महंगाई और घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी की दर से बढ़ते हुए दुनिया की सबसे तेजी से बढऩे वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में यद्यपि दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार नीति में बदलाव के कारण विकास दर घटकर सिर्फ 2.3 फीसदी रह सकती है। पूरे दक्षिण एशिया में विकास दर 5.6 फीसदी रहने की संभावना है। कुछ देश जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका भारी कर्ज और महंगे खाद्य पदार्थों के चलते दबाव में रह सकते हैं, लेकिन टैरिफ चुनौतियों के बीच भी भारत में आर्थिक वृद्धि जारी रहेगी, क्योंकि सरकार सार्वजनिक खर्च को बढ़ा रही है और रिजर्व बैंक ने ब्याज दर में कटौती की है। इससे न केवल घरेलू खपत को सहारा मिलेगा, बल्कि निजी निवेश में भी उछाल आने की उम्मीद है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पाकिस्तान से युद्ध के माहौल, टैरिफ की चुनौतियों और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था भारत की शक्ति बन गई है। भारत अपने मजबूत स्थानीय और घरेलू बाजार से किसी भी आर्थिक झटके का सामना करते हुए आगे बढऩे की संभावना रखता है। इस समय छह महत्वपूर्ण आधार भारत की घरेलू आर्थिकी को मजबूती देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें घटती महंगाई, घटती ब्याज दर, अच्छा मानसून, बढ़ता शेयर बाजार, मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति और ट्रंप के टैरिफ से मुकाबला करने की भारत की कूटनीतिक रणनीति शामिल है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) महंगाई और ब्याज दर में संतुलन बनाए रखने की नीति पर लगातार आगे बढ़ रहा है। 9 अप्रैल को आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करते हुए इसे 6 फीसदी कर दिया है। साथ ही अब रिजर्व बैंक की आगामी बैठक में ब्याज दरों में अधिक कटौती की उम्मीदें मजबूत हो गई है। अब तक ब्याज दरें अधिक होने से उपभोक्ता कर्ज लेने से पीछे हट रहे थे और कर्ज की अधिक लागत से उद्यमी भी विस्तार की योजनाओं के लिए तत्परता नहीं दिखा रहे थे। ऐसे में नए फैसलों से लोगों की क्रयशक्ति और खपत बढऩे से विकास दर को गति दी जा सकेगी। निःसंदेह देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के जोरदार संकेत विकास दर को बढ़ाने वाले सकारात्मक संदेश हैं। भारत का शेयर बाजार दूसरे देशों की तुलना में बढऩे की प्रवृत्ति दिखा रहा है। रुपया मजबूत हो रहा है। निर्यात बढ़ रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट है। सरकार के पूंजीगत खर्च बढऩे से भी अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से शक्ति मिल रही है। लंबे समय तक दूसरे देशों से बड़ी संख्या में आयातित कई औद्योगिक उत्पाद देश में ही बनाए जा रहे हैं। लगातार स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्थानीय श्रम को अच्छे मूल्य पर जोर दिए जाने जैसे अभियान से शहरों से गांवों तक स्वदेशी सामान की खरीदी में जोरदार उछाल आया है। चीन से त्योहारी उत्पादों के आयात में कमी के साथ-साथ खिलौनों जैसी वस्तुओं के आयात में भी सराहनीय कमी आई है। इस समय देश के मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति भी आर्थिकी के लिए अहम है। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के माध्यम से टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं। इन सबके साथ-साथ एक और महत्वपूर्ण आधार भारत की आर्थिकी को नई शक्ति देने वाला है। भारत ट्रंप के टैरिफ की चुनौती के मुकाबले के लिए आर्थिक कूटनीति के साथ आगे बढ़ा है। निःसंदेह भारत दमदार आर्थिकी तैयार करते हुए आगे बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार के द्वारा घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना लाभप्रद होगा। भारत में आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल मंत्र को बढ़ाना होगा। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे। जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना, लॉजिस्टिक लागत में कमी, गतिशक्ति योजना का तेज क्रियान्वयन, व्यवसाय करने की प्रक्रिया की सरलता जैसे रणनीतिक कदमों से भारत के घरेलू बाजार की चमक बढ़ाई जा सकेगी। अब टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा, अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर भी ध्यान दिया जाना होगा।

दृष्टि कोण

भारतीय कला-साहित्य के ध्वजवाहक टैगोर

रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय साहित्य एवं कला को बुलंदियों तक ले जाने वाले महापुरुष थे। उन्होंने भारतीय साहित्य को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने में अग्रिम भूमिका निभाई। एक कवि एवं कहानीकार, नाटककार के अतिरिक्त उनका नाम चित्रकार एवं कलाकार के रूप में अदब से लिया जाता है। वर्ष 1913 में विश्व साहित्य जगत का सर्वोत्तम पुरस्कार 'नोबेल' मिलना उनके लेखक व कवि के रूप में उनके कद और काबीलियत को बयां करता है। उस वक्त जब पूरा भारत उपनिवेशवाद व दासता की बेडियों में जकड़ा था, उस दौर में भारतीय साहित्य के केवल ध्वजवाहक ही नहीं, बल्कि विश्व के सर्वोत्तम साहित्यकार का तमगा अपने नाम करना उनकी विलक्षण प्रतिभा को दर्शाता है। टैगोर को नोबेल पुरस्कार उनके अत्यंत संवेदनशील व सुंदर काव्य संग्रह 'गीतांजलि' के लिए दिया गया। मूलतः टैगोर बंग्ला भाषा में लिखते थे। गीतांजलि काव्य संग्रह के द्वारा टैगोर ने अपने काव्यात्मक विचारों को अंग्रेजी शब्दों में पूर्ण कौशल के साथ पिरोकर अंग्रेजी साहित्य का हिस्सा बन गए। रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई सन्-1861 को कोलकाता में एक समृद्ध परिवार में हुआ था। उनके पिताजी देवेंद्रनाथ टैगोर देश के जाने-माने समाज सुधारक थे, जो राजा राम मोहन राय से प्रभावित थे। उनके दादाजी की अगर बात करें तो उनका नाम द्वारकानाथ टैगोर था। वह अपने समय के बहुत बड़े उद्यमी थे। उनका नाम उस दौर के अमीर व्यक्तियों में शुमार था। लेकिन उनके बेटे देवेंद्रनाथ टैगोर ने अध्यात्म का मार्ग अपनाया। वहीं रवींद्रनाथ टैगोर का बाल्यकाल उनकी माता जी की जल्दी मृत्यु के कारण नौकरों की देखरेख में बीता। स्कूल के दिनों में वह पढ़ाई-लिखाई में खास अच्छे नहीं थे। इसलिए उन्होंने विद्यालय छोड़ दिया, परंतु उनके भाई हेमेंद्र नाथ ने उन्हें पढ़ाने का जिम्मा लिया। हेमेंद्र नाथ ने उन्हें विज्ञान व गणित विषयों को पढ़ाने के अलावा फिटनेस प्रशिक्षण, जूडो व तैराकी जैसी आवश्यक खेलों का भी ज्ञान प्रदान किया। उनके पिता ने भी उन्हें खगोल विज्ञान, प्राचीन इतिहास व आधुनिक विज्ञान का ज्ञान दिया। इसके अलावा उपनिषद व अनेक धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करवाया। पिता अध्यात्म से जुड़े होने के कारण टैगोर को शांतिनिकेतन ले गए, जो वर्तमान में विश्वभारती विश्वविद्यालय के नाम से प्रसिद्ध है। उसके बाद वह अमृतसर गोल्डन टेंपल में रहे। वहां नित गुरुवाणी सुनते। वह हिमालय की तरफ भी आए तथा हिमाचल प्रदेश के डल्हौजी में वक्त बिताया। यद्यपि बाल्यकाल में उन्हें घर से बाहर जाने की भी अनुमति नहीं थी, व्यक्ति के कदम को रोका जा सकता है, उसकी कल्पना शक्ति को नहीं। टैगोर ने इस बात को तब साबित किया जब उन्होंने केवल आठ वर्ष की उम्र में ही कविता लिखना शुरू किया। यह कल्पना शक्ति उनको परिवार से मिली क्योंकि उनके भाई-बहन भी अलग-अलग प्रतिभा के धनी थे। उनके बड़े भाई दार्शनिक एवं कवि थे। दूसरे भाई सत्येंद्रनाथ टैगोर को कौन नहीं जानता, जो यूरोपीय भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईसीएस) की परीक्षा पास करने वाले पहले भारतीय व एशियन थे। एक अन्य भाई ज्योतेंद्र नाथ गीतकार, संगीतकार व कवि थे। वहीं बड़ी बहन स्वर्णकुमारी भी लेखक, गीतकार, निबंधकार, नाटककार व सामाजिक कार्यकर्ता थी। रवींद्रनाथ टैगोर भाई-बहन की इस फेहरिस्त में चौदहवें स्थान पर आते थे, अर्थात टैगोर देवेंद्रनाथ व शारदा देवी की चौदहवीं संतान थे। टैगोर को अनुकूल पारिवारिक माहौल मिलने के कारण उनकी रुचि लेखन की तरफ हुई होगी, ऐसा कहना उपयुक्त होगा। टैगोर के पिता ने उन्हें बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए सन्-1878 में इंग्लैंड भेजा, लेकिन वह सन्-1880 में बिना बैरिस्टर की ड्रिगी लिए वापस लौट गए। साथ लेकर आए कविताएं, निबंध व नाटक, क्योंकि उन्होंने वहां कानून को छोडक़र अंग्रेजी साहित्य को पढ़ा। टैगोर को प्रथम बार उनके बड़े भाई द्विजेंद्र नाथ द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'भारती' में कविता लिखने का मौका मिला। हालांकि सन् 1875 में भी उनकी कविता प्रतिष्ठित अखबार 'अमृत बाजार' में प्रकाशित हुई।

कुछ अलग

ये आत्मबल जीने नहीं देता

आत्मबल सरीखा होना अब सारी ताकतों का जवाब है। आत्मबल की परिस्थितियां हों या न हों, इन्हें आत्मबल सरीखा होना पड़ता है। सबके दादा बताते रहे होंगे कि उनके जमाने में वस्तुओं के मूल्य कितने कमजोर थे, लेकिन आज का आत्मबल बताता है कि मॉल पर खरीदी गई कमीज किस-किस ब्रांड पर भारी है। वैसे हमारे आत्मबल की लड़ाई ब्रांड से है। आश्चर्य यह कि खानपान भी ब्रांड हो गया। घर के चूल्हे में कभी आत्मबल होता था कि यह किसी को खाली पेट जाने नहीं देगा, मांगने वाले तक को भूख से सताने नहीं देगा। उस दिन मांगने वाले का आत्मबल इतना बढ़ गया कि उसने हमारी चाय पीने के बजाय, बाजार की कॉफी के लिए पैसे मांग लिए। दादा कहते थे उनके जमाने में आने में एक किलो घी आता था। तब ग्राहक के भीतर खरीददारी के खिलाफ आत्मबल था। आज के घी-तेल का आत्मबल देखते ही बनता है। हर बार हमसे ज्यादा ऐंठता है। जाहिर है बाजार का आत्मबल हमें जीने नहीं देगा, लेकिन सरकारों का आत्मबल हमें मरने नहीं देगा। उस दिन देश का आत्मबल राशन की दुकान पर खड़ा मिला। वो मुस्करा रहा था, क्योंकि सामने मुफ्त राशन के लिए लंबी कतार लगी थी। देश की मुस्कान को बरकरार रखना कोई आसान काम नहीं, लेकिन सरकारें राज्यों से दिल्ली तक इसी आत्मबल का परिचय देने लगी हैं। जीने के लिए उधार का आत्मबल अगर मिलता रहे, तो सरकारें भी कल्याणकारी दिखाई देती हैं। अब तो नागरिक समाज भी सरकारों के कारण ही चलने लगा है। पूरा बिजली बोर्ड मुफ्त की आपूर्ति में भी ऐसा करंट रखता है कि जनता की सारी शक्ति उसी के कारण दिखाई देती है। अब तो सुबह नहाने से पहले जल शक्ति विभाग के फिटर को मनाने के लिए शक्ति चाहिए। वैसे गौर से देखें तो सरकारों का सारा आत्मबल सरकारी अफसरों, नौकरशाही और कर्मचारियों के पास चला गया है। अब समय समय का आत्मबल अलग-अलग होता है। उस दिन पटवारी का आत्मबल देखकर हमारी पुश्तैनी जमीन डर गई। अगर हम अपनी बारी आने पर पटवारी महोदय की भाषा नहीं समझते, तो सारे बुजुर्ग स्वर्ग से नरक में पहुंच जाते। वैसे जब आत्मबल बंट रहा था, तो सारा का सारा सरकारी नौकरी में चला गया। लोग सोचते हैं अंग्रेजों ने देश को भारत और पाकिस्तान में बांटा, मगर देश का आत्मबल भी बंटा है। सरकारी नौकर बनते ही आत्मबल ऐसे-ऐसे काम करा देता है कि साधारण व्यक्ति केवल चकित ही हो सकता है। यह आत्मबल ही है जो दो करोड़ की इमारत को बीस करोड़ के खर्च से भी मुकम्मल नहीं करता। हमारे निर्माण और विकास की गाथा के पीछे सरकारी नौकरी का आत्मबल इतना साहसी है कि सडक़ों पर गड्ढों तक की परवाह नहीं करता। यह आत्मबल विद्युत आपूर्ति के बिना जनता को अपने अंधेरों का भी इंतजार करा सकता है। प्राइवेट नौकरी बिना आत्मबल के काम करती है, इसलिए सुबह से शाम तक लगातार करती है। किसी दुकानदार में किसी सरकारी इंस्पेक्टर से उलझने का आत्मबल हो ही नहीं सकता। पहले खबरों में आत्मबल होता था, अब पाठक का भी नहीं होता। झूठे, फरेबी और संवेदनहीन लोगों का आत्मबल देखेंगे तो बेहोश हो जाएंगे। हर कोई सोशल मीडिया पर कोशिश कर रहा है, लेकिन हजारों फ्रेंड्स बटोर कर भी किसी 'लाइक' का आत्मबल नहीं होता। सोशल मीडिया भले ही बात-बात पर बात कर ले, लेकिन आज भी किसी अपने का पुराना सा खत आत्मबल देता है।

देश दुनिया से

पाकिस्तान जैसी समस्या के समाधान का प्रश्न

यहां कोई मुगालता न रहे, अंततः युद्ध कोई नहीं चाहता। न अमेरिकी, न ही यूरोपीय। रूसियों को इतनी परवाह नहीं है, क्योंकि वे तीन साल से युद्धरत हैं और अपने बहुत लोगों को खो चुके हैं, लेकिन व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के उस हिस्से को पाने के लिए दृढ़संकल्प लगते हैं, जिस पर उनकी नजर है। जहां तक चीनियों का सवाल है, वे भी युद्ध नहीं चाहते क्योंकि, जैसा कि जैबिन टी जैकब ने लिखा है, वे चाहेंगे कि 'युद्ध को छोड़कर' भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहे, जो धीरे-धीरे एक-दूसरे को निपटा देगा। पहलगाम के बाद की स्थिति निश्चित रूप से असामान्य है। सर्वप्रथम, 2016 में उड़ी और 2019 में पुलवामा कांड में सैनिकों के शहीद होने के विपरीत, इस बार निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। भारत ने उड़ी हमले का जवाब नियंत्रण रेखा के पार 'सर्जिकल स्ट्राइक' करके और पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा के काफी अंदर घुसकर बालाकोट स्थित आतंकी शिविरों पर मिसाइलें दागकर किया था। दूसरा, कारगिल में संघर्ष सहित भारत और पाकिस्तान के बीच सभी पिछले युद्ध जो भारत ने लड़े हैं—और जीते हैं-भले ही शुरुआत भारत ने कभी नहीं की। इस बार, पीएम मोदी ने सार्वजनिक रूप से सबक सिखाने की बात कही है। इस वादे से लेकर कि उनकी सरकार हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को खोजने के लिए 'दुनिया के अंतिम छोर तक जाएगी', गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिंदी में यह कहने तक कि 'चुन-चुन के जवाब दिया जाएगा', ऐसा साफ लगता है कि बदला लिया जाएगा। स्पष्टतः प्रधानमंत्री पाकिस्तान का व्यवहार हमेशा के लिए बदलना चाहते हैं। पिछली सरकारों, भाजपा और कांग्रेस दोनों की, ने अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, जवाब देने की अलग-अलग शैली आजमाई थी। कारगिल में युद्ध लड़ने से लेकर आगरा में वार्ता के लिए परवेज मुशर्रफ को आमंत्रित करना, लेकिन उनके साथ समझौता अंतिम क्षण पर सिरे न चढ़ने तक और मुंबई हमलों के बाद संबंध तोड़ने से लेकर दिल्ली से रावलपिंडी के लिए सीधे विशेष विमान से विदेश मंत्री को भेजकर संबंध बहाल करने तक — पिछले 30 सालों में तमाम नुस्खे आजमाए जा चुके हैं। सवाल यह है कि पाकिस्तान जैसी समस्या का समाधान कैसे किया जाए? इस सवाल से जूझने वाले हर प्रधानमंत्री की तरह मोदी को इल्म है कि इतिहास में उनकी याद इस बात से प्रभावित होगी कि वे भारत के पश्चिमी पड़ोसी के साथ किस प्रकार बरत पाए। उन्होंने न केवल 2014 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को दिल्ली आमंत्रित किया बल्कि 2015 में उनके घर पहुंचकर भी हाथ मिलाने की कोशिश की। अगले कुछ दिन और सप्ताह सबसे कठिन होने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण कारकों में अमेरिका का रुख अहम रहेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों पर, काफी प्रभाव रखने वाली एकमात्र शक्ति के रूप में, ट्रम्प प्रशासन भावनाओं को शांत करने की आस में दोनों पक्षों के संपर्क में है। लेकिन तथ्य यह है कि कोई अमेरिकी विशेष दूत अब तक सूटकेस पैक करके

नई दिल्ली या इस्लामाबाद के लिए रवाना नहीं हुआ — भले ही भारत सार्वजनिक रूप से 'तीसरे पक्ष' को बीच में डालने के विचार मात्र को नापसंद करता है — यह दर्शाता है कि भारत के अलावा दुनिया भर के देशों के साथ टैरिफ पर सौदेबाजी करने में उलझे अमेरिका के पास और भी काम हैं। वास्तव में, उम्मीद है कि टैरिफ पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले शुरुआती देशों में भारत-अमेरिका संधि एक हो सकती है, जिससे आर्थिक चिंता कुछ कम हो पाएगी, जोकि पहलगाम घटना से पहले एक बड़ा मुद्दा रही। फिर, पहलगाम घटना पर डोनाल्ड ट्रम्प की शुरुआती टिप्पणियों पर गौर करें, जब उन्होंने एक सप्ताह पहले प्रेस रिपोर्टरों से कहा : 'मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के भी बहुत करीब हूं, जैसा कि आप जानते हैं। और कश्मीर को लेकर वे 1,000 वर्षों से झगड़ रहे हैं। कश्मीर का मसला 1,000 वर्षों से जारी है, शायद उससे भी अधिक समय से...'। लेकिन जिस प्रकार भारत की ओर से बयानबाजी में तेजी आई, जिसमें देश भर के परिवारों के दुख की गूंज भी शामिल है, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ताजा टिप्पणियों में वही घबराहट झलक रही है, जो 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान बिल क्लिंटन के ब्यानों में थी, जब वे महसूस करने लगे थे कि कहीं टकराव बढ़कर 'परमाणु युद्ध' में न बदल जाए। वीरवार को फॉक्स न्यूज को दी गई वेंस की टिप्पणी उसी पुरानी याद जैसी थी। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, मुझे चिंता है कि कहीं मामला बढ़ न जाए, खासकर दो परमाणु शक्तियों के बीच'। वेंस ने आगे कहा : 'हम उम्मीद करते हैं कि भारत इस आतंकवादी हमले का जवाब कुछ इस तरह से दे कि यह विस्तृत क्षेत्रीय संघर्ष का रूप न ले पाए... और हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान, जहां तक वह जिम्मेदार हैं, भारत के साथ सहयोग करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसके क्षेत्र से कभी-कभार गतिविधियां चलाने वाले आतंकवादियों का पता लगाया जा सके और उनसे निबटा जाए...'। गिलास आधा भरा या आधा खाली? तमाम बड़ी शक्तियों का वह खेल, जो वे दोनों पक्षों के साथ खेलना चाहती हैं, जहां वेंस भारत के प्रति सहानुभूति दर्शा रहे हैं वहीं स्पष्ट रूप से यह भी चाहते हैं कि वह संयम बरते। इसी बीच, वे पाकिस्तान को 'भारत के साथ सहयोग' करने के लिए भी कह रहे हैं, जबकि खुद अमेरिका को अंतर्राष्ट्रीय जांच में शामिल होने से दूर रखना चाह रहे हैं और यही पाकिस्तान चाहता है। यहां गौरतलब है कि वेंस को अभी शक है कि आतंकवादी हमेशा पाकिस्तानी इलाके से ही गतिविधियां चलाते हैं-यानि केवल 'कभी-कभार'। फिर अरब दुनिया का आलम है। पहलगाम घटना पर सऊदी अरब की प्रतिक्रिया में पिछले 10 दिनों में काफी बदलाव आया है — सनद रहे, नरसंहार के वक्त प्रधानमंत्री मोदी रियाद के दौरे पर थे। उस समय, शक्तिशाली क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में 'सीमा पार आतंकवाद' की निंदा की गई थी और कहा गया था कि 'आतंकी कृत्यों को किसी तरह न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता'।

आप का नजरिया

पर्यटक सीजन की आदतें

हिमाचल अपनी आदतें बदल रहा है, तरक्की के पहाड़ पर जख्म उगा रहा है। पर्यटक बढ़े-आगंतुक बढ़े, मगर कहीं घट गया हिमाचल का वो स्वरूप जो सुकून से लबरेज था। अब पर्यटन को छूने की आदत में प्रकृति भी कहीं मौसम में बढ़ते तापमान को छूने लगी है। हर दिन हजारों गाडियां और ट्रैफिक जाम में उठते धुएं ने आसमान की छतरी में छेद कर दिए, फिर भी उत्साह है कि हिमाचल को सारी दिशाओं में देखा जाए। हिमाचली जायका नहीं, अब तो हिमाचली फ्लेवर है जो पहाड़ पर मैगी की बिक्री बढ़ा देता है। इस सीजन को खरीदने की आदत है, मगर हम जो बेच रहे क्या वे सही मायने में हिमाचली व्यंजन हैं। हम रेहड़ी पर बर्गर स्टालों के पीछे किसी बाहरी व्यक्ति का श्रम देखते हैं, तो अब सुंदरनगर में बाहर से आकर लोग सिड्डू बनाने का हुनर बेच रहे हैं। आश्चर्य यह कि हिमाचली धाम की क्षेत्रीय पहचान में जिले तक अलग-अलग दिखने लगे, लेकिन वास्तविक स्वाद पर कमाई की परत चढ़ गई। बाजार में 'हिमाचली धाम' की गुणवत्ता का कोई परीक्षण या मानकीकरण नहीं। आखिर हिमाचल छोटे से पर्यटक सीजन में कितना हिमाचल दिखा पाता, अलबत्ता यहां खाने-कमाने की आदतें बदल गईं। हर बार एक नए पर्यटक सीजन में कुछ नया किया जाए, का सोच बेशक सही है, लेकिन इस दौरान किसी पर्यटक शहर की आबरू और आत्मा पर होते प्रहारों को नकारा नहीं जा सकता। पहाड़, पहाडियां और रेत-बजरी का सारा सामान हर बार पर्यटकों की आंखों में युद्ध लड़ता है। हम घायल समुद्र में नाव चला रहे, चप्पू से पूछो पानी में टूट कौन रहा। क्या हमारे पहाड़ सिर्फ पहाड़ बन कर आकर्षित नहीं करते। दरअसल हमने पर्यटन और होटल उद्योग को एक मान कर, एक ऐसी आपूर्ति होड़ शुरू कर ली, जो जम्मू-कश्मीर के पर्यटन से खंडहर में बदल जाती है। आश्चर्य यह कि जो एक बार कश्मीर घूम आता, उसे हिमाचल का आकर्षण कमतर आता। हमारे पास भी तो सदियों से डलहौजी व जंजैहली जैसे कई ऐसे स्थान हैं, जहां हर आंख ठहर सकती है, लेकिन ईंट-हथौड़े और सीमेंट-सरिये ने तो सांगला वैली के आकर्षण की भी ईंट से ईंट बजा दी। कांगड़ा में ही चाय बागानों के मार्फत बढ़ते पर्यटन को प्रकृति की विस्तारित रूह से मिलाने के लिए टी टूरिज्म ट्रैक बनाने होंगे। कुछ साल पहले जोगिंद्रनगर के हर्बल संस्थान के हर्बल ट्रैक विकसित करने के मंसूबे पैदा किए, लेकिन न रंग चढ़ा और न ही नूर आया, क्योंकि हम सरकारी संस्कृति से पर्यटन को चमकाना चाहते हैं। बिलासपुर को पर्यटन की किश्ती पर सवार करने वाले पूर्व जिलाधीश आबिद हुसैन सादिक के मॉडल को अपनाएं तो वाटर टूरिज्म के साथ-साथ बांध परियोजनाओं के विस्थापन को भी पर्यटन के टापू पर खड़ा कर सकते हैं। बिलासपुर के डूबे मंदिर, पौंग डैम में रैंसर की गढ़ी और बाथू की लड़ी को अगर हम प्राथमिकता दें, तो पर्यटन आगमन के रास्ते और ठहराव बदल जाएंगे। पालमपुर और सोलन विश्वविद्यालयों के सान्निध्य में पर्यटन के त्योहार खेत और बागीचे तक पहुंच सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार और रुमानियत से भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। दोस्त और क़रीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। आज अपने प्रिय से दूर होने का दु:ख आपको टीस देता रहेगा। थोड़ा–सा मोलभाव और चतुरता काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने स्वास्थ्य को नज़रअन्दाज़ न करें आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। नए प्रेम–संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह ख़ुद महसूस कर सकते हैं। आज आपकी दृढ़ता और लगन सफलता हासिल करेंगे, क्योंकि आप लक्ष्य भेदने में क़ामयाब रहेंगे। हालाँकि सफलता के नशे को सिर पर न चढ़ने दें और ईमानदारी से कड़ी मेहनत जारी रखें। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा–पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना दे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। सारी दुनिया की मदहोशी उन ख़ुशनसीबों के बीच सिमट जाती है, जो प्यार में हों। नई चीज़ों को सीखने की आप मे ललक बढेगी । आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। शाम के समय कुछ हँसी–ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटित होगा, जो आपके और आपके परिवार के लिए प्रसन्नता लेकर आएगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 मई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रात: 10:22 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी सायं 06:17 तक
योग : व्याघात रात्रि 01:03 तक
करण : गर प्रात: 10:22 तक
चन्द्र राशि : सिंह रात्रि 12:58 तक
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 11:22 से , टैगोर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमारी डबल इंजन सरकार राजस्थान में स्थापित कर रही विकास के नए कीर्तिमान : भजनलाल

केवड़िया/जयपुर, 06 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में हमारी डबल इंजन सरकार विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है और वर्षों से लंबित कार्यों की राह प्रशस्त करने के साथ ही विकसित भारत–विकसित राजस्थांन के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। शर्मा मंगलवार को गुजरात के केवड़िया में आयोजित भाजपा सांसदों और विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गौरवशाली भारत का निर्माण कर रही है। प्रधानमंत्री ने 2014 के बाद सुशासन से राजनीति की अवधारणा बदलकर राजनीतिक दलों और नेताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र देकर हमें जो मार्ग दिखाया है, वह भाजपा की कार्य संस्कृति का आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता में पहले राष्ट्र हित फिर पार्टी हित और अंत में स्वहित आता है जबकि कांग्रेस राजनीतिक चश्मे से देखकर काम करती है। उसने अपनी संस्कृति और विचारों को भी छोड़ दिया है।

शर्मा ने कहा कि यह प्रशिक्षण स्थल वह स्थान है जहां लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की अखण्डता और एकता की अलख जगाई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण शिविर भाजपा के जनप्रतिनिधियों को नीति और रणनीति सिखाने के साथ ही नैतिक मूल्यों और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी सशक्त करेगा। शर्मा ने कहा कि प्रदेश को पानी और बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने कई कदम उठाए है। पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते के क्रियान्वयन की कार्यवाही प्रारंभ करने के साथ ही सोम–कमला–अंबा परियोजना, जवाई परियोजना व देवास परियोजना के विकास का काम हाथ में लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के लिए हमने केंद्रीय पीएसयू के साथ 2 लाख 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू कर उन्हें धरातल पर उतारने का काम भी शुरू कर दिया है। राज्य में कुसुम के कम्पोनेन्ट–ए एवं कम्पोनेन्ट–सी के अन्तर्गत प्रदेश में लगभग 1000 मेगावाट से अधिक क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर लिए गए हैं। इस कारण हम लगभग 63 हजार से अधिक किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली दे पा रहे हैं।प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान जो 37 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित किए हैं, उनसे प्रदेश में बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियों के साथ ही निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में बढ़ रही है। हमने प्रभावी कार्यवाही कर पेपरलीक के मामलों पर लगाम लगाई है।

सीकर जिले में डॉक्टर–अधिकारी बिना पूछे छुट्टी पर गए तो खैर नहीं!

सीकर, 06 मई (एजेंसियां)। चिकित्सा विभाग के बड़े अफसर डॉ. एसएन धौलपुरिया मंगलवार को सीकर आए। उन्होंने अस्पतालों का हालचाल जानने के बाद जिले के बड़े डॉक्टरों और ब्लॉक के अफसरों की मीटिंग ली। इसमें उन्होंने योजनाओं और कामकाज की समीक्षा की और जरूरी बातें बताईं।उन्होंने साफ कहा कि कोई भी डॉक्टर, बीसीएमओ या जिले का बड़ा अफसर बिना पूछे छुट्टी पर नहीं जाएगा। अगर कोई गया तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। छुट्टी चाहिए तो पहले सीएमएचओ से कहकर डायरेक्टर (जन स्वास्थ्य) को लिखवाओ, फिर परमिशन मिलने पर ही छुट्टी लो। बहुत जरूरी हो तो फोन पर पूछ लो, लेकिन बड़े साहब से पूछे बिना कोई छुट्टी पर नहीं दिखे।डॉ. धौलपुरिया ने गर्मी में लू से बचाने के लिए सभी अस्पतालों में बिजली, पीने का पानी, कूलर, पंखे और दवाएं ठीक रखने को कहा।

प्रस्तावित मॉक ड्रिल की तैयारियों की मुख्य सचिव ने समीक्षा की

जयपुर, 06 मई (एजेंसियां)। वर्तमान परिदृश्य में राज्य में नागरिक सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं क्रियाशीलता के आकलन हेतु केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों की पालना में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में राज्य के समस्त संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

सचिवालय में आयोजित बैठक में बुधवार, 7 मई को प्रस्तावित मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट हेतु संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि सभी संचार माध्यमों एवं सायरनो को तुरंत दुरुस्त किया जाकर संचार प्रणाली का सुदृढीकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में गृह एवं आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा, जल संसाधन एवं पीएचईडी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व स्वायत्त शासन विभागों के प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभागों के शासन सचिव, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, पुलिस महानिदेशक राजस्थान, महानिदेशक इन्टेलिजेन्स, महानिदेशक गृह रक्षा, प्रबंध निदेशक, जयपुर, एयर फोर्स स्टेशन, महाप्रबंधक, भारत संचार निगम लिमिटेड, कमाण्डेंट छठी बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, एनसीसी निदेशक, जयपुर एयरपोर्ट निदेशक इत्यादि अधिकारीगण उपस्थित थे।

अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे : बागड़े

कोटपूतली–बहरोड़, 06 मई (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे, आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े, काश्तकार व पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी देकर उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी कर विकास की मुख्य धारा से जोड़े। राज्यपाल बागड़े मंगलवार को डायकीन जापनिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एक्सीलेंस नीमराना में कोटपूतली–बहरोड़ के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

राज्यपाल ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ–साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करे, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है।

शहीद विनय नरवाल के घर पहुंचे राहुल गांधी, बोले

देश आपके साथ खड़ा है

करनाल।, 06 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को श्रद्धांजलि देने और उनके परिवार को सांत्वना देने करनाल पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सांसद दीपेंद्र हुड्डा और हरियाणा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा भी थे।राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए सेक्टर–7 स्थित शहीद के घर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा जांच के बाद ही किसी आम नागरिक को अंदर जाने दिया जा रहा था। हालांकि माहौल पूरी तरह गमगीन था, लेकिन हर चेहरे पर गर्व और सम्मान साफ झलक रहा था।

राहुल गांधी ने शहीद विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल को सांत्वना दी। राहुल ने परिवार से वादा किया कि: पूरा देश आपके दुख में शामिल है। इस बलिदान को भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने शहीद के परिवार को हरसंभव मदद का वादा भी किया। इस घटना ने हर भारतीय के दिल को झकझोर कर रख दिया, यह सिर्फ आतंकी हमला नहीं था। शहीद लेफ्टिनेंट विनय नरवाल अपनी पत्नी के साथ हनीमून मनाने पहलगाम गए थे। 22 अप्रैल को हुए भयानक आतंकी हमले में वे शहीद हो गए। इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए। इस हमले ने न सिर्फ देश के वीर योद्धा को छीन लिया, बल्कि एक नवविवाहित जोड़े के सपनों को भी छीन लिया।राहुल गांधी के करनाल पहुंचने से पहले ही सांसद दीपेंद्र हुड्डा और युवा कांग्रेस अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा शहीद के घर पहुंचे।

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का आरोप

पंजाब के सीएम भगवंत मान पानी पर राजनीति कर रहे

चंडीगढ़, 06 मई (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा के बीच पानी विवाद को लेकर हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और मुख्यमंत्री भगवंत मान पानी पर राजनीति कर रहे हैं। मंगलवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पानी पर विवाद नहीं होना चाहिए। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार आतंकवादियों पर कार्रवाई करने के लिए तत्पर है। इसीलिए, हमें देश के अंदर पानी के लिए नहीं लड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, पानी पर झगड़ा तो होना ही नहीं चाहिए लेकिन, इसे मुद्दा बनाया जा रहा है क्योंकि पंजाब में आगामी विधानसभा के चुनाव हैं। भगवंत मान सरकार को डर है कि जिस तरह से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सत्ता से विदाई हुई, कहीं पंजाब में भी जनता उनकी विदाई न कर दें।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से पंजाब के मुख्यमंत्री इसे मुद्दा बना रहे हैं, मैं समझता हूं कि पंजाब से भी आम आदमी पार्टी सरकार की विदाई तय है। 10 साल से जिस तरह से पंजाब,

हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली को पानी मिल रहा था, वैसे ही पानी मिलना चाहिए। लेकिन, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत ने नया मुद्दा खड़ा कर लिया है। जनता इस पूरे मामले को देख रही है।

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भाखड़ा बांध से हरियाणा के हक का 8,500 क्यूसेक पानी बंद कर संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। हरियाणा को 12.55 एमएएफ (मिलियन एकड़ फीट) आवंटन के बावजूद मात्र 10.67 एमएएफ मिलता है, जबकि पंजाब 14.67 एमएएफ के बजाय 17.15 एमएएफ ले रहा है। पानी रोकना अमानवीय है।

दूसरी ओर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मानवता के आधार पर हम पहले ही हरियाणा को 4000 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दे रहे हैं। लेकिन उन्होंने इसका धन्यवाद करने की बजाय रातों–रात बीबीएमबी की बैठक बुलाकर चेयरमैन बदल दिया और 8500 क्यूसेक और पानी देने की मांग की।

हरियाणा सरकार यातायात की भीड़ को कम करने और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध : सैनी

चंडीगढ़, 06 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एनसीआर क्षेत्र में आठ नमो भारत कॉरिडोर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, जिसके तहत तीन कॉरिडोर वर्तमान में चरण–ख में कार्यान्वयन के अधीन हैं। इनमें दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ (82 किमी), दिल्ली–गुरुग्राम–एसएनबी (105 किमी) और दिल्ली–पानीपत–करनाल (136 किमी) मार्ग शामिल हैं। बैठक में हरियाणा के पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह भी शामिल हुए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने यातायात की भीड़ को कम करने, क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने और हरियाणा के शहरी और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ाने में नमो भारत कॉरिडोर (आरआरटीएस) की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को दिल्ली–एसएनबी और दिल्ली–करनाल परियोजनाओं के लिए मंजूरी में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि उनका समय पर पूरा होना सुनिश्चित हो सके। बैठक के दौरान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के एमडी श्री शलभ गोयल ने दो नमो भारत कॉरिडोर की विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत परियोजना रिपोर्टों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में बताया गया कि दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर ने 55 किलोमीटर सेक्शन पर सफल संचालन रहा है और लोगों की अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया आई है।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि नमो भारत कॉरिडोर का डिजाइन भविष्य के लिए तैयार होना चाहिए और सिस्टम की उपयोगिता बढ़ाने के लिए मेट्रो सिस्टम के साथ कुशल एकीकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने दिल्ली–गुरुग्राम–एसएनबी और दिल्ली–पानीपत–करनाल कॉरिडोर से संबंधित अलाइनमेंट , स्टेशनों और भूमि आवश्यकताओं की समीक्षा की।मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित गुरुग्राम–फरीदाबाद–नोएडा नमो भारत कॉरिडोर के अलाइनमेंट की भी समीक्षा की और अधिकारियों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए एनसीआरटीसी को आवश्यक अनुमोदन और सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि नमो भारत ट्रेन लगभग 1 घंटे में 90 किमी की दूरी तय करते हुए हाई स्पीड कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है। यह गाजियाबाद और गुरुग्राम के बीच यात्रा के समय को सड़क मार्ग से 100 मिनट से घटाकर सिर्फ 37 मिनट कर देगा। यह हरियाणा से दिल्ली हवाई अड्डे तक तेज़ और सीधी पहुँच भी प्रदान करेगा।

आने वाले समय में पंजाब के लोग आपा का सूपड़ा साफ करेंगे : नायब सिंह

चंडीगढ़, 06 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति द्वारा पानी को लेकर विवादित टिप्पणी करना गलत है। इस प्रकार के बयान देकर वे लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं। जबकि उन्हें तो पंजाब के लोगों के हित में काम करना चाहिए। लेकिन वे अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस प्रकार के बयान दे रहे हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा और पंजाब भाई–भाई हैं, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री लोगों में मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मान सरकार को किसानों के हित के लिए काम करना चाहिए। उन्हें किसानों को गारंटी देनी चाहिए कि वे उनकी फसल को एमएसपी पर खरीदेंगे। लेकिन ऐसा नहीं किया, बल्कि मान सरकार ने किसानों पर लाठी चलवाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार आम आदमी पार्टी का दिल्ली के लोगों ने सूपड़ा साफ किया है, उसी प्रकार आने वाले समय में पंजाब के लोग भी इस पार्टी का सूपड़ा साफ करने का काम करेंगे।

एमएसएमई विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कहा

बाजार मांग के अनुरूप एमएसएमई इकाइयों को तैयार रहना होगा

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों को बदलते बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहना होगा। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा एमएसएमई बेस है, इसलिए इस क्षेत्र से जुड़े युवाओं की क्षमता संवर्धन के लिए ठोस रणनीति अपनाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 'सीएम-युवा' योजना के अंतर्गत नए उद्यमियों को ऋण देने से पूर्व उन्हें विधिवत और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण अवश्य प्रदान किया जाए।

मंगलवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र के समग्र विकास, उद्यमिता के विस्तार, रोजगार सृजन और निर्यात वृद्धि के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की एमएसएमई इकाइयाँ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को गति देने के साथ-साथ बड़े उद्योगों के लिए एंकर यूनिट के रूप में भी कार्य कर रही हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयाँ सक्रिय हैं, जो राज्य के कुल निर्यात में करीब 46 प्रतिशत का योगदान कर रही हैं और 1.65 करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल', 'लोकल टू ग्लोबल' और 'ब्रांड यूपी' के मंत्र को साकार करने के लिए एमएसएमई सेक्टर को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त बनाए जाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पारंपरिक शिल्पकला, कृषि आधारित उत्पादन और नवाचार पर आधारित उद्यमशीलता को अब वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का उपयुक्त समय है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य की योजनाएं युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों और ग्रामीण समाज के आर्थिक सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर बनाई जाएं और इनकी सतत निगरानी भी सुनिश्चित हो। स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 3.21 लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया है, जबकि 56 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एक लाख वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप योजना के लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से ऋण वितरण हो। इसके लिए बैंकिंग संस्थानों से समन्वय सशक्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ऋण देने से पूर्व चयनित युवाओं को विधिवत प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वर्ष 2018-19 में जहां 7,600 कारीगरों को प्रशिक्षित कर टूलकिट वितरित की गई थी, वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 75,000 से अधिक हो गई है। मुख्यमंत्री ने योजना के कवरेज को और बढ़ाने, प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने तथा टूलकिट की उपयोगिता और मजबूती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स एमएसएमई इकाइयों के लिए एक उत्कृष्ट मॉडल है, जिसमें सीमित स्थान में बहु-इकाई औद्योगिक संचालन संभव होता है। कानपुर में इसका सफल उदाहरण देखा गया है। मुख्यमंत्री ने इस मॉडल को अन्य नगरों में विस्तार देने और निजी क्षेत्र को भी इसमें भागीदार बनाने का सुझाव दिया। सीएम फेलो के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने उनके प्रदर्शन की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत अब तक 31 हजार से अधिक आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए 760 करोड़ की मार्जिन मनी वितरित की जा चुकी है, जिससे लगभग ढाई लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना प्रदेश की पारंपरिक शिल्पकला और लघु उद्योगों के पुनर्जीवन का आधार बनी है। वर्ष 2018 से अब तक 635 करोड़ की मार्जिन मनी वितरित की जा चुकी है और लाखों लाभार्थियों को प्रशिक्षण, विपणन, डिज़ाइन और अन्य तकनीकी सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री ने ओडीओपी उत्पादों की वैश्विक ब्रांडिंग, पैकेजिंग और डिज़ाइन को और बेहतर बनाकर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में उन्हें सक्षम बनाए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश के 77 उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त है, जिससे राज्य देश में अग्रणी है। 25 अन्य उत्पादों के लिए जीआई टैगिंग प्रक्रिया प्रगति पर है। इस वित्तीय वर्ष में 75 नए उत्पादों को जीआई टैग दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीआई टैग प्राप्त उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए सम्बंधित उद्यमियों को जीआई ऑथराइज्ड यूजर के रूप में पंजीकृत किया जाए, जिससे उनके उत्पादों की विशिष्ट पहचान बनी रहे और विपणन को बल मिले

उत्तर प्रदेश के भू-अभिलेखों का होगा डिजिटल आधुनिकीकरण

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेशभर के भू-अभिलेखों को डिजिटल करने के लिए 121 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह बजट भारत सरकार के डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत स्वीकृत किया गया है। इस योजना के धरातल पर उतरने से न केवल लोगों को दस्तावेजों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी, बल्कि पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनता की सुविधा के लिए पूरे प्रदेश के भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण किया जाए।

इस योजना के अंतर्गत जमीन से जुड़े सभी अभिलेख जैसे भू-नक्शा, खतौनी और खसरा को डिजिटल माध्यम से आमजन तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी, जिसके लिए विस्तृत डाटा बैंक बनाया जाएगा। इससे भूमि से संबंधित दस्तावेज एक क्लिक में उपलब्ध हो सकेंगे। डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत भारत सरकार ने कुल 121 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। इसमें से अब तक 46 करोड़ 45 लाख रुपए जारी कर दिए गए हैं। शेष 74 करोड़ 64 लाख रुपए जल्द ही अवमुक्त किए जाएंगे।

इस परियोजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में आधुनिक अभिलेख कक्ष (मॉडर्न रिकॉर्ड रूम) की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही डीआईएलआरएमपी सेल भी गठित की जाएगी, जो इस कार्य को क्रियान्वित करेगी। इसके अलावा विशेष कंप्यूटर प्रयोगशाला और डाटा बैंक भी बनाया जाएगा। इसके जरिए भू-अभिलेखों तक आम जनता की पहुंच को आसान बनाने का मार्ग सुनिश्चित किया जा सकेगा। जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभाग ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है जिसको क्रियान्वित करने की प्रक्रिया धरातल पर उतारी जा रही है। इस कार्य को पूरा करने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के गठन की प्रक्रिया जारी है। प्रक्रिया पूरी होने पर योजना के अंतर्गत निर्धारित सभी कार्यों का निष्पादन समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हो सकेगा।

नवंबर में आयोजित होगा पहला दुधवा महोत्सव

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक धरोहरों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी स्थित दुधवा टाइगर रिजर्व में दुधवा महोत्सव कराने का निर्णय लिया है। दुधवा महोत्सव नवंबर में होगा।

यह प्रदेश का पहला आवासीय सांस्कृतिक एवं वन्यजीव महोत्सव है। तीन दिवसीय महोत्सव-25 न सिर्फ प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और जैविक समृद्धि का उत्सव होगा, बल्कि यह पर्यटकों को जंगल की गोद में प्रकृति से जुड़ने और थारू संस्कृति को करीब से जानने का मौका भी देगा। साथ ही देश की जानी मानी हस्तियों द्वारा परफॉर्मेंस भी दी जाएगी।

प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश को बहुआयामी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए नवंबर में तीन दिवसीय महोत्सव-25 का आयोजन किया जाएगा। इसमें 2,000 से अधिक पर्यटक शामिल होंगे।

महोत्सव का केंद्र सांस्कृतिक धरोहर, प्राकृतिक दृश्य, ग्रामीण पर्यटन, थारू जनजाति की विरासत, उनका खानपान, हस्तशिल्प, औषधीय ज्ञान और जीवनशैली होगा। इस दौरान पर्यटक कैम्पिंग की सुविधा का लाभ भी उठा सकेंगे। इसके लिए तीन श्रेणियों में 200 से अधिक टेंट्स स्थापित किए जाएंगे। वहीं स्थानीय थारू परिवारों के साथ होमस्टे की भी सुविधा दी जाएगा, जिससे पर्यटक ग्रामीण जीवन का वास्तविक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा पर्यटक वन्यजीव सफारी का लुत्फ उठा सकेंगे।

इस दौरान गाइडेड टूर के साथ दुधवा के जैव विविधता को देखने का अवसर मिलेगा। इतना ही नहीं महोत्सव में देश की जानी मानी हस्तियां शास्त्रीय, लोक और ग्लोबल बीट्स समेत अन्य परफॉर्मेंस देंगे। इसे तीन हिस्से में विभाजित किया गया है। इसमें मेन स्टेज, टेक्नो स्टेज और फोटोग्राफी एंड लाइफ स्टाइल जोन शामिल है। ये मंच न सिर्फ संगीत प्रेमियों और युवाओं को लुभाएंगे, बल्कि प्रकृति, फोटोग्राफी और जीवनशैली के शौकीनों को भी एक यादगार अनुभव प्रदान करेंगे।

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री ने समाजवादी पार्टी को खूब धोया

यूपी में श्रम को मिल रहा सम्मानः राजभर

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी को खूब घेरा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी भी श्रमिकों की बात कर रही है, यह सुनकर आश्चर्य हो रहा है। सपा नेता कभी छात्रों तो कभी बुंदेलखंड के किसानों को बुलाकर गुमराह करते हैं। सपा नेता आज श्रमिक संगठनों के लोगों को बुलाकर श्रमिकों को गुमराह करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। योगी सरकार के कार्यों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि नए कारखानों के सृजन, पंजीयन में देश में यूपी पहले स्थान पर है। यूपी में आज प्रतिदिन 10 नई कंपनियां पंजीकृत हो रही हैं। श्रमिकों को अपने गांव, जिले, क्षेत्र में रोजगार मिल रहा है। यूपी श्रमेव जयते के नारे के साथ बढ़ रहा है। यूपी की धरती पर आज श्रम को सम्मान मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में यूपी की योगी सरकार श्रमिकों के सम्मान के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में जो कार्य किया है, वह उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी सरकार ने श्रमिक के बच्चों के पढ़ने के लिए अटल आवासीय विद्यालय बनाया है। करोड़पति का बेटा भी वैसे स्कूल में नहीं पढ़ता होगा, जैसा स्कूल यूपी सरकार ने गरीब मजदूर के बच्चों को पढ़ने के लिए बनाया है। यूपी सरकार का संकल्प है कि श्रमिक का बच्चा श्रमिक, मजदूर का बच्चा मजदूरी न करे। यूपी सरकार उन्हें आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनाएगी और सम्मान की जिंदगी देगी।

राजभर ने कहा कि शहरों के अंदर सराय योजना लेकर आ रहे हैं। गांव-देहात से रोटी कमाने शहरों में आने वाले श्रमिकों को रहने की परेशानी होती है। सरकार शहर में उनके रहने का इंतजाम करेगी।

जिन लेबर अड्डे पर श्रमिक खड़े होते हैं, उन अड्डे को हर सुविधाओं से संपन्न किया जाएगा। यूपी सरकार मजदूरों के वेलफेयर के लिए अलग से 10 योजनाएं चला रही है। हमारी सरकार उनके बच्चों के शिक्षा की व्यवस्था कर रही है, जबकि चार बार सरकार चलाने के बावजूद सपा सरकार में ऐसा कभी नहीं दिखा, तब मजदूर व गरीब वर्ग पलायन को मजबूर होता था। हमने पलायन रोका है। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यूपी का श्रमिक सपा के असली चेहरे से वाकिफ है। सदियों से प्यासी बुंदेलखंड की धरती को यूपी सरकार सिंचित कर और जल जीवन मिशन चलाकर किसानों व माटी को नया जीवन देने का कार्य कर रही है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस के जरिए बुंदेलखंड विकास की नई धारा के साथ आगे बढ़ रहा है। राजभर ने कहा भाजपा सरकार के साथ श्रमिकों, मजदूरों का समर्थन देख सपा को घबराहट हो रही है। बिना तथ्य बात करना और नकली लोगों को अपने कार्यालय में खड़ा करके गरीबों व आमजन को गुमराह करने के संबंध में सपा की दाल गलने वाली नहीं है। अभी आयुष्मान योजना, ईएसआईसी हॉस्पिटल में श्रमिकों के इलाज की समुचित व्यवस्था की जा रही है। भाजपा सरकार में श्रमिक भाई सम्मान की रोटी कमा रहा है और बच्चों को पेट भरते हुए परिवार को आगे लेकर जा रहा है

सस्ती दरों पर बिजली खरीदेगी उत्तर प्रदेश सरकार

कैबिनेट बैठक में मिली प्रस्ताव को मंजूरी

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी और दूरदर्शी पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को 1600 मेगावाट क्षमता की तापीय परियोजना से कुल 1500 मेगावाट ऊर्जा बिड प्रॉसेस के माध्यम से 25 वर्षों तक खरीदने का निर्णय लिया गया है। बिडिंग प्रक्रिया में सबसे कम टैरिफ दर (5.38 रुपए प्रति यूनिट) की पेशकश करने वाली निजी कंपनी को परियोजना के लिए चुना गया है। इससे यूपी पावर कॉर्पोरेशन (यूपीपीसीएल) को 25 वर्षों में लगभग 2958 करोड़ रुपए की बचत होगी।

योगी सरकार की इस नई पहल से उत्तर प्रदेश को साल 2030-31 से 1500 मेगावाट बिजली बेहद सस्ती दर पर मिलने लगेगी। यह नई परियोजना मौजूदा और आगामी तापीय परियोजनाओं की तुलना में कहीं ज्यादा किफायती है। जहां जवाहरपुर, ओबरा, घाटमपुर, पनकी जैसी परियोजनाओं से बिजली 6.6 रुपए से लेकर 9 रुपए प्रति यूनिट तक मिल रही है, वहीं DBFOO के तहत प्रस्तावित इस परियोजना के तहत 2030-31 में प्लांट के कमीशन होने के बाद बिजली सिर्फ 6.10 रुपए प्रति यूनिट की दर से प्राप्त होगी।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऊर्जा की मांग को पूरा करने और उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने कुछ ऊर्जा बिडिंग प्रोसेस से खरीदने का निर्णय किया है। उसी कड़ी में 1600 मेगावाट पावर प्लांट को लेकर हम आगे बढ़े हैं।

हमारी शर्त थी कि जब यह प्लांट उत्तर प्रदेश में लगेगा तभी बिजली खरीदेंगे। प्रक्रिया के तहत जुलाई 2024 में रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन इश्यू किया था, जिसमें 7 कंपनियां आई थीं। इनमें से 5 कंपनियों ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (फाइनेंशियल बिड) में हिस्सा लिया। पांचों कंपनियों में जिस निजी कंपनी का कोटेशन सबसे लोएस्ट था उसके साथ निगोशिएशन के बाद उन्होंने फिक्स्ड चार्ज में 3.727 रुपए प्रति यूनिट और फ्यूल चार्ज में 1.656 रुपए प्रति यूनिट समेत कुल टैरिफ 5.38 प्रति यूनिट की न्यूनतम बिड पेश की, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

इसी टैरिफ पर 25 वर्षों की अवधि के लिए पावर सप्लाई एग्रीमेंट (पीएसए) हस्ताक्षरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसी निजी कंपनी ने पिछले साल अगस्त में महाराष्ट्र के साथ भी इसी प्रकार की प्रक्रिया की थी। उसकी अपेक्षा भी हमारी डील उससे कुछ सस्ती है। यही नहीं, इससे पहले भी हमारे बड़े पावर परचेज एग्रीमेंट्स हुए हैं, उसकी अपेक्षा भी मौजूदा डील सस्ती है। सार्वजनिक क्षेत्र के जो हमारे पावर प्लांट्स हैं उनकी भी बिजली का जो अनुबंध हुआ है उनकी अपेक्षा भी यह वर्तमान प्रक्रिया की बिजली काफी सस्ती पड़ेगी। उन्होंने बताया कि 2030-31 में जब पावर प्लांट तैयार होगा तब भी टैरिफ 6.10 रुपए पड़ेगा जो हमारे सार्वजनिक संयंत्रों की बिजली से सस्ता होगा। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्ययन के अनुसार, राज्य को वर्ष 2033-34 तक लगभग 10,795 मेगावाट अतिरिक्त तापीय ऊर्जा की जरूरत होगी। इसके साथ ही 23,500 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी रोडमैप तैयार किया गया है। तापीय परियोजना वित्तीय वर्ष 2030-31 में शुरू हो जाएगी। इससे न सिर्फ बेस लोड ऊर्जा की जरूरत पूरी होगी, बल्कि राज्य में उद्योगों व घरेलू उपभोक्ताओं को भी स्थिर और सस्ती बिजली मिल सकेगी।

गाय के गोबर से बने पेंट से रंगी जाएंगी यूपी की इमारतें

प्राकृतिक रंगों को बढ़ावा देने का सीएम योगी का आदेश

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पशुपालन और डेयरी विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में गौसेवा, डेयरी उद्योग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। उन्होंने सरकारी इमारतों पर गोबर आधारित प्राकृतिक पेंट के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही और डेयरी क्षेत्र को तकनीक तथा नवाचार से सशक्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के गौ संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। हालांकि, सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव इससे भड़क गए और उन्होंने कटाक्ष कसते हुए इसे गोबरनामा बताया और भाजपा का नया कारनामा करार दिया। विडंबना यह है कि यादव समाज पशुपालक रहा है। इससे पहले अखिलेश यादव ने गोबर से दुर्गंध आने की बात कही थी।

सीएम योगी ने मंडल स्तर पर स्वदेशी गायों की नस्लों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित करने और उत्कृष्ट गौ आश्रय स्थलों को सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही गाय आधारित उत्पादों का निर्माण करने वाले संगठनों के लिए नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने हेतु प्रतियोगिताएं आयोजित करने का सुझाव भी दिया। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि अब तक 40,968.29 हेक्टेयर चरागाह भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है, जिसमें से 12,168.78 हेक्टेयर भूमि को हरे चारे के उत्पादन के लिए समर्पित किया गया है। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं, जिनमें महिला स्वयं सहायता समूहों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब तक 21,884 गौसेवकों को प्रशिक्षण देकर तैनात किया गया है।

बरेली में आईएफएफसीओ, आवंला के सहयोग से जैविक खाद और गोमूत्र प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना प्रगति पर है। राज्यभर के 7,693 गौ आश्रय स्थलों में लगभग 11.49 लाख गायों को आश्रय प्रदान किया गया है, जिनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरों और नियमित निरीक्षणों के माध्यम से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने आश्रयों में पशु चिकित्सा सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराने, भूसा बैंक की स्थापना, और चारा, चोकर व पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इंटर मिलान के खिलाफ बेंच पर रहेंगे लेवांडोव्स्की, कोच हैंसी फ्लिक ने दी जानकारी

मिलान, 06 मई (एजेंसियां)।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के निर्णायक मुकाबले से पहले बार्सिलोना को बड़ी राहत मिली है। स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की पूरी तरह फिट हो चुके हैं, लेकिन कोच हैंसी फ्लिक ने साफ किया है कि वे इंटर मिलान के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत बेंच से करेंगे। पहला लेग 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था और अब दोनों टीमों के बीच अंतिम मुकाबला सैन सिरो में खेला जाएगा।

चोट से उबरकर टीम में लौटे लेवांडोव्स्की - पोलैंड के कप्तान लेवांडोव्स्की पिछले महीने सेल्टा विगो के खिलाफ मुकाबले में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए थे और पहले लेग में नहीं खेल पाए थे। लेकिन अब वो फिट हैं और बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं।

कोच फ्लिक ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, वो हमारी उम्मीद से ज्यादा तेजी से ठीक हुए हैं और बेंच पर मौजूद रहेंगे। ज़रूरत पड़ी तो हम उन्हें उतार सकते हैं।

40 गोलों वाले स्ट्राइकर की वापसी बड़ी ताकत - लेवांडोव्स्की इस सीजन में अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 40 गोल कर चुके हैं। ऐसे में उनकी वापसी से बार्सिलोना को जीत की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में इंटर को हराना होगा। फ्लिक के कोच बनने के बाद बार्सिलोना इस सीजन में चार बड़े खिताब जीतने की दौड़ में है।

ओल्मो बोले - हम सब कुछ जीतना चाहते हैं - बार्सिलोना के मिडफील्डर दानी ओल्मो ने कहा, मैंने सोचा था कि हम इस मुकाम तक आएंगे। हम हर खिताब जीतना चाहते हैं और हमारे पास ऐसा करने वाली टीम भी है। ओल्मो ने यह भी कहा कि अगर इंटर की टीम लमिन यमाल पर फोकस करेगी, तो बार्सिलोना के अन्य खिलाड़ी मौके का फायदा उठाएंगे।

यमाल फिर मचाएंगे तहलका - 17 वर्षीय यमाल ने पिछले मुकाबले में इंटर की डिफेंस को काफी परेशान किया था। उन्होंने एक शानदार गोल किया और दो बार पोस्ट से भी टकराए। इंटर के कोच सिमोने इनज़ाघी ने माना कि यमाल को स्पेशल अटेंशन दी जाएगी, लेकिन ओल्मो ने कहा कि इससे बार्सिलोना की योजना नहीं बदलेगी।

फाइनल में पहुंचेगी विजेता टीम - मंगलवार को होने वाला यह मुकाबला तय करेगा कि फाइनल में म्यूनिख में कौन पहुंचेगा। वहां विजेता टीम का सामना आर्सेनल या पेरिस सेंट जर्मेन में से किसी एक से होगा।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2025: कगिसो रबाडा अब चयन के लिए उपलब्ध, गुजरात टाइटंस ने की पुष्टि

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक महीने के निलंबन के बाद अब आईपीएल में वापसी के लिए तैयार हैं। गुजरात टाइटंस ने सोमवार शाम बयान जारी कर पुष्टि की कि रबाडा अब चयन के लिए पूरी तरह उपलब्ध हैं। रबाडा ने एसए 20 के दौरान एक प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के चलते दक्षिण अफ्रीकी डोपिंग निरोधक संस्था (एसएआईडीएस) द्वारा लगाए गए एक महीने के अस्थायी निलंबन को स्वीकार किया था। उन्होंने न केवल अपनी गलती मानी, बल्कि एक विशेष कार्यक्रम भी पूरा किया। एसएआईडीएस की जांच पूरी होने के बाद अब वे आईपीएल के बाकी मुकाबलों के लिए चयन योग्य हैं। विक्रम सोलंकी ने किया रबाडा का समर्थन गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने रबाडा का पूरा समर्थन करते हुए कहा, यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपने खिलाड़ियों का साथ दें, चाहे वह फॉर्म हो या व्यक्तिगत मुद्दे। रबाडा ने स्पष्ट रूप से बताया कि वे इस घटना से किसी को विचलित नहीं होने देना चाहते। उन्होंने यह भी कहा कि रबाडा ने अपनी गलती से सबक सीखा है और अब पूरी तरह क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं।

प्रभसिमरन की बल्लेबाजी से बीमार पिता को मिल रही खुशी

नई दिल्ली। आईपीएल में इस बार पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। पिछले मैच में प्रभसिमरन ने लखनऊ सुपरजायंटस के खिलाफ 48 गेंदों में 91 रनों की आक्रामक पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। प्रभसिमरन ने अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों के साथ ही अपने बीमार पिता को भी खुशी दी है। उसके पिता सुरजीत सिंह किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं। प्रभसिमरन ने इस सत्र में अब तक 11 पारियों में 170 के स्ट्राइक रेट से 437 रन बनाए हैं, जिसमें कई अहम पारियां शामिल हैं। उसके पिता जब भी उसे बल्लेबाजी करते देखते हैं, उनके चेहरे पर चमक आ जाती है1 प्रभसिमरन ने हाल ही में कहा था, हर क्रिकेटर का सपना होता है भारतीय टीम की ओर से खेलना होता है और मेरा भी यही सपना है। मैं लगातार अभ्यास कर रहा हूं जिससे एक दिन भारतीय टीम से खेल सकूं। प्रभसिमरन की बल्लेबाजी देखते हुए लग रहा है कि उन्हें शीघ्र ही भारतीय टीम में जगह मिल जाएगी। प्रभसिमरन साल 2019 के आईपीएल सत्र में 60 लाख रुपये में पंजाब किंग्स से जुड़े थे। साल 2022 की नीलामी में पंजाब ने उन्हें फिर से 60 लाख रुपये में खरीदा। वहीं आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी से पहले प्रभसिमरन को पंजाब किंग्स ने 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। प्रभसिमरन ने साल 2023 के आईपीएल सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से 65 गेंदों पर 103 रन बनाये थे।

आईपीएल के इस सत्र में छक्के मारने में अव्वल रही राजस्थान रॉयल्स

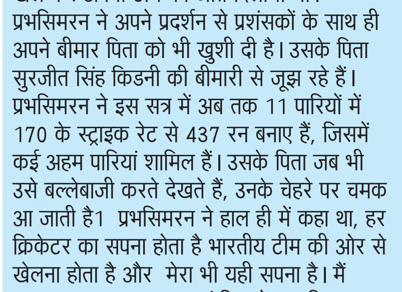

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है पर अभी तक सबसे अधिक छक्के मारने के मामले में वह पहले नंबर पर है। रॉयल्स ने अभी तक खेले 12 मैचों में 123 छक्के लगाये हैं और इस सत्र की सबसे ज्यादा छक्के मारने वाली टीम बनी हुई है। यह प्रदर्शन बताता है कि भले ही टीम अंक तालिका में पिछड़ गई हो, लेकिन बल्लेबाजों ने निडर होकर खेला। वहीं सबसे अधिक छकके लगाने में दूसरे नंबर पर पंजाब किंग्स है, जिसने 11 मैचों में 114 छक्के लगाए हैं। पंजाब की टीम अभी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। किन उनके बल्लेबाजों का आक्रामक अंदाज प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। वहीं तीसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने 11 मैचों में 111 छक्के लगाये हैं और वह प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। चौथे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जो अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही है लेकिन छक्कों के मामले में पीछे है। उसके नाम अब तक 96 छक्के हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में देसी खेल खो-खो बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 में देसी खेल खो-खो ने एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत की है। 5 मई से बिहार के बोधगया स्थित बीआईपीएआरडी ग्राउंड में शुरू हुए खो-खो मुकाबलों को देखने के लिए सैकड़ों स्कूली छात्र मैदान में उमड़ पड़े। इस टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों की 8-8 टीमों सहित कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो 9 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इन खेलों का आयोजन बिहार के पांच शहरों पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय में 15 मई तक किया जा रहा है। खो-खो मुकाबले 5 से 9 मई तक बोधगया में दो इनडोर मैट कोर्ट पर खेले जा रहे हैं।

बढ़ते उत्साह के साथ वैश्विक मंच की ओर खो-खो

खो-खो को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में यह आयोजन एक अहम कदम है। हाल ही में हुए वेव्स समिट 2025 में इस दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया गया था। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के लगभग 40 तकनीकी अधिकारी टूर्नामेंट के संचालन में जुटे हैं। इस आयोजन में कुल लगभग 240 खिलाड़ी, 16 कोच और 16 टीम मैनेजर शामिल हैं।

खेल को मिल रहा संस्थागत समर्थन

देशभर के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खो-खो सहित अन्य खेलों में प्रतिभाओं को तराशने का कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय और कॉलेज खेल कोटे के तहत खो-खो खिलाड़ियों को प्रवेश दे रहे हैं। सरकारी नौकरियों में भी खो-खो खिलाड़ियों को उपलब्ध अवसरों ने युवाओं को इस खेल की ओर आकर्षित किया है।

लड़कों और लड़कियों की टीमों में कांटे की टक्कर

लड़कों के वर्ग में:

- ग्रुप ए: उत्तर प्रदेश, पंजाब, ओडिशा, बिहार
- ग्रुप बी: महाराष्ट्र, कर्नाटक, दिल्ली, आंध्र प्रदेश

लड़कियों के वर्ग में:

- ग्रुप ए: महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार
- ग्रुप बी: कर्नाटक, ओडिशा, दिल्ली, तमिलनाडु

सेमीफाइनल 8 मई और फाइनल 9 मई को खेले जाएंगे।

देसी खेलों को वैश्विक पहचान देने की दिशा में पहल

खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, हाल के वर्षों में खो-खो ने बड़ी लोकप्रियता हासिल की है। यह एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में उभर रहा है जो युवाओं को खूब आकर्षित कर रहा है।

केआईवाईजी जैसे मंच इस देसी खेल को आगे बढ़ाने और भारत की सॉफ्ट पावर को दुनिया के सामने पेश करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

28 खेलों में हो रही है प्रतिस्पर्धा

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 10,000 खिलाड़ी और वालंटियर हिस्सा ले रहे हैं। कुल 28 खेलों में मुकाबले हो रहे हैं, जिनमें ओलंपिक, नॉन-ओलंपिक और पारंपरिक देसी खेल जैसे खो-खो, मल्लखंभ, कलारिपयट्टू और थांग-टा शामिल हैं। शूटिंग, जिम्नास्टिक और ट्रैक साइक्लिंग की स्पर्धाएं नई दिल्ली में आयोजित की जाएंगी।

पिछला संस्करण खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2024 तमिलनाडु में आयोजित हुआ था जिसमें 5,600 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज ने घोषित की वनडे टीम, आमिर जंगू और ज्वेल एंड्रयू को मिला मौका

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए सोमवार को 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में अधिकतर वही खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने दिसंबर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया था। हालांकि, आईपीएल में व्यस्त शिमरोन हेटमायर इस दौरे पर नहीं होंगे, जबकि युवा बल्लेबाज़ ज्वेल एंड्रयू की टीम में वापसी हुई है।

शाई होप संभालेंगे कप्तानी, आमिर जंगू पर रहेंगी निगाहें

टीम की कमान एक बार फिर शाई होप के हाथों में होगी। ब्रैंडन किंग और एविन लुईस के ओपनिंग करने की संभावना है, वहीं कीसी कार्टी नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। आमिर जंगू, जिन्होंने सेंट किट्स में अपने डेब्यू मैच में 79 गेंदों में शानदार शतक जड़ा था, इस बार नियमित स्थान पाने की उम्मीद करेंगे।

फिट होकर लौटे शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड

बांग्लादेश सीरीज से बाहर रहने वाले शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड अब पूरी तरह फिट हैं और टीम में लौट आए हैं। तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में अल्ज़ारी जोसेफ, जेडन सील्स और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

2027 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की तैयारी

वेस्टइंडीज की टीम फिलहाल आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और 2027 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने की कोशिश में जुटी है। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज 21 मई से डबलिन में शुरू होगी, जिसके बाद इंग्लैंड में 29 मई से तीन वनडे और फिर टी20 सीरीज खेली जाएगी।

मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा, बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद टीम में निरंतरता का विकास दिख रहा है। आयरलैंड और इंग्लैंड की परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन हमारी क्रिकेट शैली और सोच वर्ल्ड कप की दिशा में आगे बढ़ रही है।

कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव

वेस्टइंडीज ने अपने कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया है। पूर्व तेज़ गेंदबाज़ रवि रामपॉल को जेम्स फ्रैंकलिन की जगह गेंदबाज़ी कोच बनाया गया है।

डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब द्वारा प्रायोजित

मैसराम-ए ने बरकस फुटबॉल गोल्ड कप पर कब्जा जमाया

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हज़ारों उत्साही दर्शकों की मौजूदगी में एक रोमांचक फाइनल मैच में, मैसराम ए बरकस फुटबॉल गोल्ड कप टूर्नामेंट में विजयी रही। जिसने चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया और साथ ही 30,000 का नकद पुरस्कार भी जीता। उपविजेता टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और उसे 20,000 का नकद पुरस्कार दिया गया।

रोमांचक फाइनल में मैसराम ए ने मैसराम बी को 2-1 से हराकर बरकस फुटबॉल गोल्ड कप 2025 पर कब्ज़ा कर लिया। मैसराम ए के लिए शेख अबू बकर और बावजर ने गोल किए, जबकि मैसराम बी के लिए एकमात्र गोल इस्माइल बरशीद ने किया।डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हबीब मोसिन अल हमीद ने विजेता टीम मैसराम-ए को विजेता ट्रॉफी प्रदान की।पूरे क्षेत्र से बेहतरीन फुटबॉल प्रतिभाओं को दिखाने वाले इस टूर्नामेंट का समापन एक बेहद रोमांचक फाइनल में हुआ, जिसने प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया और बरकस समुदाय को खेल के जश्न में एक साथ ला खड़ा किया। टीम पुरस्कारों के अलावा, व्यक्तिगत खिलाड़ियों को पूरे टूर्नामेंट में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए पदक और अतिरिक्त नकद पुरस्कार दिए गए।इस आयोजन की सफलता डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हबीब मोहसिन अल हमीद के उदार प्रायोजन से संभव हुई। हबी मोसिन अल हमीद, जिन्हें लगभग तीन दशकों से बरकास में खेल आयोजनों की रीढ़ माना जाता है, ने एक बार फिर जमीनी स्तर के खेलों को पोषित करने और बढ़ावा देने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। उनके लंबे समय से चले आ रहे समर्थन ने अनगिनत युवा एथलीटों को अपने कौशल विकसित करने और पहचान हासिल करने में मदद की है। मैसराम फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष महमूद अवलकी के नेतृत्व में टूर्नामेंट का सावधानीपूर्वक आयोजन किया गया, जिनके मार्गदर्शन और खेल के प्रति जुनून ने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन समिति में मोहम्मद बाकरा, यूनुस बल्लासा (कोच, मैसराम एफसी) और सईद बंदेली (ग्राउंड पर्यवेक्षण समिति प्रभारी) शामिल थे। ये सभी ने सुचारू संचालन और पेशेवर रूप से प्रबंधित कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। इस आयोजन में तीन दिवसीय लीग प्रारूप का पालन किया गया, जिसमें 16 प्रतिस्पर्धी टीमों ने भाग लिया, जिसमें रोमांचक मैच खेले गए, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और क्षेत्र में मौजूद अपार फुटबॉल प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया।फाइनल मैच सिर्फ़ एक प्रतियोगिता से कहीं बढ़कर था - यह सामुदायिक भावना, खेल कौशल और युवा सशक्तिकरण का उत्सव था। बरकास और आस-पास के क्षेत्रों से आए दर्शकों ने आयोजन स्थल को भर दिया, जिससे एक जीवंत और जोशीला माहौल बना, जिसने क्षेत्र के फुटबॉल के प्रति गहरे प्रेम को रेखांकित किया।इस टूर्नामेंट ने एक बार फिर समुदाय के नेतृत्व वाली खेल पहलों के महत्व और अल हामेद जैसे दूरदर्शी नेताओं के निरंतर समर्थन के महत्वपूर्ण प्रभाव को उजागर किया है। इस तरह के आयोजन न केवल युवा प्रतिभाओं के लिए एक मंच प्रदान करते हैं, बल्कि युवाओं के बीच एकता, गौरव और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देते हैं।

माता-पिता और वरिष्ठों के सहयोग से सुजाता कुजूर की नजर ओलंपिक खेलों पर

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

ओडिशा के सुंदरगढ़ की गलियों से निकली 21 वर्षीय डिफेंडर सुजाता कुजूर अब भारतीय महिला हॉकी टीम के सीनियर कैम्प का हिस्सा बन चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीनियर टीम के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा पूरा किया, जो कि हॉकी की दुनिया में सबसे चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले टूर में से एक है।

अपने पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे को याद करते हुए सुजाता ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत ही खास अनुभव रहा। सीनियर टीम के साथ पहली बार खेलने का मौका मिला, जहां थोड़ा दबाव भी महसूस हुआ, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को मिला। खासकर यह कि वो ट्रेनिंग और मैचों को कैसे लेते हैं।

उन्होंने आगे कहा, सीनियर खिलाड़ी बेहद सहयोगी और प्रेरणादायक रहे। उन्होंने मुझे समझाया कि बेवजह का दबाव लेने की जरूरत नहीं है, बस अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान दो। सबने मुझे बहुत सपोर्ट किया।

टूटी चप्पल, उधार का स्टिक, लेकिन हौसला कभी नहीं टूटा

सुजाता की हॉकी यात्रा आसान नहीं रही। दीप ग्रेस एका को अपना आदर्श मानने वाली सुजाता ने मात्र 10 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन उनके जज़्बे में कोई कमी नहीं आई।

उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, शुरुआत में मेरे पास न स्टिक थी, न ही जूते। टीम के बाकी खिलाड़ियों से उधार लेकर खेलती थी। कई बार फटे जूतों की वजह से नंगे पांव भी खेला, लेकिन कभी रुकने का मन नहीं किया।

तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी सुजाता को अपने परिवार से हमेशा समर्थन मिला। उन्होंने बताया, मेरे माता-पिता ने कभी यह नहीं कहा कि हॉकी मत खेलो। उन्होंने हमेशा कहा—जो करना है, दिल से करो और मेहनत मत छोड़ो।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने की खुशी आज भी उनकी आंखों में चमकती है। उन्होंने कहा, जब मेरा चयन हुआ, तो पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। मैं तो खुद यकीन नहीं कर पाई, क्योंकि हाल ही में नेशनल कैम्प में शामिल हुई थी। यह हम सबके लिए गर्व का क्षण था।

ओलंपिक में खेलने का सपना, भारत का नाम रोशन करने की चाहत

सुजाता ने पर्थ में खेले गए फ्रेंडली मुकाबलों में भारत की ओर से अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की है। अब उनका अगला लक्ष्य ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करना है। उन्होंने आत्मविश्वास से कहा, मेरा सपना है कि मैं भारत के लिए और भी मैच खेलूं। ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम इंडिया का हिस्सा बनूं और देश का नाम रोशन करूं।

राष्ट्रीय कर सम्मेलन में सरल कर कानूनों की मांग, आयकर विधेयक 2025 पर हुई चर्चा

कोलकाता, 06 मई (एजेंसियां)। पुणे में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कर सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कर कानूनों को सरल और आम जनता के लिए सुगम बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) समेत कई कर (टैक्स) संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। एआईएफटीपी के पूर्व अध्यक्ष नारायण जैन ने सम्मेलन के दौरान कहा कि करदाताओं के बेहतर अनुपालन के लिए मौजूदा कानूनों को सरल बनाना आवश्यक है। उन्होंने डॉ. गिरीश आहूजा के साथ आयकर विधेयक 2025 पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। इस दौरान बताया गया कि नया विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की मूल भावना को बनाए रखते हुए अनावश्यक प्रावधानों को हटाकर, धाराओं को फिर से क्रमबद्ध करता है। इससे करदाताओं के लिए समझना आसान होगा। उद्घाटन सत्र में एआईएफटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कर पेशेवरों का स्वागत करते हुए संगठन की उपलब्धियों और कार्यक्षेत्र की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन के 11 हजार से अधिक सदस्य हैं और यह देशभर में कर (टैक्स) शिक्षा और जागरूकता के लिए लगातार काम कर रहा है। सम्मेलन में जीएसटी, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था, भारतीय न्याय संहिता से जुड़े प्रावधानों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और सहकारी क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

टीसीएस ने 70 फीसदी कर्मचारियों को दिया 100 प्रतिशत त्रैमासिक परिवर्तनीय भत्ता

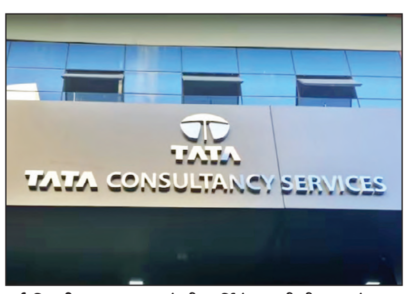

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने 70 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को त्रैमासिक परिवर्तनीय भत्ता (क्यूवीए) का भुगतान किया है। टीसीएस का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा 1.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 12,224 करोड़ रुपये और कुल राजस्व सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 64,479 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने इस तिमाही में 625 कर्मचारियों को नियुक्त किया जिससे इसके कुल कर्मचारियों की संख्या छह लाख से अधिक हो गई है। इससे पहले टीसीएस ने कहा था कि वह शुल्क मुद्दों से उत्पन्न व्यावसायिक अनिश्चितताओं के कारण अपने 6.07 लाख कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि को स्थगित करेगी। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी ने वार्षिक वेतन वृद्धि में देरी के लिए व्यावसायिक अनिश्चितताओं का हवाला दिया था। वेतन वृद्धि आमतौर पर अप्रैल से शुरू होती है। हालांकि, उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी कि कंपनी वेतन वृद्धि की घोषणा अब कब करेगी।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर किया 6.3 प्रतिशत

नई दिल्ली। मूडीज ने मंगलवार को 2025 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान कम कर दिया। इसके मुताबिक भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत कर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी ने उदाहरण के रूप में अमेरिकी नीति अनिश्चितता और व्यापार प्रतिबंधों के कारण वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव का निरीक्षण किया। मूडीज ने अपने ग्लोबल मैक्रो आउटलुक 2025-26 में सुझाव दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के चलते भू-राजनीतिक तनावों से इसके आधारभूत वृद्धि पूर्वानुमान पर नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। इसी बारे में मूडीज ने निवेशकों और व्यवसायों को चेताया कि नए भू-राजनीतिक विन्यासों के साथ निवेश करने की आवश्यकता है। मूडीज के मुताबिक भारत की वृद्धि अनुमानों को 2025 के लिए 6.3 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा गया है। यह अंक 2024 के 6.7 प्रतिशत से कम है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विशेष दरों कम करने से वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव हो सकता है। अमेरिका और चीन के मामले में भी मूडीज ने वृद्धि अनुमानों में कमी का संकेत दिया है ।

ईपीएफओ बीएसएनएल और एमटीएनएल से जमीन खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) से जमीन और इमारतें खरीदने की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य बढ़ते सब्सक्राइबर बेस को ध्यान में रखकर पूंजीगत ढांचे को मजबूत करना है। 28 फरवरी को हुई ईपीएफओ की सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक में, श्रम और रोजगार मंत्री और बोर्ड के चेयरमैन ने सरकार के स्तर पर संपत्तियों को प्राप्त करने के लिए दूरसंचार विभाग से सहायता की मांग की। ईपीएफओ की योजनाबद्ध रणनीति के तहत, वे बीएसएनएल और एमटीएनएल के साथ सक्रिय रूप से मिलकर इमारतें खरीदने की कार्रवाई में लिए जा रहे हैं। ईपीएफओ के अनुसार उन्होंने चेयरमैन के निर्देशों के अनुसार दूरसंचार विभाग से सहायता मांगी है ताकि संपत्तियों की सूची तैयार की जा सके और ये प्रयास तेजी से लागू किए जा सकें। दूरसंचार विभाग से सहायता मांगी है ताकि संपत्तियों की सूची तैयार की जा सके बीएसएनएल ने अपनी 5,208 खाली जमीन और इमारतों की सूची बनाई है और अन्य संपत्तियां भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इस कार्य में अब ईपीएफओ ने मार्च 2023 में शुरुआत की है। ईपीएफओ की योजना के तहत, उनका लक्ष्य अपनी भौतिक अवसंरचना को मजबूत करना है ताकि वे बढ़ते सब्सक्राइबर बेस को पूरी तरह से संतुष्ट कर सकें। यह कदम ईपीएफओ के विकास में महत्वपूर्ण है और एक नई मील का पत्थर साबित हो सकता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में खरीदारी का जोर

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

टैरिफ को लेकर बनी अनिश्चितता और अमेरिका में फैक्ट्री आउटपुट के पिछले 9 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच जाने के कारण वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान दबाव स्थिति बनी रही। इसके साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व की होने जा रही बैठक के पहले बाजार सतर्क मुद्रा में कारोबार करता रहा, जिसके कारण एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.64 प्रतिशत टूट कर 5,650.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 133.49 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,844.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.10 प्रतिशत फिसल कर 41,178.42 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। सीएसी इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,727.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 257.89 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,344.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। लंदन स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान एफटीएसई इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स और कोस्पी इंडेक्स में छुट्टी होने की वजह से कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,508 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत लुढ़क कर 1,194.60 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,897.86 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,309.95 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 154.30 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,658.98 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.26 प्रतिशत उछल कर 20,585.98 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,858.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कॉरपोरेट मामलों में जेनसोल इंजीनियरिंग और ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी की जांच का आदेश

नई दिल्ली। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कंपनी कानून के कथित उल्लंघन के संबंध में मंगलवार को जेनसोल इंजीनियरिंग और ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के मामलों की जांच का आदेश दिया है। जेनसोल इंजीनियरिंग में धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के लिए नियामक जांच के दायरे में है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल में एक आदेश पारित कर कंपनी के प्रवर्तकों को विभिन्न उल्लंघनों के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 210 के तहत कंपनियों के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। मंत्रालय को धारा 210 के तहत जनहित सहित विभिन्न आधारों पर किसी कंपनी के मामलों की जांच का आदेश देने का अधिकार है। इससे पहले मंत्रालय ने कहा था कि वह सेबी के आदेश की समीक्षा करने के बाद मामले में आवश्यक कार्रवाई करेगा। सेबी ने 15 अप्रैल को जेनसोल के प्रवर्तक के खिलाफ आदेश जारी किया था। इन प्रवर्तकों पर आरोप है कि उन्होंने अपनी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से ऋण राशि को निजी उपयोग के लिए गबन किया है।

रिलायंस की डिजिटल कंपनी जियो प्लेटफार्म जल्द लाएगी आईपीओ

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। रिलायंस की डिजिटल कंपनी जियो प्लेटफार्म के जल्द आईपीओ प्रक्रिया शुरू करने की संभावना है। विश्लेषकों के मुताबिक कंपनी की एंटरप्राइज वैल्यू करीब 136 बिलियन डॉलर से 154 बिलियन डॉलर के बीच आंकी गई है। यह वैल्यूएशन इसे दुनिया की छठी सबसे बड़ी लिस्टेड टेलीकॉम कंपनी के बराबर लाता है।

जियो ने सितंबर 2016 में अपनी टेलीकॉम सर्विस शुरू की थी और इतने कम समय में यह मुकाम हासिल करना इसे दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली टेलीकॉम कंपनियों में शामिल करता है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्मों गोल्डमैन सैक्स और जेफरीज के हालिया अनुमान के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और टेलीकॉम यूनिट जियो प्लेटफॉर्म्स की वैल्यूएशन अगर 154 अरब डॉलर तक पहुंचती है, तो यह भारत की टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल को पीछे छोड़ देगी और दुनिया की छठी सबसे मूल्यवान टेलीकॉम कंपनी बन जाएगी।

जियो ने सितंबर 2016 में अपनी टेलीकॉम सर्विस शुरू की थी

इस वैल्यूएशन पर जियो, कॉमकास्ट, चाइना टेलीकॉम, एनटीटी, सॉफ्टबैंक, सऊदी टेलीकॉम, अमेरिका मोबाइल और सिंगापुर टेलीकॉम जैसी दिग्गज कंपनियों को भी पीछे छोड़ देगी। फिलहाल भारती एयरटेल का मार्केट कैप 131.34 अरब डॉलर है और वह छठे स्थान पर है।

एथर एनर्जी का आईपीओ कमजोर रिटर्न के साथ लिस्ट

नई दिल्ली । ईवी स्कूटर बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी के शेयर एक कमजोर रिटर्न के साथ मंगलवार को शेयर बाजार में लिस्ट हुए। एनएसई पर एथर एनर्जी के शेयर 328 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए। इस आईपीओ के इश्यू प्राइस से अधिक मामूली प्रीमियम मिला है, जो ग्रे मार्केट की उम्मीदों से कम है। निवेशकों को हर शेयर मिला 7 रुपए का फायदा पहले से ही एथर एनर्जी के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में बिक रहे थे। इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने में निवेशकों की दिलचस्पी कम रही थी। पब्लिक इश्यू को कुल मिलाकर 1.50 गुना सब्सक्राइब किया गया। रिटेल निवेशकों ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई, जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की भी हिस्सेदारी रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

साख पर संकट...

इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में विभाजन से पहले के एक पुश्तैनी घर में भी उनकी हिस्सेदारी है। जस्टिस गवई को महाराष्ट्र के अमरावती में एक घर के अलावा मुंबई और दिल्ली में आवासीय अपार्टमेंट भी मिले हैं। उन्हें अमरावती और नागपुर में एग्रीकल्चर लैंड भी विरासत में मिली है। उन्होंने 1.3 करोड़ रुपए की देनदारी भी घोषित की है।जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका 24 मई को रिटायर होने वाले हैं। उनकी सम्पत्तियों में पीपीएफ में 92.35 लाख रुपए, एफडी में 21.76 लाख रुपए, 2022 मॉडल की मारुति बलेनो कार और 5.1 लाख रुपए का कार लोन शामिल है। जस्टिस विक्रम नाथ ने नोएडा में 2-बीएचके अपार्टमेंट, इलाहाबाद में एक बंगला और उत्तर प्रदेश में विरासत में मिली एग्रीकल्चर लैंड की घोषणा की है। इसके अलावा उनके पास 1.5 करोड़ रुपए का इंवेस्टमेंट भी है।वेबसाइट के अनुसार जस्टिस सूर्यकांत के पास चंडीगढ़, गुरुग्राम और दिल्ली में अपनी पत्नी के साथ संयुक्त तौर पर रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी है। उनके इन्वेस्टमेंट में 31 एफडी रसीद शामिल हैं। इनमें ब्याज भी शामिल है। इनकी कुल कीमत 6.03 करोड़ रुपए है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी के पास अहमदाबाद के गुलबाई टेकरा स्थित दीप्ति बैंक ऑफ इंडिया सोसायटी में एक घर है। इसके अलावा नीतिबाग जजेज कोऑपरेटिव सोसायटी, अहमदाबाद में भी एक घर है। उनके पास 60 लाख रुपए म्यूचुअल फंड में, 20 लाख रुपए पीपीएफ में, इसके अलावा 50 लाख रुपए के गहने और 2015 मॉडल की मारुति स्विफ्ट कार है। जस्टिस सुधांशु धूलिया के पास 2008 मॉडल की मारुति जेन एस्टिलो कार है। यह इस समय इस्तेमाल में नहीं है। वह देहरादून में बेकार पड़ी है। उनकी प्रॉपर्टी लिस्ट में लिखा है कि यहां बताई गई सभी अचल सम्पत्तियां मेरे जज बनने से पहले की हैं और इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

पहलगाम हमले ...

वह सिर्फ दिखावा करता है और दुनिया उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लेती है और न ही उसके परमाणु हथियार और सिंधु जल समझौते के निलंबन पर हमले की धमकी का भारत पर कोई असर होता है।

अकबरुद्दीन ने कहा, बहुपक्षीय संगठनों का इस्तेमाल करके दुनिया का ध्यान आकर्षित करने का पाकिस्तान का प्रयास नया नहीं है। हमने इसे कई बार देखा है। इस बार उसने 60 वर्षों में पहली बार एक ऐसे एजेंडा पेश करने की कोशिश की, जिस पर पहले कभी चर्चा नहीं हुई थी। वह है भारत-पाकिस्तान सवाल। भारत-पाकिस्तान सवाल पर आखिरी बार औपचारिक चर्चा 1965 में हुई थी। पाकिस्तान ने सोचा कि इसके जरिए वह भारत-पाकिस्तान के मुद्दे को फिर से अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाकर चर्चा का विषय बना सकता है। लेकिन यह केवल एक दिखावा था। पूर्व राजनयिक ने कहा, पाकिस्तान सार्वजनिक कूटनीति पर ज्यादा फोकस करता है। असल में वह इन मंचों का उपयोग अपने देश की छवि को सुधारने के लिए के लिए करता है, न कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर वार्ता के लिए। इसलिए उसका प्रयास विफल हो गया। दिखावा काम नहीं आया। सुरक्षा परिषद ने उसके मामले को स्वीकार ही नहीं किया। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है, जो महीनों से 15 देशों के साथ मिलकर इस मुद्दे पर काम कर रहा था। फिर पता चला कि जो वह चाहता है, उसे स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

युद्ध से बचाव...

देशभर में कल राष्ट्रव्यापी सुरक्षा तैयारी अभ्यास किया जाएगा। अभ्यास मुख्य रूप से हवाई हमले के सायरन और ब्लैकआउट जैसी स्थितियों की तैयारी पर केंद्रित होगा। मंगलवार को गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में हुई बैठक में 2010 में अधिसूचित 259 नामित नागरिक सुरक्षा जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया। राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर जैसे सीमावर्ती राज्यों में स्थित इन जिलों को अभ्यास करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक सक्रिय हैं। ये नियमित रूप से यातायात और भीड़ प्रबंधन सहित नागरिक कर्तव्यों में लगे रहते हैं। भारत की नागरिक सुरक्षा प्रणाली मुख्य रूप से स्वैच्छिक आधार पर संचालित होती है, जिसे वेतनभोगी कर्मियों के एक छोटे से समूह की ओर से नियंत्रित किया जाता है। आपात स्थिति के दौरान इसे बढ़ाया जाता है।2010 में गृह मंत्रालय की ओर से संशोधित की गई मॉक ड्रिल वाले जिलों की सूची में राज्यवार संवेदनशीलता के आधार पर जिलों को बांटा गया है। देश के 25 राज्यों के कुल 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को एक से तीन श्रेणी के बीच रखा गया है। दरअसल, गृह मंत्रालय ने देश के कुल 35 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट की सूची तैयार की थी। हालांकि, सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को सामान्य प्रशासनिक जिले नहीं कहा जा सकता। उत्तर प्रदेश में ऐसे कुल 19 जिले हैं। इनमें कानपुर, लखनऊ, मथुरा जैसे प्रशासनिक जिले और बख्शी का तालाब, सरवासा जैसे स्थान भी हैं, जो लखनऊ और सहारनपुर में हैं। यहां एयरफोर्स स्टेशन हैं।गृह मंत्रालय में हुई बैठक में देशभर के 244 नागरिक सुरक्षा प्रतिष्ठानों की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा इस बात पर केंद्रित है कि मौजूदा उपकरण काम कर रहे हैं या उनकी मरम्मत की आवश्यकता है। यह भी देखा जा रहा है कि आपातकालीन हालात में नागरिकों को कैसे प्रशिक्षित किया जाए। हवाई हमले के सायरन के प्रति जनता की प्रतिक्रिया, ब्लैकआउट के दौरान की जाने वाली कार्रवाई और आवश्यक आपूर्ति की तैयारियों पर भी बात की गई। अधिकारियों ने संभावित इलेक्ट्रॉनिक विफलता के लिए तैयार रहने के लिए घरों में चिकित्सा किट, मशालें, मोमबत्तियां और नकदी रखने की जरूरत पर जोर दिया।

जब तक इस्लाम है ...

नहीं मिलेगी। तस्लीमा नसरीन ने कहा, जब तक इस्लाम जीवित रहेगा, फूल मुरझाते रहेंगे, बच्चे मरते रहेंगे, लाखों मरे हुए कबूतर की तरह गिरते रहेंगे। इस्लाम की कोख से नफरत पैदा होती रहेगी, बदसूरत राक्षस पैदा होते रहेंगे। दिल्ली साहित्य महोत्सव में अपने विचार रखते हुए तस्लीमा नसरीन ने कहा कि इस्लाम पिछले 1400 सालों में थोड़ा भी नहीं बदला इसलिए बच्चों को सिर्फ धार्मिक किताबें पढ़ाना बेहद खतरनाक है। तस्लीमा नसरीन ने भारत को अपना घर बताते हुए कहा कि जब वो यूरोप या अमेरिका में रहीं तो हमेशा पराई रहीं, लेकिन जब कोलकाता आईं तो लगा कि जैसे अपने घर लौटी हैं।इस्लामी कट्टरता, महिला अधिकार, मानवाधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक इस्लाम जीवित रहेगा, कोई भी राज्य सभ्य नहीं बन पाएगा, कट्टरता हावी रहेगी। यूनिफॉर्म सिविल कोड का समर्थन करते हुए तस्लीमा नसरीन ने कहा कि भारत, बांग्लादेश जैसे देशों में सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून होना चाहिए। मदरसों की शिक्षा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को संपूर्ण ज्ञान यहां नहीं मिल सकता।तस्लीमा नसरीन ने कहा कि 2016 के ढाका हमले में मुसलमानों को इसलिए मार दिया गया क्योंकि वे कलमा नहीं पढ़ पाए थे। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में भी आतंकवादियों ने पर्यटकों को कलमा पढ़ने के लिए कहा। जब आस्था को तर्क और मानवता पर हावी होने दिया जाता है, तो यही होता है।

पाकिस्तान की...

भारतीय वित्त मंत्री ने एडीबी के अध्यक्ष मासातो कांडा से भी भेंट की और उनसे कहा कि पाकिस्तान को कोई फंडिंग न दी जाए क्योंकि वह आतंकवाद का प्रायोजक है और पहलगाम हमले का दोषी है।22 अप्रैल के पहलगाम हमले को भारत ने बहुत गंभीरता से लेते हुए विश्व के अनेक देशों के साथ परामर्श किया है और उस आधार पर पाकिस्तान के संदर्भ में व्यवहार किया है। पाकिस्तान कितना भी मुकरे पर सच यही है कि उसने हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे कई आतंकवादियों के सरगनाओं को पाल रखा है। पाकिस्तान ने आतंकवाद को राज्यनीति बना रखा है और कश्मीर में अस्थिरता फैलाए रखना ही उसका एकमात्र एजेंडा है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने राजनयिक संबंध सीमित कर दिए हैं। 1960 की सिंधु जल संधि को निरस्त करके उसने संकेत दिया है कि वह पाकिस्तान को घुटने पर लाने को प्रतिबद्ध है। भारत का अगला कदम फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) को इस बात के लिए राजी करना है कि पाकिस्तान को दोबारा ग्रे-लिस्ट में शामिल रखा जाए। सीतारमण इस मोर्चे पर पूरी तरह से जुटी हुई हैं। इटली और एडीबी से शुरुआत हुई है। इटली में 7 मई तक चलने वाली इस बैठक में इस संदर्भ में अनेक फैसले हो सकते हैं। निर्मला सीतारमण इस बैठक के कई महत्वपूर्ण सत्रों में भाग लेने वाली हैं। भारत सरकार हर वह प्रयास कर रही है जिससे पड़ोसी इस्लामी देश को सबक मिले कि आतंकवाद को शह देना उसके अस्तित्व के खात्मे का रास्ता है।

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों ...

इसमें तमाम विभागों से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। इससे यह पता लग सकेगा कि केवल पात्र लोग ही योजनाओं का लाभ लें। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बजट 2025-26 के भाषण में भी इसका जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा सरकार वेरिफिकेशन प्रकिया शुरू करेगी, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र दिल्लीवासियों तक पहुंच सके। इस डाटा से फ्री बिजली या मुफ्त राशन जैसी चीजें भी घुसपैठियों को नहीं मिलेंगी। अब इस पर काम शुरू कर दिया गया है।दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था इस बात को भी सुनिश्चित किया जाएगा कि दिल्ली से बाहर से आने वाले लोग या रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए इस योजनाओं का लाभ न ले सकें। अधिकारियों के अनुसार, यह डेटा हब सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ाने के लिए डिजिटल स्तर पर रिकॉर्ड एकत्र करना होगा। भाजपा सरकार जल्द ही दिल्ली यूनिफाइड सिटीजन डेटा प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए एक टेंडर भी जारी करने वाली है।

राहुल गांधी कहां ...

संसद में विदेश मंत्रालय से पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा गया था कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 तथा नागरिकता अधिनियम, 1955 के सेक्शन 9 के प्रावधानों के मुताबिक भारत में दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं है। वहीं अगर कोई व्यक्ति विदेशी नागरिकता हासिल कर लेता है, तो उसका भारतीय पासपोर्ट रखना या उसका इस्तेमाल करना भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत अपराध माना जाता है। एक बार जब कोई भारतीय विदेशी नागरिकता हासिल कर लेता है, तो उसे अपना भारतीय पासपोर्ट कैंसल कराने के लिए संबंधित भारतीय दूतावास को पासपोर्ट सौंपना होगा। यानि उस देश में स्थित भारतीय दूतावास में सौंपना होगा, जहां की नागरिकता वह हासिल करता है। इसके बाद भारतीय दूतावास इसे कैंसल कर देगा और कैंसिल पासपोर्ट सरेंडर सर्टिफिकेट के साथ वापस कर देगा।उत्तरी अमेरिका और दूसरे विकसित देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों की तरफ से दोहरी नागरिकता की लगातार मांग को देखते हुए भारत सरकार ने अगस्त 2005 में नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन करके ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) स्कीम की शुरुआत की थी। लेकिन ओसीआई कार्ड हासिल करने वाला व्यक्ति भारत के राजनीतिक अधिकारों का फायदा नहीं उठा सकता। न वोट दे सकता है और चुनाव में प्रत्याशी बन सकता है। इस स्कीम के मुताबिक वह लोग ओसीआई स्कीम का फायदा उठा सकते हैं, जो 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद भारत के नागरिक थे या 26 जनवरी 1950 को भारत के नागरिक बनने के पात्र थे। इस स्कीम का फायदा वे लोग नहीं ले सकते जो पाकिस्तान, बांग्लादेश या ऐसे देश के नागरिक हैं या रहे हैं। ओसीआई को दोहरी नागरिकता के रूप में कतई नहीं समझना चाहिए, क्योंकि ओसीआई धारकों को भारत राजनीतिक अधिकार नहीं देता है। साथ ही ऐसे नागरिक सरकारी नौकरी के मामले में अवसर की समानता के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 16 के तहत भारत के नागरिकों को दिए गए अधिकारों के हकदार भी नहीं होते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 07 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तेलंगाना–आंध्र प्रदेश स्तरीय कन्या संस्कार निर्माण शिविर 21 से

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन नीति निर्देशन एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के मार्गदर्शन के अन्तर्गत तेरापंथी सभा सिकंदराबाद द्वारा हैदराबाद में तेलंगाना आंध्र प्रदेश स्तरीय पांच दिवसीय आवासीय बालिका संस्कार निर्माण शिविर का भव्य आयोजन दिनांक 21 से 25 मई को होने जा रहा है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए शिविर की मुख्य संयोजिका श्रीमती संगीता गोलछा ने बताया कि आगामी शिविर की रूप रेखा हेतु आज डीवी कॉलोनी भवन में मीटिंग रखी गई।

संपूर्ण समाज से अपनी बेटियों को इस संस्कार शिविर से जुड़ने का आह्वान किया गया।इस वर्ष हैदराबाद में चातुर्मास हेतू पधार चुके आचार्य महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री गवेषणाश्री जी आदि ठाणा चार की प्रबल प्रेरणा से इस शिविर में भाग लेने के लिए अबतक लगभग 100 बालिकाओं ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।

आन्ध्र प्रदेश के क्षेत्रों से भी कन्याओं की उपस्थिति रहेगी। महाश्रमण वाटिका शमशाबाद में होने वाले शिविर की संपूर्ण व्यवस्था हेतु सभी ने विचार विमर्श कर रूपरेखा तैयार की। मीटिंग में शिविर के महासभा केंद्रीय संयोजक लक्ष्मीपत जी बैद, सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष सुशील जी संचेती,मंत्री हेमंत जी संचेती,पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल जी बैद, कार्यकारिणी सदस्य निर्मल जी बैगानी ने विविध विषयों पर अपने सुझाव रखे।शिविर परामर्शक सीमा दस्सानी, शिविर मुख्य संयोजक संगीता गोलछा व शीतल कोठारी ने शिविर की व्यवस्था हेतु अपनी योजना बताई।इस अवसर पर शिविर संयोजक रीता सुराणा व सुमन सेठिया भी उप-स्थित थे।आपसी सहमति से शिविर के सफलतम आयोजन हेतु निर्णय लिए गए।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा द्वारा सिटी कॉलेज हाईकोर्ट के पास जरूरतमंदों में अन्नदान किया गया। जिसमेंगोविंद राम पचेरिया, अनिल दरसुवाला, सज्जन अग्रवाल, मनोज गौशाला, मनोज मित्तल, कमल किशोर, यश अग्रवाल एवं अन्य सदास्य उपस्थित थे।

हिन्दी नगर, गोशामहल में मेरी पहचान मेरा खाटू वाला श्याम मण्डल द्वारा आयोजित श्याम मनुहार महोत्सव के अन्तर्गत श्री पहाडी श्याम मन्दिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया का सम्मान करते हुए सदानन्द शिंदे, कीर्तन अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल एवं अन्य ।

श्री श्याम मन्दिर काचीगुडा में मोहिनी एकादशी के उपलक्ष्य में

'मासिक ग्यारस संकीर्तन' कल

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री काँची कामकोटि पीठम् श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के तत्वावधान में श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा, वीरन्नागुट्टा में मोहिनी एकादशी के उपलक्ष्य में गुरुवार 8 मई को रात्रि 8 बजे से 'मासिक ग्यारस संकीर्तन' भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उक्त जानकारी यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के मंत्री इन्दरकरण अग्रवाल के द्वारा दी गई ।

विज्ञप्ति अनुसार गुरुवार 8 मई को 'मासिक ग्यारस संकीर्तन' कार्यक्रम के अन्तर्गत 'श्याम के लाडले' के द्वारा भजन प्रस्तुत किए जायेंगे ।

सुप्रसिद्ध भजन गायक शिवम् पंसारी (कोलकत्ता) एवं सागर व्यास (हैदराबाद) द्वारा बाबा श्यामजी के सुमधुर भजन प्रस्तुत किए जायेंगे । आरती मध्यरात्रि 12 बजे की जायेगी ।

श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति ने सभी भक्तों से इस अवसर पर पधारकर दर्शन एवं भजन श्रवण का लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है ।

सनातन धर्म संस्कृति बाल संस्कार शिविर नरसिंह मंदिर सुल्तान बाजार में मंगलवार को छठवें दिन कार्यक्रम में आराजीए स्वर्ण जयंती शिक्षा न्यास के नवनियुक्त चेयरमैन नन्द गोपालजी भट्टड एवं स्वामीनारायण गुरुकुल सिकंदराबाद के किशोर कोटक ने बच्चों को संबोधित किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,ई-जगन (चंपा पेट),प्रीतिका अग्रवाल,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,नंदकिशोर अग्रवाल,राजेश योगा सरजी,अशोक गुप्ता एस.जे,अरविन्द गुप्ता,आयुष गुप्ता,प्रियांश गुप्ता,भगतराम गोयल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

बीआरएस पार्टी के राज्य युवा नेता राहुल राव ने तेलंगाना के नवनियुक्त विशेष मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी।

जामबागख हिंदी नगर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल, दक्षिणांचल माथुर वैश्य समाज अध्यक्ष सपना गुप्ता, स्मिता गौलस, रिंकल गुप्ता, रचना गुप्ता, मोनिका अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, मंजू, कमलेश,दीपा, भाग्य श्री, अमिता गुप्ता, श्रवंती पुष्पा शिल्पी मोनिका स्मिता ज्योति दुर्गा भाग्यश्री खुशबू।इस अवसर पर जरूरतमंदों में संस्था की ओर से बर्तन दान किये गये।

जामबाग डिविजन भाजपा द्वारा मंगलवार को अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानियों के बारे में तहसीलदार, नामपल्ली मंडल को एक ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर प्रेमसिंह राठौर, बेगम बाजार पार्षद जी. शंकर यादव, राकेश जायसवाल पार्षद जामबाग, सुरेखा पार्षद गनफाउंड्री, कृष्णा अन्ना, राजकुमार, रघु, मयूर, वरिष्ठ भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

18 मई (रविवार) को गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा मे होने वाले श्री श्याम वार्षिकोत्सव के लिए लगाए जाने वाले बैनर का विमोचन करते हुए मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, रविंदर अग्रवाल, यश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, महेश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल एवं अन्य सदास्य।

बेल्लारी से भरत भूतड़ा श्री गोदा रंगनाथ के विग्रह के साथ हैदराबाद में रामलाल गंगाविशन सारडा मोजमजाही मार्केट के निवास पर पधारे। दर्शन करते हुए भक्त।

भाजपा नेता इटेला राजेंद्र ने सीएम रेवंत रेड्डी के इस्तीफे की मांग की

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मलकाजगिरी के सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता एटाला राजेंद्र ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से इस्तीफा देने और चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए लोगों से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।एटाला राजेंद्र ने मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगर आप चीजों को संभाल नहीं सकते और सरकार नहीं चला सकते तो इस्तीफा दे दीजिए। कोई और योग्य व्यक्ति कार्यभार संभालेगा और वादे पूरे करेगा।

तेलंगाना सरकार नगर प्रशासन और शहरी विकास का पुनर्गठन करेगी

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार ने नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) विभाग को महानगर क्षेत्र और शहरी विकास विभाग और नगर प्रशासन विभाग में पुनर्गठित करने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में सरकार ने सोमवार को जीओएम 107 जारी किया, जिसमें एमएयूडी विभाग को दो विभागों में विभाजित किया गया। इसके अनुसार, एचएमडीए, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम सहित आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर सभी नगर निगम और नगर पालिकाओं को महानगर क्षेत्र और शहरी विकास

Municipal administration and urban development

विभाग के दायरे में लाया गया है।

इसके अलावा, एचएमडीए की सीमा के भीतर सभी शहरी उपयोगिताओं, जिनमें एचएमडब्ल्यूएसएसबी, मुसी रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड, एचआरडीसीएल , एचजीसीएल, एफसीडीए और हाइड्रा आदि शामिल हैं, को भी उपरोक्त विभाग की सीमा में शामिल किया गया है। इसी तरह, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग (ओआरआर सीमा और कैडर नियंत्रण के अंदर) और रेरा और रेरा अपीलीय न्यायाधिकरण को भी महानगर क्षेत्र और शहरी विकास विभाग के तहत लाया गया है।दूसरी ओर, ओआरआर के बाहर सभी नगर पालिकाओं और नगर निगमों, सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (ओआरआर के बाहर), तेलंगाना शहरी वित्त और बुनियादी ढांचा विकास निगम, एनआईयूएम, एमईपीएमए और नगर सेवा कैडर नियंत्रण को नगर प्रशासन विभाग सौंपा गया है।अधिकारियों के अनुसार, एमएयूडी का पुनर्गठन सुचारू प्रशासन और जनशक्ति सहित उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए किया गया था।

110 देशों के प्रतिनिधियों के आगमन के साथ

72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल का मंच तैयार

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत का सबसे युवा और सबसे गतिशील राज्यों में से एक तेलंगाना, प्रतिष्ठित मिस वर्ल्ड फेस्टिवल के 72वें संस्करण की मेजबानी करने के लिए तैयार है। आज बुधवार, दि. 7 से 31 मई 2025 तक निर्धारित यह वैश्विक कार्यक्रम भारत और मिस वर्ल्ड संगठन दोनों के लिए एक मील का पत्थर है, जिसमें हैदराबाद मुख्य मेजबान शहर के रूप में कार्य करेगा।

फेस्टिवल की घोषणा करने वाली आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस ट्राइडेंट हैदराबाद में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में जूलिया मोर्ले सीबीई, अध्यक्ष और सीईओ, मिस वर्ल्ड लिमिटेड; जुपल्ली कृष्ण राव, मंत्री, निषेध और उत्पाद शुल्क, पर्यटन, संस्कृति और पुरातत्व, तेलंगाना सरकार, पटेल रमेश रेड्डी, अध्यक्ष, तेलंगाना पर्यटन विकास निगम लिमिटेड और जयेश रंजन, तेलंगाना युवा उन्नति, पर्यटन और संस्कृति विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में पूर्ण अतिरिक्त प्रभार (एफएसी) उपस्थित थे।

विशेष अतिथियों में अभिनेता और मानवतावादी सोनू सूद और मिस वर्ल्ड इंडिया नंदिनी गुप्ता शामिल थीं, जो इस वर्ष की प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इस अवसर पर घोषणा की गई कि सोनू सूद, जो समापन समारोह के लिए जज के रूप में भी काम करेंगे, को अंतिम कार्यक्रम में उनके असाधारण परोपकारी प्रयासों के लिए सराहा जाएगा और यह भी घोषणा की गई कि मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन सूद चैरिटी फाउंडेशन के माध्यम से समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्सव के दौरान उन्हें एक विशेष पुरस्कार प्रदान करेगा।

कार्यक्रम में बोलते हुए, मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मोर्ले सीबीई ने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि हम 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल को भारत के दिल - तेलंगाना में लाया हैं। यह राज्य हमारे मिशन, ब्यूटी विद अ परपज के मूल्यों का उदाहरण है। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवंत आधुनिकता और असाधारण आतिथ्य के साथ, तेलंगाना सुंदरता, उद्देश्य और एकता के इस वैश्विक उत्सव के लिए एकदम सही भागीदार है।

इस अवसर पर सोनू सूद ने कहा कि अपने देश और खास तौर पर तेलंगाना में मिस वर्ल्ड के 72वें संस्करण का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं इस पहचान से अभिभूत हूं और इस वैश्विक मंच का दुनिया भर की युवा महिलाओं और समुदायों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को देखने के लिए उत्सुक हूं।

इस साल मिस वर्ल्ड में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली मिस इंडिया नंदिनी गुप्ता ने कहा कि घरेलू धरती पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। तेलंगाना का आकर्षण, गर्मजोशी और विविधता निश्चित रूप से इस परिवर्तनकारी यात्रा के लिए एक यादगार पृष्ठभूमि होगी। मैं यहां दुनिया का स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं।

पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि मिस वर्ल्ड की मेजबानी करना तेलंगाना के लिए गर्व का क्षण है। यह उत्सव हमारी सांस्कृतिक जड़ों, आधुनिक उपलब्धियों और वैश्विक दृष्टिकोण को उजागर करेगा। यह तेलंगाना को पर्यटन, समावेशिता और विकास के

लिए एक मॉडल के रूप में प्रदर्शित करने का अवसर है। तेलंगाना पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष पटेल रमेश रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना दुनिया को अपनी कालातीत परंपराओं और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं की एक झलक दिखाने के लिए तैयार है। इस आयोजन के माध्यम से, हमारा लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक सुरक्षित, प्रगतिशील और स्वागत योग्य गंतव्य के रूप में अपनी पहचान को मजबूत करना है।

72वां मिस वर्ल्ड फेस्टिवल - तेलंगाना कार्यक्रम यात्रा कार्यक्रम और स्थल

तेलंगाना में 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल समारोह की शुरुआत 7 और 8 मई को हैदराबाद के आरजीआईए में प्रतियोगियों के आगमन के साथ होगी, जहाँ उनका भव्य पारंपरिक समारोह के साथ स्वागत किया जाएगा।

10 मई को गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में उद्घाटन समारोह में परेड शैली की प्रस्तुति में जीवंत तेलंगाना लोक और आदिवासी नृत्यों का प्रदर्शन किया जाएगा, जहाँ 110 प्रतिभागियों को तेलंगाना और दुनिया से परिचित कराया जाएगा।

12 मई को, प्रतियोगी नागार्जुनसागर में बुद्धवनम की आध्यात्मिक यात्रा पर निकलेंगे, उसके बाद 13 मई को चारमीनार और लाड बाज़ार में हेरिटेज वॉक करेंगे। उस शाम, वे ऐतिहासिक चौमहल्ला पैलेस में शाही स्वागत रात्रिभोज का आनंद लेंगे, जिसके साथ एक लाइव संगीत कार्यक्रम भी होगा।

14 मई को, समूह विरासत पर्यटन के लिए अलग हो जाएगा - समूह 1 वारंगल किला, 1000 स्तंभ मंदिर और भद्रकाली मंदिर जाएगा, जबकि समूह 2 यूनेस्को-सूचीबद्ध रामप्पा मंदिर का पता लगाएगा, जिसमें पारंपरिक पेरीनी नृत्य प्रदर्शन होगा।

15 मई को, समूह 1 यदागिरिगुट्टा मंदिर का दौरा करेगा, और समूह 2 यूएनडब्ल्यूटीओ -मान्यता प्राप्त पोचमपल्ली गाँव में हथकरघा अनुभवात्मक दौरे में शामिल होगा।

16 मई को समूह 1 के लिए चिकित्सा पर्यटन के परिचय के साथ यात्रा कार्यक्रम जारी रहेगा, जबकि समूह 2 महबूबनगर में पिल्लामरी में प्राचीन बरगद के पेड़ की खोज करेगा और एक्सपेरियम इको टूरिज्म पार्क का दौरा करेगा।

17 मई को, प्रतियोगिता तब शुरू होगी जब मिस वर्ल्ड स्पोर्ट्स फिनाले गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में होगा, उसके बाद रामोजी फिल्म सिटी का निर्देशित दौरा होगा।

18 मई को, प्रतियोगी राज्य की सुरक्षा और पर्यटन पहलों को समझने के लिए तेलंगाना पुलिस एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी) का दौरा करेंगे और बाद में सचिवालय में तेलंगाना की विकास कहानी की 3ऊ प्रोजेक्शन मैपिंग देखेंगे। दिन का समापन टैंक बंड में कार्निवल-शैली के संडे-फनडे समारोह के साथ होगा।

20 और 21 मई को, कॉन्टिनेंटल फिनाले और उद्यमियों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र टी-हब में आयोजित किया जाएगा। इसी अवधि के दौरान, ग्रुप 1 के चयनित प्रतियोगी राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में एक आईपीएल मैच में भाग लेंगे, जबकि ग्रुप 2 शिल्परमम में तेलंगाना के कारीगरों के साथ एक कला और शिल्प कार्यशाला में भाग लेंगे। टैलेंट फिनाले 22 मई को शिल्पकला वेदिका में निर्धारित है।

23 मई को हेड टू हेड चैलेंज फिनाले ट्राइडेंट में होगा। मिस वर्ल्ड टॉप मॉडल और फैशन फाइनल के साथ-साथ तेलंगाना फैशन डिजाइनरों के साथ बातचीत और ज्वैलरी/पर्ल फैशन शो उसी दिन होगा। यह फैशन शोकेस 24 मई को ट्राइडेंट/हाईटेक्स में जारी रहेगा।

26 मई को, हाईटेक्स ब्यूटी विद पर्पस इवेंट और एक भव्य गाला डिनर की मेजबानी करेगा, जिसमें प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा नृत्य और सांस्कृतिक प्रदर्शन, साथ ही तेलंगाना व्यंजन खाद्य महोत्सव शामिल होगा। इस कार्यक्रम का भव्य समापन 31 मई को हाईटेक्स में 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल ग्रैंड फिनाले के साथ होगा, जिसमें रेड कार्पेट स्वागत और राज्याभिषेक समारोह होगा।

2 जून को राजभवन में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के साथ समारोह का समापन होगा, जहाँ नई मिस वर्ल्ड और कॉन्टिनेंटल विजेता माननीय राज्यपाल और मुख्यमंत्री से हाई-टी पर मिलेंगी।

इस विज़न को मज़बूत करते हुए, ट्राइडेंट को मिस वर्ल्ड 2025 के लिए आधिकारिक आतिथ्य भागीदार के रूप में चुना गया है, जो उत्सव के अनुभव में विश्व-स्तरीय आराम और सेवा को सबसे आगे लाएगा। गौरव के. कुमरा, उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक ने कहा: 72वें मिस वर्ल्ड 2025 के लिए आधिकारिक आतिथ्य भागीदार के रूप में, हमारे होटल और तेलंगाना की भावना को प्रदर्शित करना एक सम्मान की बात है, जो विरासत और प्रगतिशील दृष्टि से समृद्ध राज्य है। हमें अपनी सेवा उत्कृष्टता और हमारे शहर की जीवंतता को दर्शाने पर गर्व है। अपनी टीम के साथ, हम अपने सभी मेहमानों के लिए वास्तव में यादगार प्रवास प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।

मिस वर्ल्ड 2025: हैदराबाद के निवासियों के पास मुफ्त पास जीतने का मौका

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिताओं में से एक मिस वर्ल्ड की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और इसे समावेशी बनाने के प्रयास में, राज्य सरकार आधिकारिक ऑनलाइन चयन अभियान के माध्यम से जनता को मुफ्त प्रवेश टिकट प्रदान कर रही है।

इच्छुक निवासी अब तेलंगाना पर्यटन वेबसाइट पर पंजीकरण करके और पहले से तैयार प्रश्नावली में भाग लेकर मिस वर्ल्ड इवेंट में शामिल हो सकते हैं । पुष्टि किए गए प्रतिभागियों को एक ईमेल भेजा जाएगा, जो उनके निःशुल्क प्रवेश टिकट लेने के लिए प्रमाण के रूप में काम करेगा।

पास 8 मई, 2025 से गच्चीबावली स्टेडियम के बॉक्स ऑफिस पर उपलब्ध होंगे, जो मिस वर्ल्ड 2025 कार्यक्रम का मुख्य स्थल है, जो सौंदर्य, प्रतिभा और सांस्कृतिक विविधता का वैश्विक उत्सव है।

यह परियोजना तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा अपने नागरिकों के लिए सांस्कृतिक संपर्क और वैश्विक संपर्क को बढ़ावा देने का एक बड़ा प्रयास है। दुनिया भर की निगाहों से, इस आयोजन से पर्यटन को बढ़ावा मिलने और हैदराबाद को उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक अग्रणी स्थल के रूप में वैश्विक मानचित्र पर लाने की संभावना है।

मिस वर्ल्ड, जो सबसे लंबे समय से चल रही और सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली वैश्विक सौंदर्य प्रतियोगिताओं में से एक है, न केवल ग्लैमर से जुड़ी है बल्कि मानवीय मुद्दों को बढ़ावा देने और वैश्विक संस्कृति और सशक्तिकरण का जश्न मनाने से भी जुड़ी है। इस आयोजन का होना विश्व स्तरीय आयोजनों के केंद्र के रूप में तेलंगाना की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

सरकार ने नागरिकों को पहले से टिकट बुक करने के लिए प्रोत्साहित किया है, क्योंकि टिकट सीमित हैं और इनकी मांग बहुत अधिक है।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा निवेश एवं विकास और वसीयत एवं उत्तराधिकार पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 6 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज की आर्थिक साक्षरता और कानूनी जागरूकता बढ़ाने की दिशा में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम ने आज बिड़ला ऑडिटोरियम, हैदराबाद में एक उपयोगी और जन-सामान्य के लिए खुली कार्यशाला का आयोजन किया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार इस कार्यशाला का विषय था - निवेश एवं विकास और वसीयत एवं उत्तराधिकार - जो कि आर्थिक योजना, संपत्ति प्रबंधन और उत्तराधिकार के कानूनी पहलुओं को समझने हेतु समर्पित रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत अणुव्रत सुराना व सदस्यों द्वारा मंगलाचरण से हुई । सर्वप्रथम शाखा अध्यक्ष श्री विरेन्द्र जी घोषल ने सभी का स्वागत किया और सभी संस्थाओं की ओर से सभा के अध्यक्ष सुशील जी संचेती ने शुभकामनाएँ दी। राष्ट्रीय सहमंत्री श्री मोहित जी बैद ने ढझक्र के मुख्य आयामों के बारे में बताया।

कार्यक्रम दो सत्र विभाजित था जिसमें चार मुख्य वक्ता उपस्थित हुए। दीपक जी संचेती, मोहित जी जैन, विशाल जी मेहता, ऋषभ जी लूनिया। पहला सत्र ऋषभ जी लूनिया और मोहित जी जैन का रहा जिसे पंकज जी संचेती ने संचालित किया। उन्होंने बताया कि आज के युग में केवल कमाना ही पर्याप्त नहीं, सही तरीके से निवेश करना और अपने उत्तराधिकार की योजना बनाना भी अत्यावश्यक है।

वहीं, दूसरा सत्र एडवोकेट दीपक जी संचेती और विशाल जी मेहता का रहा जिसे अणुव्रत सुराना ने संचालित किया। उन्होंने वसीयत लेखन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा,

स्पष्ट और विधिपूर्वक तैयार की गई वसीयत न केवल पारिवारिक शांति बनाए रखती है, बल्कि कानूनी विवादों से भी बचाती है।

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने वक्ताओं से प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया। कार्यशाला में व्यावसायिकों, गृहिणियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का यह प्रयास न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि समाज को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम भी सिद्ध हुआ।

इस कार्यक्रम में नेशनल टीम से कोषाध्यक्ष नरेश जी कठोतिया, सहमंत्री मोहित जी बैद, ऋषभ जी दूगड़, नवीन जी सुराना, दीपक जी संचेती उपस्थित रहे। स्थानीय टीम से अध्यक्ष विरेन्द्र जी घोषल, निवर्तमान अध्यक्ष पंकज जी संचेती, उपाध्यक्ष सुनील जी पगारिया, अणुव्रत जी सुराणा, मंत्री निखिल जी कोटेचा, कोषाध्यक्ष अर्हम जी बेंगानी, सहमंत्री अनुष जी बंबोली, शिखा जी सुराना, सभा अध्यक्ष सुशील जी संचेती, तेयूप मंत्री अनिल जी दूगड़ व अन्य ढझक्र कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री निखिल जी कोटेचा ने सभी वक्ता और उपस्थित समाज का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम का संयोजन अनुष जी बंबोली और तरुण जी सांखला ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिखा जी सुराना और दीक्षा जी चैनवाला सुराना ने किया।

शी टीम्स ने अप्रैल में महिलाओं का पीछा करने, उन पर हमला करने और उन्हें परेशान करने के आरोप में 49 लोगों को पकड़ा

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद शी टीम ने अप्रैल महीने के दौरान शहर में महिलाओं को परेशान करने, उनका पीछा करने और यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 49 लोगों को पकड़ा।पकड़े गए लोगों में जीएचएमसी का एक ड्राइवर भी शामिल है, जो कचरा फेंकने आई महिलाओं को अनुचित इशारे कर रहा था। महिलाओं ने शी टीम से शिकायत की, जिन्होंने फर्जी ऑपरेशन चलाया और उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। उसे अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे तीन दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई।एक अलग मामले में, पुलिस ने बेगमपेट से एक प्लंबर को पकड़ा, जिसने महिला का वीडियो चुपके से रिकॉर्ड कर लिया था, जब वह अपने ऑफिस के सहकर्मियों के साथ एक समारोह मना रही थी। अगले दिन वह व्यक्ति महिला के घर में घुस आया और यौन संबंध बनाने की मांग की। शिकायत पर, शी टीम ने उस व्यक्ति को पकड़ा और उसे अदालत में पेश किया। उसे दोषी ठहराया गया और चार दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई।एक अन्य मामले में एक व्यक्ति जो एक निजी कंपनी में काम करता है और एक महिला को ब्लैकमेल कर रहा था, उसे पकड़ा गया और तीन दिन की जेल की सजा सुनाई गई। उस व्यक्ति ने महिला से दोस्ती की और उसे एक लॉज में ले गया जहाँ उसने महिला का यौन शोषण किया और एक गुप्त कैमरे से इस कृत्य को रिकॉर्ड किया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, M SHANTI KUMARI spouse of Service No. 15470185K Ex.DFR YESUDASS S, R/o.H.No. 2-2-123/171, Sai Reddy Colony, MachaBolarum, Secunderabad - 500010, MedchalMalkajgiri Dist, Telangana have changed my name and DOB from M SHANTI KUMARI, DOB:14-05-1978 to SWARNA SHANTI, DOB:14-05-1976 vide affidavit dt:5-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SAROJA Mother of Service No. 15691866K L/Hav RAVI KUMAR VEMULA, R/o. Vill and PO:Ravivalasa, Teh:Tekkali, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532212 have changed my name from SAROJA to VEMULA SAROJA vide Affidavit dated:5-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, ARMUGAM V father of Service No. 15691866K L/Hav RAVI KUMAR VEMULA, R/o. Vill and PO:Ravivalasa, Teh:Tekkali, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532212 have changed my name from ARMUGAM V to VEMULA ARMUGAM vide affidavit dt:5-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No.JC 209173H Sub YELLAPU PAIDI RAJU, R/o. 5-3-110/96, SaiKrupa Colony, Vill:Yapral, P.O:J.J.Nagar, Teh:Alwal, Dist:MedchalMalkajgiri, Telangana-500087 hereby declare that my daughter name and DOB is to be changed from NAAG SATYA, DOB:07-02-1979 to VELAGA KARUNA KUMARI, DOB:07-02-1980 vide affidavit dt:03-05-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, D HARI PRIYA DEVI Mother of Service No.JC 291332Y Nb Sub (TA) D VISWANATHA REDDY, R/o. Vill&P.O:Mayalur, Teh:Uyyalawada, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518155 have changed my name and DOB from D HARI PRIYA DEVI, DOB:01-07-1958 to DUDDEKUNTA HARI PRIYA DEVI, DOB:01-01-1963 vide affidavit dt:03-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, D SIVA RAMI REDDY Father of Service No.JC 291332Y Nb Sub (TA) D VISWANATHA REDDY, R/o. Vill&P.O:Mayalur, Teh:Uyyalawada, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518155 have changed my name and DOB from D SIVA RAMI REDDY, DOB:01-07-1949 to DUDDEKUNTA SIVA RAMI REDDY, DOB:01-01-1955 vide affidavit dt:03-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, D HARITHA Spouse of Service No.JC 291332Y Nb Sub (TA) D VISWANATHA REDDY, R/o. Vill and PO:Mayalur, Teh:Uyyalawada, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh - 518155 have changed my name from D HARITHA to DUDDEKUNTA HARITHA vide affidavit dt:03-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15825821N L/Nk Y SHANKAR of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my father name and DOB is changed from PENTAIAH, DOB:09-03-1973 to YERRA PENTAIAH, DOB:24-10-1970.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15825821N L/Nk Y SHANKAR of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my brother name and DOB is to be changed from BHASKAR, DOB:14-06-2000 to YERRA BHASKAR, DOB:20-05-1999

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15825821N L/Nk Y SHANKAR of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my mother name and DOB is to be changed from SHAKUNTALA, DOB:05-09-1978 to YERRA SHAKUNTALA, DOB:01-05-1970.

CHANGE OF NAME
I, PRIYANKA MAHANTY spouse of Service No. 6944568A Hav PRASANTA KUMAR MAHANTY, R/o. Vill:Kolathigam, Post:Daspur, Teh:Konisi, Dist:Ganjam, Odisha-760003 have changed my name from PRIYANKA MAHANTY to PRIYANKA RAUTA vide affidavit dt:6-5-2025 before B.Ramesh, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, KARUPPAIAH LEEZI Spouse of Service No. 14360257K Nk T KARUPPAIAH, R/o. 5-12-90, Indira Nagar Colony, Vill:Yapral, P.O:J.J.Nagar, Teh:Alwal, Dist:MedchalMalkajgiri, Telangana-500087 have changed my name from KARUPPAIAH LEEZI to VARA LAKSHMI vide affidavit dt:06-05-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, NANDINI V GOLLAR spouse of Service No. 15161808H Hav(GNR) VIDYADHARA GOLLAR, R/o.Vill and PO:Kaliwal, Teh:Savanur, Dist:Haveri, Karnataka-581118 have changed my name from NANDINI V GOLLAR to BHAGIRATHI PATIL vide affidavit dt:06-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, LOKANAYAKI Spouse of Service No. 15172915K Hav (DS) MAGESH M, R/o.Vill and PO:Nagavedu, Teh:Arakkonam, Dist:Vellore, Tamilnadu-631062 have changed my name from LOKANAYAKI to LOKANAYAKI SWAMY vide affidavit dt:06-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MEENAKSHI SUNDARAM Father of Service No 15172915K Hav(DS) MAGESH M, R/o. Vill and PO:Nagavedu, Teh:Arakkonam, Dist:Vellore, Tamilnadu-631062 have changed my name and DOB MEENAKSHI SUNDARAM, DOB:01-01-1953 to MEENATCHI SUNDHARAM CHINNASAMY, DOB:26-06-1951 vide affidavit dt:06-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, LAKSHIMI Mother of Service No 15172915K Hav(DS) MAGESH M, R/o. Vill and PO:Nagavedu, Teh:Arakkonam, Dist:Vellore, Tamilnadu-631062 have changed my name and DOB from LAKSHIMI, DOB:01-01-1958 to LAKSHMI MEENATCHI SUNDHARAM, DOB:24-08-1966 vide affidavit dt:06-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, VR RAMANAN Father of Service No. 15238765F Nk (GNR) RAJEEV KUMAR V R, R/o.Vill:Elanthoor, PO: Pariyaram, Teh:Kozhencherry, Dist:Pathanamthitta, Kerala - 689643 have changed my name and DOB from VR RAMANAN, DOB:10-02-1960 to REMANAN V R, DOB:01-01-1958 vide affidavit dt;06-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

रेवंत रेड्डी भारत के इतिहास में सबसे अक्षम मुख्यमंत्री : केटीआर

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य दिवालिया है और उन्होंने कहा कि वह स्वतंत्र भारत के सबसे अयोग्य और अकुशल मुख्यमंत्री हैं।केटीआर ने रेवंत रेड्डी पर अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए तेलंगाना की छवि खराब करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर सीएम राज्य को संभाल नहीं पा रहे हैं तो उन्हें वित्तीय हालात को दोष देने के बजाय इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने रेवंत की अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने के लिए आलोचना की और दावा किया कि देश के इतिहास में किसी भी अन्य मुख्यमंत्री ने अपने राज्य के बारे में ऐसी पराजयवादी टिप्पणी नहीं की।बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी चुनावी वादों को पूरा न करने के दोष से बचने के लिए तेलंगाना को दिवालिया बता रहे हैं। केटीआर ने कहा, हम व्यक्तिगत हमलों को बर्दाश्त कर सकते हैं, लेकिन हम राज्य का अपमान नहीं होने देंगे।

केटीआर ने सरकारी कर्मचारियों का बचाव करते हुए कहा कि वे केवल वादे पूरे करने की मांग कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर जिम्मेदारी से जवाब देने के बजाय उन्हें खलनायक के रूप में पेश करने का आरोप लगाया।कांग्रेस के घोषणापत्र को भ्रामक बताते हुए केटीआर ने दावा किया कि यह अवास्तविक वादों से भरा हुआ है, जिसमें जीत की कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा, अब जब वे सत्ता में हैं, तो बहाने तलाश रहे हैं।

उन्होंने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन पर 250 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए कांग्रेस का उपहास उड़ाया, जबकि दावा किया कि कर्मचारियों की पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभों के लिए उसके पास कोई पैसा नहीं है।

सीएम की इस टिप्पणी पर कि अगर वे मुझे काट भी दें, तो भी पैसे नहीं बचेंगे केटीआर ने इस तरह के बयानों को गैरजिम्मेदाराना और अक्षम्य बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना की वित्तीय स्थिति मजबूत है।केटीआर ने रेवंथ रेड्डी के अतीत को याद दिलाते हुए लोगों को याद दिलाया कि वह कैश-फॉर-वोट घोटाले में पकड़े गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे व्यक्ति की विश्वसनीयता कैसे हो सकती है, यहां तक कि उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक उनसे सावधान रहते हैं।

रेवंत के विरासत में मिले कर्ज के दावे को खारिज करते हुए केटीआर ने कहा कि बीआरएस शासन के तहत वास्तविक कर्ज 4.17 लाख करोड़ रुपये था, न कि सीएम द्वारा बताए गए 6-8.29 लाख करोड़ रुपये। उन्होंने कहा कि संसद के आंकड़ों के अनुसार कर्ज-से-जीएसडीपी अनुपात में तेलंगाना 28 राज्यों में से 24वें स्थान पर है।

केटीआर ने बीआरएस के कार्यकाल के दौरान लिए गए उधारों को उचित ठहराते हुए कहा कि उनका इस्तेमाल बुनियादी ढांचे और सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के लिए किया गया। इसके विपरीत, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बिना कोई बड़ी परियोजना शुरू किए सिर्फ़ 16 महीनों में 1.7 लाख करोड़ रुपये उधार लिए।

केटीआर ने अपने दावे के समर्थन में डेटा पेश किया कि तेलंगाना की अर्थव्यवस्था स्वस्थ है। उन्होंने कहा कि राज्य का राजस्व 2014 में 51,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 2.16 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल राजस्व अधिशेष 4,882 करोड़ रुपये था।उन्होंने सीएम के मितव्ययिता के दावों की भी आलोचना की, जिसमें कहा गया कि रेवंत रेड्डी ने चार्टर्ड विमानों से 43 बार दिल्ली की यात्रा की। केटीआर ने टिप्पणी की, उनके मंत्री हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल ऐसे करते हैं जैसे वे ऑटोरिक्शा हों।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कल हाइड्रा पुलिस स्टेशन का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी गुरुवार 8 मई को सुबह 11:05 बजे बुद्ध भवन में हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति निगरानी और संरक्षण (हाइड्रा) पुलिस स्टेशन का उद्घाटन करेंगे।

7 जनवरी को तेलंगाना सरकार ने हाइड्रा के तहत एक समर्पित पुलिस स्टेशन स्थापित करने के आदेश जारी किए। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता वाली इस एजेंसी में संपत्ति संरक्षण, आपदा प्रतिक्रिया, प्रशासन, कानूनी, आईटी और अन्य सहित विभिन्न विंग शामिल हैं।

नागरिक अब भूमि हड़पने वालों, अतिक्रमणकारियों, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों और सार्वजनिक संपत्तियों को विकृत करने वालों के खिलाफ सीधे मामला दर्ज करा सकते हैं। 19 जुलाई को हैदराबाद में आपदा प्रबंधन विभाग का आधिकारिक नाम बदलकर हाइड्रा कर दिया गया।हाइड्रा की आपदा प्रबंधन शाखा आपदा प्रतिक्रिया और राहत के लिए जिम्मेदार होगी, यह शाखा राष्ट्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ काम करेगी, समय पर चेतावनी जारी करेगी, आपातकालीन प्रयासों का समन्वय करेगी और जोखिम मूल्यांकन और पूर्वानुमान के लिए एक डेटाबेस बनाए रखेगी। यह तेलंगाना अग्निशमन सेवा अधिनियम के तहत अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र भी जारी करेगी।हाइड्रा आपदाओं के दौरान यातायात प्रबंधन की देखरेख करेगा, विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करेगा, तथा आवश्यक संसाधनों के साथ एक संरचित संगठन बनाए रखेगा।जबकि, लॉजिस्टिक्स सपोर्ट विंग स्टाफ भर्ती, कार्यालय प्रशासन, खरीद और आईटी सेवाओं का प्रबंधन करेगा। यह आपदा प्रतिक्रिया संचालन और सामुदायिक प्रशिक्षण का समर्थन करेगा।बाद में, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने आधिकारिक तौर पर हाइड्रा के आयुक्त को सड़कों, नालियों, सार्वजनिक गलियों, जल निकायों, खुले स्थानों और सार्वजनिक पार्कों जैसी सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा करने की अनुमति दे दी।

नया कोड, नया विवाद: क्या टीएस वाहन नंबर टीजी में बदल जाएंगे?

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक बड़े प्रशासनिक बदलाव में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना की नवनिर्वाचित कांग्रेस सरकार ने राज्य के संक्षिप्त नाम को 'टीएस' (तेलंगाना राज्य) से बदलकर 'टीजी' (तेलंगाना सरकार) करने का फैसला किया है । यह निर्णय रविवार को आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया , जो भविष्य के दस्तावेजों, विभागों और संभवतः वाहन पंजीकरण में राज्य के आधिकारिक प्रतिनिधित्व में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। इस घोषणा के बाद, एक व्यापक सवाल सामने आया है: क्या वाहनों के पंजीकरण कोड भी 'टीएस' से बदलकर 'टीजी' कर दिए जाएंगे? आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मौजूदा टीएस-नंबर वाले वाहनों को अपनी नंबर प्लेट बदलने की ज़रूरत नहीं होगी । हालांकि, सरकारी आदेश (जीओ) जारी होने के बाद खरीदे गए नए वाहनों को नए 'टीजी' कोड के तहत पंजीकृत किया जाएगा ।यह 2014 में तेलंगाना के गठन के दौरान अपनाई गई नीति को दर्शाता है , जब एपी पंजीकरण कोड (अविभाजित आंध्र प्रदेश से) वाले वाहनों को उनके नंबर बनाए रखने की अनुमति दी गई थी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि प्रशासनिक व्यवधान को कम करने के लिए मौजूदा टीएस-पंजीकृत वाहनों के लाखों को अपडेट करने की तत्काल कोई योजना नहीं है।तेलंगाना में कई सरकारी संस्थान वर्तमान में 'टीएस' उपसर्ग का उपयोग करते हैं , जैसे: टीएसपीएससी (तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग) और टीएसआरटीसी (तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम)टीजी शिफ्ट के साथ, इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि क्या इन संस्थानों का भी नाम बदला जाएगा । अब तक, संस्थागत नामों में बदलाव के बारे में कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है , लेकिन सरकारी संचार में टीजी कोड को औपचारिक रूप से अपनाए जाने के बाद अपडेट हो सकते हैं।तेलंगाना के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने टीएस से टीजी में बदलाव के पीछे के तर्क को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र सरकार द्वारा जारी मूल राजपत्र अधिसूचना में नवगठित राज्य को संक्षिप्त नाम 'टीजी' दिया गया था। हालांकि, के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने इसके बजाय 'टीएस' का उपयोग करने का विकल्प चुना , जिसके कारण विभागों और राज्य के वाहनों में अनौपचारिक उपयोग होने लगा।जनता की प्रतिक्रिया, खास तौर पर वाहन मालिकों के बीच, मिली-जुली है। जबकि कई लोग मूल केंद्र अधिसूचना के साथ सरेखण का स्वागत करते हैं , अन्य लोग संभावित भ्रम या लागत निहितार्थों के बारे में चिंतित हैं। जैसा कि चीजें हैं, परिवर्तन दूरगामी होने की उम्मीद है , जिसमें नए पंजीकरण के लिए टीजी का उपयोग किया जाएगा और पुराने पंजीकरण के लिए टीएस जारी रहेगा ।कार्यान्वयन समय-सीमा और मौजूदा संस्थानों के नाम बदलने का दायरा अभी भी अस्पष्ट है, लेकिन स्पष्टता प्रदान करने के लिए जल्द ही एक आधिकारिक सरकारी आदेश (जीओ) जारी होने की उम्मीद है।तेलंगाना सरकार का टीएस से टीजी में बदलने का फैसला प्रतीकात्मक और प्रशासनिक दोनों है , जो आधिकारिक रिकॉर्ड और तेलंगाना आंदोलन की भावना के साथ तालमेल बिठाने के कदम को दर्शाता है। जबकि मौजूदा टीएस परिसंपत्तियां अप्रभावित रहती हैं , टीजी में परिवर्तन धीरे-धीरे विभागों, संस्थानों और वाहनों में राज्य के प्रतिनिधित्व को फिर से आकार दे सकता है ।

हैदराबाद पुलिस कमिश्नर को विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन 2025 में नारकोटिक्स विरोधी उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया

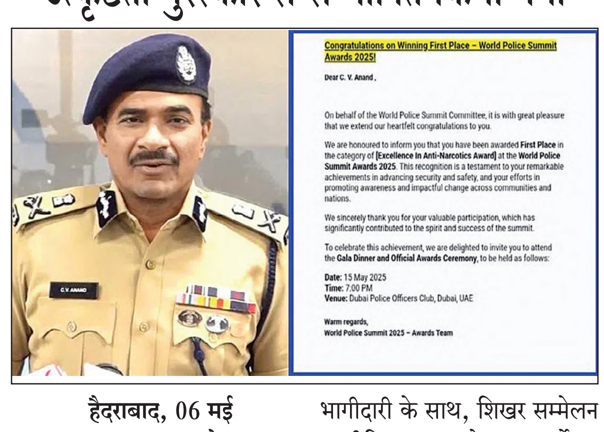

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद और हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग (एचएनईडब्ल्यू) को विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूपीएस) 2025 में एंटी-नारकोटिक्स अवार्ड में उत्कृष्टता की श्रेणी में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया है , जिसका आयोजन दुबई पुलिस द्वारा किया जाएगा और यह 13 से 15 मई तक आयोजित किया जाएगा।विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन एक प्रमुख वैश्विक मंच है जो 138 से अधिक देशों के अग्रणी कानून प्रवर्तन पेशेवरों को एक साथ लाता है। एफबीआई, एनवाईपीडी, एलएपीडी, मेट्रोपॉलिटन पुलिस (यूके), ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस और जर्मन पुलिस आदि जैसी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध एजेंसियों की भागीदारी के साथ, शिखर सम्मेलन रणनीतिक सहयोग, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, और आधुनिक पुलिसिंग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रभावशाली समाधान और अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।इस साल के पुरस्कार नामांकन में वैश्विक स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि महाद्वीपों की पुलिस इकाइयों की एक विस्तृत श्रृंखला से प्राप्त प्रविष्टियों को कुशल चिकित्सकों और दुबई पुलिस की जूरी द्वारा आयोजित एक कठोर दो चरणीय मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा।मूल्यांकन मापदंडों में एंटी-नारकोटिक्स आपूर्ति पर प्रभाव, पदार्थ के उपयोग में गिरावट, सामुदायिक जुड़ाव, अंतर एजेंसी सहयोग आदि शामिल थे।

सीआईडी ने 4,215 करोड़ रुपए के घोटाले में

फाल्कन कंपनी के सीईओ योगेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना पुलिस के अपराध जांच विभाग ने लोगों से 4,215 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में फाल्कन कंपनी के सीईओ योगेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, फाल्कन इनवॉइस डिस्काउंटिंग (एफआईडी) प्लेटफॉर्म के प्रबंधन ने खुद को पी2पी (पीयर-टू-पीयर) वेब प्लेटफॉर्म के रूप में पेश किया और निवेशकों को उनके निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा किया।सीआईडी अधिकारियों ने बताया, योगेंद्र सिंह मुख्य संदिग्ध अमरदीप कुमार, कंपनी के प्रबंध

निदेशक और धोखाधड़ी में शामिल अन्य आरोपियों के साथ सक्रिय रूप से शामिल था। कुल 6,979 जमाकर्ताओं को ठगा गया। कंपनी ने मोबाइल एप्लीकेशन और वेबसाइट का इस्तेमाल किया और खुद को वैध पी2पी इनवॉइस डिस्काउंटिंग सेवा के रूप में पेश किया। अधिकारी ने कहा, उन्होंने जमाकर्ताओं को ब्रिटानिया, अमेजन और गोदरेज जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों से जोड़ने का दावा किया, जबकि वास्तव में उन्होंने प्रामाणिकता का भ्रम पैदा करने के लिए वेंडर प्रोफाइल और फर्जी सौदे गढ़े थे।कंपनी ने प्रति वर्ष 11 प्रतिशत से 22 प्रतिशत के बीच रिटर्न देने का वादा किया था तथा 45 से 180 दिनों की परिपक्वता अवधि के साथ 25,000-9 लाख रुपये तक जमा राशि एकत्र की थी।निवेशकों से एकत्रित धन का दुरुपयोग किया गया तथा उसका उपयोग कई कम्पनियां स्थापित करने तथा उनका अधिग्रहण करने में किया गया।

छत्तीसगढ़ के 14 माओवादी तेलंगाना पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण

ऑपरेशन च्युता से मिलेगा नया जीवन

भद्राद्री- कोत्तागुडेम /हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

छत्तीसगढ़ के प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के 14 सदस्यों ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। पुलिस के अनुसार इन 14 माओवादियों में दो एरिया कमेटी के सदस्य (एसीएम) सदस्य भी शामिल हैं। उन्होंने भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू के

समक्ष में आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को ऑपरेशन च्युता के तहत योजनाओं का लाभ मिलेगा। ऑपरेशन च्युता पुलिस प्रशासन की तरफ से शुरू की गई एक पहल है जो तेलंगाना में माओवादी कार्यकर्ताओं को आत्मसमर्पण करने और समाज में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती है।बता दें कि यह कार्यक्रम जनजातीय समुदायों के लिए कल्याणकारी और विकास योजनाओं पर केंद्रित है और माओवादियों को इन योजनाओं से लाभ उठाने का अवसर मिलता है। पुलिस ने अन्य माओवादी सदस्यों से अपील की है कि यदि वे आत्मसमर्पण करके सामान्य जीवन में लौटना चाहते हैं , तो पास के पुलिस स्टेशन या जिला अधिकारियों से संपर्क करें।

गौरतलब है कि सुरक्षाबल ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर बड़ा नक्सल मुक्त अभियान चला रहे हैं। इस ऑपरेशन में करीब 24,000 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। हेलीकॉप्टरों और ड्रोनों की सहायता से घने जंगलों में निरीक्षण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ 21 अप्रैल को 'मिशन संकल्प' अभियान शुरू किया गया है।कारण है कि सरकार ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि नक्सलियों के साथ कोई शांति वार्ता नहीं की जाएगी। यदि नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे, आत्मसमर्पण नीति के तहत उनका पुनर्वास किया जाएगा। और जो हिंसा का रास्ता चुनेंगे, उनसे सख्ती से निपटा जाएगा।

अमाया और अनय : वैश्विक शतरंज में धूम मचा रहे हैं हैदराबाद के प्रतिभाशाली जुड़वाँ बच्चे

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के दस वर्षीय जुड़वां भाई अमाया और अनय अग्रवाल ने एकाग्र शतरंज अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक चैतन्य सिंह के मार्गदर्शन में अल्प समय में ही बड़ी उपलब्धियां हासिल कर ली हैं और इस खेल में उज्ज्वल और उभरते सितारे बन गए हैं।

हाल ही में, अमाया अग्रवाल ने प्रतिष्ठित महिला कैंडिडेट मास्टर (डब्ल्यूसीएम) खिताब हासिल किया है, जिससे उन्हें 2004 की एफआईडीई रेटिंग प्राप्त हुई है, जिससे उन्हें अंडर-10 लड़कियों की श्रेणी में विश्व की नंबर 2 रैंकिंग हासिल करने में मदद मिली है। उनके जुड़वाँ भाई अनय अग्रवाल ने बोस्निया रैपिड शतरंज टूर्नामेंट जीतकर एक राउंड शेष रहते खिताब अपने नाम कर लिया। अनय ने बुडापेस्ट और बोस्निया में क्लासिकल स्पर्धाओं में 100 रेटिंग अंक हासिल किए, जिससे वैश्विक शतरंज में उनकी स्थिति मजबूत हुई, कोच चैतन्य सिंह ने सोमवार को यहाँ पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया।

उन्होंने कहा कि अमाया की तीव्र प्रगति बुडापेस्ट और बोस्निया में उनके शानदार प्रदर्शन से चिह्नित है, जिसमें बेजिलीना ओपन शतरंज टूर्नामेंट के एफएम वर्ग में 8/8 का त्रुटिहीन स्कोर और यू10 रैपिड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ महिला पुरस्कार जीतना शामिल है।उन्होंने कहा, दोनों ने असाधारण समर्पण और प्रतिभा दिखाई है। इतनी कम उम्र में उनकी उपलब्धियां हैदराबाद और भारत के लिए गर्व की बात है।

जुड़वा बच्चों की माँ, पनाशा अग्रवाल ने विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एकाग्र शतरंज अकादमी को श्रेय दिया। हमें अमाया और अनय पर बहुत गर्व है।

असीबीएसई ने दसवीं/बारहवीं कक्षा की परीक्षा के परिणाम के बाद की गतिविधियों का क्रम बदला

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दसवीं/बारहवीं कक्षा की परीक्षा के परिणाम के बाद की गतिविधियों के क्रम में बदलाव किया है।

इस वर्ष, आवेदन प्रक्रिया में सबसे पहले मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करना, उसके बाद अंकों का सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन, या दोनों करना शामिल है।

अब तक तीन-स्तरीय प्रक्रिया और रैखिक प्रणाली में अंकों का सत्यापन, मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करना और पुनर्मूल्यांकन शामिल था। पहले चरण के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार अगले चरण के लिए पात्र हो जाते हैं और इसी तरह आगे भी।

नई प्रणाली के लागू होने से विद्यार्थियों को पुनर्जांच से

पहले अपनी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं देखने की सुविधा मिलेगी, जिससे उन्हें दिए गए अंकों, विशिष्ट टिप्पणियों तथा हुई त्रुटियों के बारे में स्पष्टता मिलेगी।

सीबीएसई ने कहा, पहले चरण में मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवार यह निर्णय ले सकता है कि उसे अंकों के सत्यापन का विकल्प चुनना है या नहीं, जिसमें अंकों या किसी भी बिना मूल्यांकित प्रश्नों को पोस्ट करना/कुल जोड़ना शामिल है, या पुनर्मूल्यांकन का विकल्प चुनना है, जिसमें उम्मीदवार किसी प्रश्न या उसके प्रश्नों के पुनर्मूल्यांकन का अनुरोध करता है।

अभ्यर्थी उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अंकों के सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन या दोनों के लिए आवेदन कर सकता है।

वर्ष 2025 की परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने, अंकों के सत्यापन या प्रश्नों के पुनर्मूल्यांकन अथवा दोनों के लिए आवेदन करने की विस्तृत रूपरेखा दसवीं/बारहवीं कक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद जारी की जाएगी।

युवक द्वारा परेशान किए जाने से तंग आकर हयातनगर में नाबालिग लड़की ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके हयातनगर के रंगनायकुलागुट्टा स्थित अपने घर में एक नौवीं कक्षा की छात्रा ने कथित तौर पर एक युवक के उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली।हयातनगर स्थित सरकारी स्कूल की 14 वर्षीय छात्रा को उसी मोहल्ले का रहने वाला पी.रोहित पिछले छह महीने से कथित तौर पर परेशान कर रहा था। पुलिस के अनुसार, रोहित प्यार के नाम पर उसका पीछा कर रहा था, व्यक्तिगत रूप से और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर। पीड़िता द्वारा उससे बचने और लड़की के परिवार द्वारा चेतावनी दिए जाने के बावजूद, युवक वीडियो, ऑडियो कॉल और टेक्स्ट मैसेज भेजकर उसे परेशान करता रहा।

सोमवार को भी रोहित ने अपने भाई के सोशल मीडिया अकाउंट से पीड़िता को मैसेज भेजकर उसे परेशान किया। इसके अलावा, उसके माता-पिता की अनुपस्थिति में वह उसके घर आया और उसी रात उसे अपने प्रेम प्रस्ताव को स्वीकार करने की धमकी दी।

उत्पीड़न सहन न कर पाने के कारण लड़की ने तड़के अपने घर में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

तेलंगाना को 4000 सौर ऊर्जा संयंत्र आवंटित करें : भट्टी

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार, 6 मई को केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात की और केंद्र सरकार से तेलंगाना को बड़ी संख्या में सौर पंप सेट आवंटित करने का आग्रह किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र को बढ़ाने में राज्य सरकार के प्रयासों को मजबूत करने के लिए केंद्र के सहयोग का भी आग्रह किया।

भट्टी विक्रमार्क की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री ने तीन प्रमुख ज्ञापन प्रस्तुत कर केंद्रीय मंत्री से तेलंगाना की आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया।विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र के साथ यह बैठक इसलिए आयोजित की गई क्योंकि तेलंगाना वर्तमान और भविष्य की कृषि बिजली जरूरतों, जिसमें निर्बाध बिजली आपूर्ति भी शामिल है, के मद्देनजर अपने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए एक मजबूत कार्य योजना को लागू कर रहा है।बैठक में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री ने अपने प्रतिनिधित्व के हिस्से के रूप में तीन प्रमुख अनुरोध प्रस्तुत किए - पीएम-कुसुम घटक-ए (500 किलोवाट से 2 मेगावाट तक की क्षमता) के तहत 4,000 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र आवंटित करने के लिए, पीएम-कुसुम घटक-बी के तहत 1 लाख सौर पंप सेटों के आवंटन का अनुरोध और पीएम-कुसुम घटक-सी के तहत 2 लाख पंप सेटों के आवंटन का अनुरोध।

विज्ञप्ति में कहा गया है, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अनुरोध किया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) पहले से तय पीएम-कुसुम घटक-ए के तहत तेलंगाना को 500 किलोवाट से 2 मेगावाट तक की क्षमता वाले 4,000 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र आवंटित करे। उन्होंने मंत्री को बताया कि एमएनआरई की ईओआई (रुचि की अभिव्यक्ति) अवधि के दौरान समीक्षा के बाद इस आवंटन को संशोधित कर 4,000 मेगावाट से घटाकर 1,000 मेगावाट करने की खबरें हैं।तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कृषि क्षेत्र के लिए स्थायी समाधान खोजने के लिए एक लाख सौर पंप सेट की मांग की जा रही है। बैठक के दौरान, विक्रमार्क ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि तेलंगाना ने देश में कृषि में उच्चतम वार्षिक वृद्धि दर हासिल की है और अपने प्रभावशाली खाद्यान्न उत्पादन के कारण भारत का चावल का कटोरा के रूप में उभरा है।

'रायथु भरोसा' (किसान आश्वासन) जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर प्रकाश डालते हुए, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के समर्थन से राज्य कृषि क्षेत्र में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकता है।

सरकार के साथ सफल वार्ता के बाद टीजीएसआरटीसी कर्मचारी यूनियनों ने हड़ताल वापस ली

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों ने मंगलवार 6 मई को हैदराबाद में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ उनके आधिकारिक आवास पर हुई बातचीत के बाद अपनी हड़ताल वापस ले ली है।

राज्य परिवहन मंत्री की बातचीत और आश्वासन के बाद टीजीएसआरटीसी यूनियन नेताओं द्वारा उठाई गई चिंताओं का अध्ययन करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया। समिति का नेतृत्व राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव नवीन मित्तल करेंगे और आने वाले दिनों में विस्तृत रिपोर्ट पेश करेंगे।

वार्ता समाप्त होने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए यूनियन नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार से आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया है। यूनियन नेताओं ने कहा, हालांकि, अगर हमारी मांगें पूरी नहीं होती हैं और आश्वासन झूठा साबित होता है, तो हम अगली बार पूरी ताकत से आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे।वार्ता देवरकाद्र विधायक जी मधुसूदन रेड्डी, कोठागुडेम विधायक कुनामनेनी संबासिवा राव, परिगी विधायक राम मोहन रेड्डी, एमएलसी प्रोफेसर एम कोदंडराम और उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में हुई।विभिन्न मांगों के बीच, टीजीएसआरटीसी यूनियन नेताओं ने राज्य सरकार के साथ विलय, लंबित वेतनमान (2021 और 2025) के कार्यान्वयन, बकाया भुगतान और यूनियन चुनाव कराने की अनुमति देने की मांग की है।

इस बीच, टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वे काम पर लौट आएं, अन्यथा कड़ी कार्रवाई का सामना करें। कर्मचारियों को लिखे खुले पत्र में टीजीएसआरटीसी ने कहा है कि आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (ईएसएमए एक्ट) के तहत हड़ताल पर जाना प्रतिबंधित है।

पत्र में कहा गया है, निगम 2019 में हड़ताल के कारण हुए नुकसान से उबर रहा है। ऐसे वर्ग से प्रभावित न हों जो पहचान के संकट से जूझ रहा है। काम पर लौटें।

युद्ध जैसे हालात में बजरंग दल ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का विरोध किया

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विपक्षी दलों और महिला संगठनों के बाद अब बजरंग दल समेत दक्षिणपंथी समूहों ने भी 10 से 31 मई तक हैदराबाद में होने वाली 72वीं मिस वर्ल्ड सौंदर्य प्रतियोगिता का विरोध किया है।पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसे हालात के बीच बजरंग दल ने सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजित करने का विरोध किया है।तेलंगाना बजरंग दल के संयोजक शिव राम ने मांग की कि इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार वर्तमान स्थिति में भारतीय सेना के साथ खड़े होने के बजाय इस तरह का आयोजन करेगी तो लोग चुप नहीं बैठेंगे।मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के इस बयान का हवाला देते हुए कि राज्य सरकार के पास सरकारी कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने के लिए पैसा नहीं है, बजरंग दल नेता ने जानना चाहा कि मिस वर्ल्ड के आयोजन के लिए धन कैसे जुटाया गया।उन्होंने पूछा, आप कह रहे हैं कि राज्य वित्तीय संकट का सामना कर रहा है, लेकिन आपको इस अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता के आयोजन के लिए धन कहां से मिला?विश्व हिंदू परिषद ने भी इस सौंदर्य प्रतियोगिता का विरोध किया है। इसने मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाने के लिए सरकार की आलोचना की और इसे सांस्कृतिक जिहाद करार दिया।संगठन ने मांग की कि सरकार रामप्पा मंदिर, यादगिरिगुट्टा और अनंतगिरी पहाड़ियों जैसे पवित्र स्थानों पर उत्सव आयोजित करने का अपना निर्णय वापस ले।

महिला समूहों ने भी इस आयोजन का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे अनुचित और महिलाओं का अपमान करने वाला बताया है।अखिल भारतीय महिला सांस्कृतिक संगठन (एआईएमएसएस) और भारतीय राष्ट्रीय महिला महासंघ (एनएफआईडब्ल्यू) सहित विभिन्न महिला संगठनों ने कुछ छात्र संघों और युवा संगठनों के साथ मिलकर हैदराबाद में एक रैली आयोजित की और सरकार से इस कार्यक्रम को रद्द करने की मांग की।मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपनी प्राथमिकताओं में एकतरफा है। उसने सरकार पर वित्तीय संकट के समय में फिजूलखर्ची करने का आरोप लगाया।बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने इस आयोजन पर 200 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए सरकार पर निशाना साधा, जबकि उन्होंने दावा किया कि उसके पास सरकारी कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और कल्याणकारी योजनाओं जैसी महत्वपूर्ण वित्तीय बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पैसा नहीं है।मुख्यमंत्री रेड्डी ने सोमवार को अधिकारियों को मिस वर्ल्ड के सफल आयोजन के लिए व्यापक प्रबंध करने के आदेश दिए।उन्होंने पुलिस से निगरानी बढ़ाने और सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध करने को कहा, जिसमें 116 देशों की प्रतियोगी भाग ले रही हैं।

बंड़ी संजय ने मुख्यमंत्री रेवंत की टिप्पणी पर येल्ला रेड्डीपेट में विरोध किया

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री की टिप्पणी इस बात का सबूत है कि कांग्रेस का खेल खत्म हो चुका है। जिस प्रकार किसानों से किए गए सभी वादे हवा में रह गए हैं, उसी प्रकार 2500 रुपये पेंशन का वादा भी हवा में ही रह गया है। बुजुर्गों को अब 4,000 रुपये की पेंशन नहीं दी जाएगी। यह निर्णय लिया गया है कि 2500 रुपये मासिक भत्ता दिया जाएगा। महिलाओं के लिए 2,500 रुपये और सोने की तुला राशि केवल खोखले शब्द हैं, बेरोजगारों को अब रुपये नहीं मिलेंगे। 4,000 भत्ता, और रु. अब छात्रों को 5 लाख रुपये का बीमा कार्ड नहीं दिया जाएगा। हम धोखेबाज कांग्रेस को नहीं छोड़ेंगे, हम कल से कांग्रेस के विधायकों और मंत्रियों को पद से हटा देंगे। राहुल गांधी ने संविधान का हवाला देकर जो वादे किए थे उनका क्या होगा? राहुल को जवाब देना होगा। राजीव गांधी रोड पर कांग्रेस की सारी बातें झूठ हैं। ये कांग्रेस ही थी जिसने टेढ़े-मेढ़े तरीके से सड़क बनवाई, ये कांग्रेस ही थी जिसने कमीशनखोरों को नाराज करके घटिया तरीके से काम करवाया, ये कांग्रेस ही थी जो ठेकेदार से 2035 तक का समझौता कर रही है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच केंद्र हाई अलर्ट पर

श्रेणी 2 में हैदराबाद, नागरिक सुरक्षा जिलों की सूची जारी की

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे माहौल के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश को हाई अलर्ट पर रखा है और तैयारियों का आकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। नागरिक सुरक्षा उपायों के तहत केंद्र ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पहचाने गए नागरिक सुरक्षा जिलों की एक सूची जारी की है ।मंत्रालय ने जिलों को उनके रणनीतिक महत्व और संवेदनशीलता के आधार पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया है। ये श्रेणियाँ आपातकालीन प्रतिक्रिया, रक्षा योजना और नागरिक सुरक्षा के समन्वय में मदद करती हैं । श्रेणी 1 में सबसे संवेदनशील क्षेत्र शामिल हैं। श्रेणी 2 में प्रमुख शहर और रणनीतिक बुनियादी ढांचे शामिल हैं। श्रेणी 3 में रक्षा सहायता की आवश्यकता वाले अतिरिक्त स्थान शामिल हैं।श्रेणी 1 के अंतर्गत क्षेत्र:- दिल्ली के विभिन्न भागों , जिनमें नई दिल्ली और दिल्ली छावनी शामिल हैं , को इसके राजनीतिक और सामरिक महत्व के कारण दिल्ली के विभिन्न भागों में बसाया गया है।श्रेणी 2 के प्रमुख शहर :- आंध्र प्रदेश : विशाखापत्तनम, तेलंगाना : हैदराबाद,अरुणाचल प्रदेश : आलोंग, ईटानगर, तवांग, हलिंग, असम : बोंगाईगांव, डिब्रूगढ़, धुबरी, ग्वालपाड़ा, जोरहाट, सिबसागर, तिनसुकिया, तेजपुर, डिगबोई, दिलीसन, बिहार : बरौनी, कटिहार, पटना, पूर्णिया चंडीगढ़ : संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश, छत्तीसगढ़ : दुर्ग (भिलाई), दादरा एवं नगर हवेली : दादरा (सिलवासा) दमन और दीव : दमन, ओडिशा : तालचेर, पुडुचेरी : पुडुचेरी,पंजाब : अमृतसर, भटिंडा, फिरोजपुर, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला, पठानकोट, और अन्य राजस्थान : कोटा, रावतभाटा, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, और भी बहुत कुछ है।श्रेणी 3 में अतिरिक्त स्थान : -राज्यों में कई स्थानों को श्रेणी 3 के अंतर्गत भी वर्गीकृत किया गया है , जो कि संवेदनशीलता के दूसरे स्तर को दर्शाता है। इनमें शामिल हैं:अरुणाचल प्रदेश : बोमडिला, असम : दरांग, गोलाघाट, करीमगंज, सिलचर, बिहार : बेगूसराय पंजाब : फरीदकोट, रोपड़, संगरूर, राजस्थान : फुलेरा, नागौर (मेड़ता रोड)।,

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

स्व. श्री कन्हैयालालजी अग्रवाल
(SRI JAGDAMBA SALES, Malakpet Gunj)
की पावन स्मृति में (मासिक पुण्यतिथि)
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री रामनिवासजी अट्टल
(सुपुत्र : स्व. श्री मुरलीधरजी अट्टल)
स्वर्गवास : मंगलवार दि. 7-5-2024
प्रेरित होते रहे हम, सदा ही जीवन से आपके ।
श्रद्धा सुमन अर्पित करते है, आदरपूर्वक आपको ।।
- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता -
लक्ष्मीनिवास (अनुज), विष्णुनिवास, हरिनिवास, गोविन्दनिवास, प्रेमनिवास, सुनीलनिवास (पुत्र), लखन, अभिषेक, हेमन्त, आशीष, तुषार (पौत्र), आरव, कियांश (पड़पौत्र) एवं समस्त अट्टल परिवार
रामनिवास हरिनिवास अट्टल
ATTAL GIFT SOLUTIONS
हश्मतगंज, सुल्तान बाजार, हैदराबाद © 9391004960, 9391234960

21 वीं पुण्यतिथि

स्व. श्री अमरचन्दजी बागरेचा
सुपुत्र : स्व. श्री भैरूलालजी बागरेचा
स्वर्गवास : 07-05-2004
बागरेचा परिवार के आप शान थे, आपके धार्मिक कार्य महान थे।
एक फूल जो सबको प्यारा था, वहीं फूल भगवान को प्यारा था।।
प्रभु आप की आत्मा को चिर शान्ति प्रदान करे ....
सन्नविष्टकर्ता : श्रीमती किरण देवी बागरेचा (धर्मपत्नी)
कान्तिलाल, हेमन्तकुमार (भाई)
उमेशकुमार - दीपिका, सुमितकुमार- मनीषा (सुपुत्र-पुत्रवधू)
मयन, दक्ष, रिद्धम, चिरांश (पौत्र) हुनर (पौत्री)
एवं समस्त बागरेचा परिवार
हैदराबाद - पाली - चेन्नई
PRATEEK GROUP OF INDUSTRIES

आठवीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती रुक्मिणी बाई यादव (छोटी बाई)
धर्मपत्नी : श्री चंदूलाल जी यादव
प्रेम मिला जो आपसे, वह कभी भुला नहीं हम पाएँगे।
आपके आशीर्वाद से हम सदैव सन्मार्ग को अपनाएँगे।
सन्निविष्टकर्ता : दिनेश यादव, सुरेश यादव, नरेश यादव, महेश यादव (टिल्लू) (पुत्र), आयुष यादव, मोहित यादव, कौशिक यादव, घनश्याम यादव, ठाकुर राज यादव, लक्ष यादव (पौत्र) एवं समस्त पहाड़ीवाले परिवार
निवास : म.नं. 14-7-320, शंकर बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद. .
फोन : 9394801786, 9989398997
मेघा ट्रेवल्स, चूड़ी बाज़ार, हैदराबाद फोन : 8885555416

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.